CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-10 अंक: 247 ता. 27 मार्च 2022, रविवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

सांक्षप्त समाचार

योगी के शपथ ग्रहण के दौरान मोदी, अमित शाह और नितिन गडकरी की फोटो पर स्मृति ईशानी ने जताई नाराजगी!

एजेंसी। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ के शपथ ग्रहण के दौरान की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है। जिसे लेकर केंद्रीय मंत्री स्मृति ईशानी ने अपनी नाराजगी जाहिर की है। दरअसल, वायरल हो रही तस्वीर में पीएम नरेंद्र मोदी, अमित शाह, राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी और जेपी नड्डा जैसे बीजेपी के बड़े नेता एक फ्रेम में नजर आ रहे हैं, जिसे लेकर स्मृति ईशानी ने एक ट्वीट कर अपनी नारजगी जाहिर की है उन्होंने लिखा कि यह तस्वीर मैंने खींची लेकिन इसका क्रेडिट न्यूज एजेंसी को दिया जा रहा है। बता दें कि स्मृति ईशानी ने 26 मार्च को इस तस्वीर को अपने ट्विटर अकाउंट पर पोस्ट किया था, जिसका कैप्शन है- मेरा परिवार, भाजपा परिवार. तस्वीर में पीएम मोदी समेत बीजेपी के और दिग्गज नेता नजर आ रहे हैं, लेकिन उनके द्वारा क्लिक की गई इस फोटो का क्रेडिट एक न्यूज एजेंसी को दे दिया गया. । स्मृति ईशानी के इस ट्वीट पर कमेंट करते हुए न्यूज एजेंसी की एडिटर स्मिता प्रकाश ने लिखा कि बड़े-बड़े शहरों में ऐसी छोटी-छोटी बातें हो जाती हैं सेनोरिटा. इसके साथ उन्होंने लव वाली इमोजी शेयर की। वहीं, स्मिता प्रकाश के इस रिप्लाई का जवाब देते हुए स्मृति ईशानी ने लिखा- सेनोरिटा बड़े देश के बड़े एडिटर ऐसा बोलेंगे तो छोटे लोगों का क्या होगा. सोचों अगर का यही ने किया होता तो. इसपर स्मिता प्रकाश लिखती हैं- क्षमा करें, सभी सब्सक्राइबर्स को सुधार करने के लिए कहा गया है।

चुनावों में जीत लोगों के मोदी के नेतृत्व में भरोसे का प्रमाण, कांग्रेस का हुआ सफायाः शाह

एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को यहां कहा कि चार राज्यों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की 'प्रचंड जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भारत को सुरक्षित, समृद्ध और शक्तिशाली बनाने के लिए शुरू की गई नीतियों और परियोजनाओं की स्वीकृति का प्रमाण है। शाह ने यह भी कहा कि इन चार राज्यों- उत्तर प्रदेश, गोवा, मणिपुर और उत्तराखंड में कांग्रेस का करीब-करीब सफाया हो गया। केंद्रीय मंत्री भोयन मोती गांव में एक सभा को संबोधित कर रहे थे, जहां उन्होंने गुजरात में अपने गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र के 34 गांवों के लिए 22 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन किया और आधारशिला रखी। उन्होंने कहा, ''उत्तर प्रदेश, गोवा, मणिपुर और उत्तराखंड की जीत ने प्रधानमंत्री के नेतृत्व में लोगों का भरोसा दिखाया है। इससे पहले, शाह ने अहमदाबाद के सोला सिविल अस्पताल में गुजरात के पहले ऑडियोलॉजी स्पीच लैंग्वेज पैथोलॉजी कॉलेज और एक डाइट सेंटर का उद्घाटन किया, जिससे गुजरात इस तरह का संस्थान शुरू करने वाला देश का पांचवा राज्य बन गया। शाह ने कहा कि वह लंबे समय के बाद अपने लोकसभा क्षेत्र का दौरा कर रहे हैं क्योंकि वह उन पांच राज्यों में चुनाव प्रचार और प्रबंधन में व्यस्त थे, जिनमें से भाजपा ने जीत हासिल की और चार राज्यों में सरकारें बनाईं। केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''और इन सभी चार राज्यों में कांग्रेस खत्म हो गई है, वह कहीं नहीं दिख रही है। प्रचंड जीत उस भरोसे को दर्शाती है जो भारत के लोगों का नरेंद्रभाई (मोदी) के नेतृत्व में है। शाह ने कहा, ''भाजपा की यह प्रचंड जीत नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों की स्वीकार्यता को दर्शाती है।

'परीक्षा पे चर्चा पर बोले पीएम मोदी, परीक्षा एवं जीवन के विभिन्न पहलुओं पर बात करने का अवसर मिलता है

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि 'परीक्षा पे चर्चा (पीपीसी) के दौरान हल्का-फुल्का संवाद होता है और इस दौरान परीक्षा एवं जीवन के विभिन्न पहलुओं पर बात करने का अवसर मिलता है। 'परीक्षा पे चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री छात्रों से संवाद करते हैं। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय पिछले चार साल से इसका आयोजन कर रहा है। पीपीसी के पहले तीन संस्करण नयी दिल्ली में एक संवादात्मक 'टाउन-हॉल प्रारूप में आयोजित किए गए थे। चौथा संस्करण पिछले साल सात अप्रैल को ऑनलाइन आयोजित किया गया था। प्रधानमंत्री ने ट्वीट किया कि परीक्षा पे चर्चा हल्का-फुल्का संवाद होता है और यह हम सभी को परीक्षाओं, पढ़ाई, जीवन एवं अन्य विषयों संबंधी विभिन्न पहलुओं पर बात करने का अवसर देता है...। परीक्षा पे चर्चा (पीपीसी) कार्यक्रम इस साल एक अप्रैल को नई दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। मोदी ने एक अन्य ट्वीट किया कि आइए तनावमुक्त परीक्षाओं पर एक बार फिर चर्चा करें।

परीक्षा पे चर्चा (पीपीसी) कार्यक्रम इस साल एक अप्रैल को नई दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। मोदी ने एक अन्य ट्वीट किया कि आइए तनावमुक्त परीक्षाओं पर एक बार फिर चर्चा करें। परीक्षार्थियों, उनके अभिभावकों और अध्यापकों को इस साल एक अप्रैल को 'परीक्षा पे चर्चा में शामिल होने का आह्वान करता हूं।

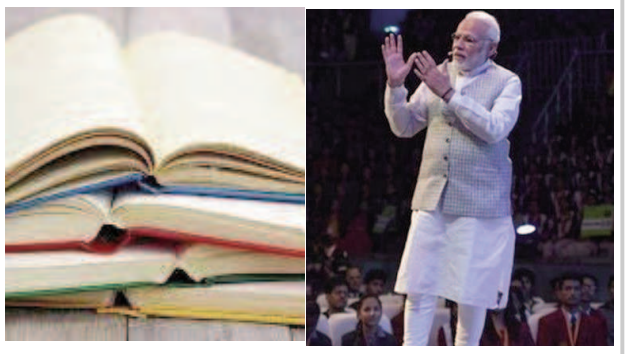

इलेक्शन कमीशन चुनावों की घोषणा कर दीजिए, पेट्रोल-डीजल के दाम खुद नीचे आ जाएंगेः शिवसेना सांसद ने कसा तंज

एजेंसी। शिवसेना सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने पेट्रोल-डीजल के बढ़ते दामों को लेकर केंद्र सरकार पर तंज कसा है। उन्होंने इलेक्शन कमीशन से आगामी चुनावों की तारीख घोषित करने की अपील की है। शिवसेना सांसद ने ट्वीट कर लिखा कि, चुनाव आयोग से अनुरोध है कि कृपया आगामी राज्य चुनावों के कार्यक्रम की तुरंत घोषणा करें, जिससे दामों का बढ़ना कम हो और लोगों को राहत मिले। उन्होंने ट्वीट करके कहा- चुनाव कोई ईंधन मूल्य वृद्धि नहीं। बता दें कि, पांच राज्यों में चुनाव के चलते पेट्रोल-डीजल के दाम में चार नवंबर के बाद से कोई बढ़ोत्तरी नहीं हुई थी। लेकिन चुनाव परिणाम जारी होने के 12 दिन बाद से ईंधन की कीमतों में वृद्धि शुरू हो गई। 22 मार्च को पहली बार पेट्रोल-डीजल के दाम में वृद्धि की गई। इसके बाद से पांच दिनों में चार बाद बढ़ोतरी हो चुकी है। वहीं, कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि पेट्रोल और डीजल की कीमतों में निरंतर हो रही वृद्धि हालिया विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की जीत के जश्न का 'साइड इफेक्ट (दुष्प्रभाव) है। राहुल गांधी ने सरकार पर कटाक्ष करते हुए ट्वीट किया, ''राजा करे महल की तैयारी,प्रजा बेचारी महंगाई की मारी। पेट्रोल और डीजल की कीमत में शनिवार को 80 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई। तेल कंपनियां कच्चे माल की कीमत में बढ़ोतरी का भार उपभोक्ताओं पर डाल रही हैं, जिसके चलते पिछले पांच दिन में चौथी बार कीमत में बढ़ोतरी की गई है।दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल 98.61 रुपये प्रति लीटर जबकि डीजल 89.87 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। कोलकाता में पेट्रोल का दाम 93.01 रुपये जबकि डीजल का दाम 108.01 रुपये प्रति लीटर है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 113.35 रुपये व डीजल की कीमत 97.55 रुपये प्रति लीटर है।

अगले महीने कर्नाटक का दौरा करेंगे पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह

एजेंसी।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने शनिवार को बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अप्रैल की शुरुआत में कर्नाटक का आधिकारिक दौरा करेंगे। साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि मंत्रिमंडल में बहुप्रतीक्षित फेरबदल पर इस दौरान कोई चर्चा नहीं की जाएगी। वित्त मंत्रालय का प्रभार संभाल रहे मुख्यमंत्री ने कहा कि बजट क्रियान्वयन पर नजर रखने के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली समिति का राज्य में पहली बार गठन किया जा रहा है। बोम्मई ने कहा, ''सहकारिता क्षेत्र में सुधार पर काम कर रहे केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह 'क्षीर अभिवृद्धि बैंक से जुड़ी एक बड़ी बैठक में शामिल होने के लिए एक अप्रैल को राज्य का दौरा करेंगे। हम 'क्षीर अभिवृद्धि बैंक% शुरू करने की योजना बना रहे हैं, जिसका लक्ष्य डेयरी क्षेत्र को वित्तीय बढ़ावा देना है, ताकि किसानों की आय में बढ़ोतरी हो सके और उन्हें वित्तीय सहयोग मिल सके। बोम्मई ने यहां संवाददाताओं से कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पांच अप्रैल को राज्य का दौरे करने की संभावना है, लेकिन यह अभी केवल संभावित तारीख है और उसे पूरी तरह अंतिम रूप नहीं दिया गया है।यह पूछे जाने पर कि क्या इन दौरों के दौरान उनके मंत्रिमंडल के बहुप्रतीक्षित विस्तार पर भी चर्चा की जाएगी, मुख्यमंत्री ने कहा, ''वे सरकारी कार्यक्रमों के लिए आ रहे हैं, बेंगलुरू में मंत्रिमंडल को लेकर चर्चा नहीं होगी। जब भी नेतृत्व मुझे बुलाएगा, मैं दिल्ली जाकर इस पर चर्चा करूंगा। मुख्यमंत्री पर देश के पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव के बाद मंत्रिमंडल का जल्द विस्तार करने या इसमें फेरबदल करने का दबाव बढ़ रहा है। कुछ विधायक अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले नए चेहरों के लिए जगह बनाने की खातिर कर्नाटक मंत्रिमंडल में जल्द ही गुजरात की तरह फेरबदल करने की वकालत कर रहे हैं।

कांग्रेस महासचिवों और प्रभारियों की बैठक, सदस्यता अभियान और राजनीतिक हालात पर हुई चर्चा

एजेंसी। कांग्रेस के महासचिवों एवं प्रदेश प्रभारियों की शनिवार को बैठक हुई, जिसमें पार्टी के सदस्यता अभियान, विभिन्न मुद्दों पर आंदोलनों की रूपरेखा और मौजूदा राजनीतिक हालात पर चर्चा की गई। पार्टी के संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल ने कांग्रेस मुख्यालय में हुई इस बैठक की अध्यक्षता की । इसमें कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा, मुकुल वासनिक, तारिक अनवर, रणदीप सुरजेवाला, पवन कुमार बंसल और कई अन्य नेता शामिल हुए। बैठक के बाद प्रियंका गांधी ने फेसबुक पोस्ट में कहा, ''कांग्रेस महासचिवों एवं राज्य के प्रभारियों की बैठक में सदस्यता अभियान एवं जनता के मुद्दों पर आंदोलन को लेकर चर्चा में अपने विचार रखे। यह बैठक हालिया विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की करारी हार और 'जी 23% समूह की बढ़ी हुई सक्रियता की पृष्ठभूमि में हुई है।

द कश्मीर फाइल्स को यूट्यूब पर डालने की बात कह बुरे फंसे केजरीवाल

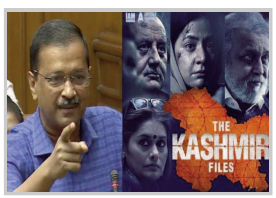

एजेंसी। दिल्ली में द कश्मीर फाइल्स को टैक्स-फ्री करने की विपक्ष की मांगों का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को दिल्ली विधानसभा में कहा कि फिल्म को यूट्यूब पर डाल देना चाहिए। मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा, भाजपा को विवेक अग्निहोत्री से कहना चाहिए कि फिल्म को यूट्यूब पर डाल दे ताकि सब उसे मुफ्त में देख सकें। केजरीवाल के इस बयान के बाद उनकी खूब आलोचना हो रही है। उनके इस बयान से लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। सोशल मीडिया पर भी उन्हें खूब ट्रोल किया जा रहा है। ट्विटर पर लोग अपना विरोध जताते हुए कई मीम्स शेयर कर रहे हैं जो खूब वायरल हो रहे हैं।

बीरभूमि हिंसा मामले की जांच करेगी सीबीआई, कोलकाता हाईकोर्ट ने ममता सरकार को दिया यह निर्देश

एजेंसी। बीरभूम की हिंसा को समाज की चेतना को झकझोर देने वाला बताते हुए कलकत्ता उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को सीबीआई को राज्य पुलिस से मामले की जांच अपने हाथ में लेने और सुनवाई की अगली तारीख पर प्रगति रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया। अदालत ने बुधवार को मामले का स्वतः संज्ञान लिया था। अदालत ने कहा कि तथ्य और परिस्थितियों की मांग है कि न्याय के हित और समाज में विश्वास पैदा करने के लिए जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपी जाए। अदालत ने अपने आदेश में कहा, ''हम सीबीआई को निर्देश देते हैं कि वह मामले की जांच तुरंत अपने हाथ में ले और सुनवाई की अगली तारीख पर प्रगति रिपोर्ट हमारे सामने पेश करे। इस मामले पर अब सात अप्रैल को सुनवाई होगी। बीरभूम जिले के रामपुरहाट कस्बे के पास बोगतुई गांव में 21 मार्च को तड़के कुछ मकानों में कथित तौर पर आग लगा देने से बच्चों और महिलाओं समेत आठ लोगों की झुलसकर मौत हो गई थी। मुख्य न्यायाधीश प्रकाश श्रीवास्तव की अध्यक्षता वाली पीठ ने इस घटना के ''देशव्यापी प्रभाव को देखते हुए पश्चिम बंगाल सरकार से केंद्रीय एजेंसी को पूर्ण सहयोग देने को कहा।

सुरजेवाला का मोदी सरकार पर हमला,

सरकार को जगाने के लिए कांग्रेस थाली, घंटी बजाकर शुरु करेगी 'महंगाई मुक्त भारत अभियान

नई दिल्ली।

कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि कांग्रेस मूल्य वृद्धि के खिलाफ 31 मार्च से 7 अप्रैल तक तीन चरणों में आंदोलन 'महंगाई मुक्त भारत अभियान शुरू करेगी। प्रेस कॉन्फ्रेंस में रणदीप सुरजेवाला ने मोदी सरकार पर जमकर निशाना साधा। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी निर्मित महंगाई कुछ मुट्ठी भर अमीरों को छोड़ देती है। बाकी सबको निचोड़ देती है। अच्छे दिन की लूट ने भारतीयों को बजट बिगाड़ दिया है। पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस के दामों में भारी बढ़ोतरी से तिलमिलाई कांग्रेस महंगाई के खिलाफ सरकार को जगाने के लिए अगले सप्ताह थालियां और घंटियां बजाकर 'महंगाई मुक्त भारत अभियान की शुरुआत करेगी और देशभर में तीन चरणों में इस अभियान को चलाएगी। कांग्रेस संचार तीन चरणों में इस अभियान को चलाएगी। कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख रणदीप सिंह सुरजेवाला ने शनिवार को यहां पार्टी मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में पत्रकारों को बताया कि सोनिया गांधी ने प्रदेश प्रभारी महासचिव और प्रदेश अध्यक्षों की बैठक में इस अभियान को शुरू करने की आज हरी झंडी दी।

उन्होंने बताया कि बैठक में देशभर में 'महंगाई मुक्त भारत अभियान' शुरू करने का निर्णय लिया गया है। उनका कहना था कि अभियान का पहला चरण 31 मार्च को सुबह 11 बजे शुरू होगा जिसमें कांग्रेस कार्यकर्ता और पदाधिकारी अपने घरों के सामने थालियां और घंटियां तथा अन्य उपकरण बजाकर महंगाई के विरुद्ध की सरकार को जगाने का काम करेंगे। प्रवक्ता ने कहा कि अभियान का दूसरा चरण चार अप्रैल को आयोजित होगा जिसमें कांग्रेस के जिला स्तर पर कार्यकर्ता और पदाधिकारी जिलों में महंगाई मुक्त भारत अभियान के तहत धरना देंगे और जिला मुख्यालयों पर मार्च आयोजित करेंगे। उन्होंने कहा कि अभियान के अंतिम चरण में सात अप्रैल को राज्य मुख्यालयों पर मार्च आयोजित करेंगे। उन्होंने कहा कि अभियान के अंतिम चरण में सात अप्रैल को राज्य स्तर पर प्रदेश मुख्यालयों में कांग्रेस के प्रदेशभर के प्रमुख कार्यकर्ता और पदाधिकारी शामिल होंगे और धरना प्रदर्शन तथा मार्च का आयोजन। इस दौरान वे सरकार को महंगाई मुक्त भारत अभियान के तहत जगायेंगे और बताएंगे कि महंगाई के कारण जनता का जीना दूभर हो गया है। सरकार अब संभल जाए वरना, जनता सड़कों पर उतरने वाली है। इस दौरान वे सरकार को महंगाई मुक्त भारत अभियान के तहत जगायेंगे और बताएंगे कि महंगाई के कारण जनता का जीना दूभर हो गया है।

सरकार अब संभल जाए वरना, जनता सड़कों पर उतरने वाली है। एक देश के लोगों की आमदनी कम कर दी। दूसरी तरफ बेतहाशा महंगाई का गम दे दिया। रोज पेट्रोल डीजल गैस, सीएनजी, पीएनजी के दाम बढ़ाते हैं और देश की जनता को तिलतिल कर तड़पाते हैं।

चार दिवसीय मालदीव व श्रीलंका यात्रा पर विदेश मंत्री, बिम्सटेक बैठक में लेंगे हिस्सा

एजेंसी।

विदेश मंत्री एस जयशंकर का आज से चार दिवसीय विदेश दौरा शुरू हो गया है। वह 26 से 30 नवंबर तक मालदीव और श्रीलंका की यात्रा पर रहेंगे। वह यह यात्रा दोनों देशों के आमंत्रण पर कर रहे हैं। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, एस जयशंकर 26 व 27 मार्च तक दो दिवसीय मालदीव दौरे पर रहेंगे। इसके बाद 28 से 30 मार्च तक तीन दिवसीय श्रीलंका दौरे पर रहेंगे। वह यहां 29 मार्च को होने वाली बिम्सटेक मंत्रिस्तरीय बैठक में भी हिस्सा लेंगे। भारतीय उच्चायोग ने ट्वीट किया, ''विदेश मंत्री जयशंकर 28-30 मार्च को द्विपक्षीय और बिम्सटेक कार्यक्रमों के लिए श्रीलंका का दौरा करेंगे। भारत और श्रीलंका के अलावा, बिम्सटेक (बंगाल की खाड़ी बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग पहल) में बांग्लादेश, म्यांमा, थाईलैंड, नेपाल और भूटान शामिल हैं। शिखर सम्मेलन की मेजबानी श्रीलंका द्वारा सात देशों के समूह बिम्सटेक के अध्यक्ष के रूप में की जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 30 मार्च को बिम्सटेक समूह के डिजिटल तरीके से आयोजित शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। समूह के सदस्य देशों द्वारा अपास में आर्थिक जुड़ाव के विस्तार पर ध्यान केंद्रित करने की उम्मीद है। यह शिखर सम्मेलन ऐसे समय हो रहा है जब श्रीलंका विदेशी मुद्रा संकट का सामना कर रहा है क्योंकि महामारी ने द्वीपीय राष्ट्र की पर्यटन से आमदनी को प्रभावित किया है। भारत ने जनवरी के मध्य से, मुद्रा विनिमय, पुनर्भुगतान और ईंधन की खरीद और आवश्यक आयात के लिए समर्पित क्रेडिट लाइन के रूप में आर्थिक राहत प्रदान की है। जयशंकर का यह दौरा ऐसे समय होगा जब संकट से निपटने में श्रीलंका सरकार की नाकामी पर जनता का आक्रोश खुलकर सामने आया है।

द कश्मीर फाइल्स को लेकर अब आप नेता सजंय सिंह ने कहा इसे दूरदर्शन पर दिखाए

नई दिल्ली। देशभर में छाई हिंदी फिल्म द कश्मीर फाइल्स की चर्चा है इस बीच दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का बयान सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है वहीं इस बीच अब उनके सहयोगी मंत्री संजय सिंह का भी इस फिल्म को लेकर दिया बयान सुर्खियां बटौर रहा है। दरअसल, इस फिल्म का मुद्दा शुक्रवार को संसद में भी उठा। आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने बीजेपी पर तंज कसते हुए कहा कि कहा कि सरकार को ये फिल्म यूट्यूब पर अपलोड कर देनी चाहिए, साथ ही इसे दूरदर्शन पर भी दिखाया जाना चाहिए। ऐसे में केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने कहा कि आम आदमी पार्टी के नेता अगर चाहते हैं कि देश के सारे लोग इस फिल्म को देखे तो वो खुद इसे दिल्ली में टैक्स फ्री क्यों नहीं कर रहे हैं। बता दें कि राज्यसभा में भाजपा सदस्य राकेश सिन्हा द्वारा पेश किए गए एक प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान आप सदस्य संजय सिंह ने सरकार से इस फिल्म को यूट्यूब पर उपलब्ध कराने और इसे दूरदर्शन पर दिखाने को कहा, इस दौरान उन्होंने कहा था कि लोगों की पीड़ा से आनंद नहीं लेना चाहिए और उनके दुखों से राजनीतिक लाभ नहीं लेना चाहिए। वहीं, संजय सिंह ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि 1989 में, जब पंडितों को राज्य से बाहर निकाल दिया गया था, तब भाजपा सरकार का हिस्सा थी. जब पंडितों को पीटा जा रहा था और कश्मीर छोड़ जाने के लिए मजबूर किया जा रहा था, तब भाजपा सरकार का हिस्सा थी और आप चुप थे, इतिहास को भुलाया नहीं जा सकता, आपकी पार्टी के सदस्य जगमोहन जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल थे।

6 महीने के लिए बढ़ी पीएम अन्न योजना, 80 करोड़ लोगों को सीधे मिलेगा फ्री राशन

एजेंसी ।

कोरोना काल में मोदी सरकार द्वारा गरीब परिवारों को दिए जा रहे प्रधानमंत्री अन्न योजना को अगले 6 महीने तक बढ़ा दिया है। अब इस योजना का लाभ सितंबर 2022 तक मिलेगा। यह योजना मार्च 2022 में खत्म हो रही थी। बता दें कि कोरोना काल में अप्रैल 2020 से केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री अन्न योजना की शुरूआत की। इस योजना के अंतर्गत 80 करोड़ लोगों को निशुल्क खाद्यान दिया जा रहा है। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में शनिवार को कैबिनेट की मीटिंग हुई, जिसमें यह फैसला लिया गया। इससे पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में शनिवार को मंत्रिमंडल की पहली बैठक में कोविड-19 महामारी के दौरान शुरू की गई मुफ्त राशन योजना को तीन महीने तक बढ़ाने का निर्णय लिया गया। मार्च 2022 तक के लिए लागू की गई योजना अब जून तक जारी रहेगी। इसमें 15 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन देने का प्रावधान है। इस योजना के तहत अगले तीन और माह तक खाद्यान्न योजना के तहत प्रदेश के 15 करोड़ लोगों को दाल, नमक, चीनी के साथ खाद्यान्न मिलता रहेगा। माना जा रहा है कि इस बार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत में मुफ्त राशन की इस योजना का जबरदस्त प्रभाव रहा है। शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण के बाद योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार की पहली कैबिनेट बैठक शनिवार सुबह यहां लोकभवन में हुई। मुख्यमंत्री ने कहा, ''कोरोना वायरस महामारी के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के हर नागरिक के लिए 'प्रधानमंत्री अन्न योजना प्रारंभ की थी। इस योजना के अन्तर्गत देश की 80 करोड़ जनता को इसका लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा, ''मार्च-अप्रैल 2020 से लेकर मार्च 2022 तक इस योजना का लाभ लोगों को प्राप्त हुआ है। उत्तर प्रदेश सरकार ने भी राज्य के अंत्योदय के लाभार्थी और पात्र गृहस्थी कार्ड धारक परिवारों सहित 15 करोड़ लाभार्थियों के लिए यह योजना अपनी ओर से अप्रैल 2020 से आरंभ की थी। मुख्यमंत्री ने कहा, ''यह योजना मार्च 2022 तक थी। इसलिए मंत्रिमंडल ने शनिवार को निर्णय लिया कि अगले तीन महीनों तक प्रदेश के 15 करोड़ लोगों के लिए यह योजना जारी रहेगी। 'डबल इंजन की सरकार पहले भी जनता के साथ खड़ी रही।

महामारी के दौरान निशुल्क इलाज, निशुल्क टीका उपलब्ध कराया गया। राशन वितरण की पारदर्शी व्यवस्था पर जोर देते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि 80 हजार उचित दर की दुकानों पर ई-पॉश मशीनें लगी हैं, इससे सही लाभार्थी तक राशन वितरण संभव हो रहा है। गौरतलब है कि अप्रैल 2020 से केंद्र सरकार के अलावा राज्य सरकार अपने संसाधनों से राज्य के 15 करोड़ गरीब लोगों को मुफ्त राशन उपलब्ध करा रही है। राशन उपलब्ध करा रही है। योजना के तहत अंत्योदय कार्ड धारकों को राज्य सरकार द्वारा 35 किलोग्राम खाद्यान्न दिया जाता है, जबकि पात्र परिवार को प्रति यूनिट पांच किलोग्राम खाद्यान्न मिल रहा है। इसके अलावा दिसंबर 2021 से राज्य और एक किलो नमक भी दे रही है।

अनारुल हुसैन का राजमिस्त्री से लेकर रामपुरहाट के 'बेताज बादशाह तक का सफर

एजेंसी ।

उसके घर को देखो, क्या आप को लगता है कि एक राजमिस्त्री वहां तक पहुंच सकता है? रामपुरहाट कस्बे में अनारुल हुसैन से संबंधित एक तीन मंजिला मकान की तरफ इशारा करते हुए एक व्यक्ति ने पूछा। बीरभूम हत्याकांड मामले में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेता अनारुल को गिरफ्तार किया गया है। हुसैन कुछ लोगों के लिए भले ही मसीहा हो, लेकिन अधिकतर लोगों की नजर में उसका सफर एक भवन निर्माण मजदूर से इलाके का 'बेताज बादशाह बनने जैसा है। हालांकि हुसैन के इस रूप में उदय का आधार संदिग्ध है। लोग दावा करते हैं कि हुसैन की ताकत इतनी अधिक थी कि स्थानीय पुलिसकर्मी तक उसे छूने की हिम्मत नहीं जुटा पाते थे। हुसैन के बचपन के दोस्त स्वप्न मंडल ने कहा, ''मैंने उसे बचपन से देखा है। वह निर्माण कार्य में अपने पिता की मदद करता था और फिर खुद राजमिस्त्री का काम करने लगा, लेकिन वह हमेशा कुछ हासिल करना चाहता था। हुसैन के घर के बगल में रामरामपुर गांव में मछली की दुकान चलाने वाले मंडल ने कहा, जब वह कांग्रेस में शामिल हुए तो राजनीति में आ गए। रामपुरहाट -1 ब्लॉक के तत्कालीन टीएमसी अध्यक्ष हुसैन को बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के निर्देश पर गिरफ्तार कर लिया गया था। आरोप है कि हुसैन ने पुलिस को कथित तौर पर बोगटुई गांव में प्रवेश करने से रोका, जहां आठ लोगों को जला दिया गया था।

इलाके में एक नर्सरी चलाने वाले कार्तिक मंडल ने कहा कि हुसैन की 'फर्श से अर्श पर पहुंचने की कहानी कई वर्षों के भ्रष्टाचार और गलत कामों पर आधारित है। उन्होंने कहा, ''उसके घर को देखो। क्या आप वहां एक राजमिस्त्री के पहुंचने की उम्मीद करते हैं? उसने दो दशक से भी कम समय में इतनी शक्ति और धन जमा कर लिया, आप इसे ईमानदार तरीके से नहीं कर सकते। मंडल ने आरोप लगाया कि 55 साल की उम्र पार कर चुका हुसैन ने मकान बनाने के लिए उनकी जमीन हड़प ली।

हुसैन को राज्य विधानसभा के उपाध्यक्ष और स्थानीय विधायक आशीष बनर्जी पार्टी नेता ने कहा कि वह शुरुआती दिनों से तृणमूल के साथ रहा और समय के साथ खुद को एक 'अच्छा आयोजक साबित किया। नाम न छापने की शर्त पर इस नेता ने आरोप लगाया कि, ''वर्ष 2011 में पार्टी के सत्ता में आने के बाद उसका उदय अभूतपूर्व रहा है।

जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों को अब पनाह देने वालों की खैर नहीं

एजेंसी । जम्मू-कश्मीर पुलिस ने शनिवार को कहा कि जिन लोगों ने स्वेच्छा से आतंकवादियों को पनाह दी है, उनकी अचल संपत्ति कुर्क की जाएगी। पुलिस ने गुरूवार 24 मार्च को यहां घोषणा की कि उसने उन अचल संपत्तियों को कुर्क करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है जिनका इस्तेमाल 'आतंकवाद के उद्देश्य के लिए किया गया है। पुलिस ने श्रीनगर जिले में एक दर्जन से अधिक घरों की पहचान की, जिनका उपयोग 2020 और 2021 के दौरान 'आतंकवाद के उद्देश्यों के लिए किया गया था। पिछले तीन दशकों में, आतंकवादी अक्सर आश्रय के लिए स्थानीय घरों पर निर्भर रहे हैं। कश्मीर में ज्यादातर मुठभेड़ ऐसे ही घरों में होती हैं। पुलिस के एक बयान में कहा गया, ''श्रीनगर पुलिस आतंकवादियों को जानबूझकर पनाह देने और दबाव में किए जाने के बीच के अंतर से अच्छी तरह वाकिफ है। उन्होंने कहा, ''जो कुर्की की जा रही है वे उन संपत्तियों को लेकर संदेह नहीं बचा है कि घर के मालिक या सदस्य ने ज्यादातर मामलों में एक साथ कई दिनों तक जानबूझकर पनाह दी या ऐसा किसी दबाव के चलते किया। बयान में कहा गया कि कुर्की की कार्यवाही हमेशा किसी भी मामले में जांच प्रक्रिया आखिरी चरणों में होने के बाद होती है। लेकिन यह एक तथ्य है कि गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम, 1967 की धारा 2 (जी) और 25 दशकों से प्रचलन में हैं और ये कुछ हालिया जोड़ नहीं हैं जैसा कि कुछ अफवाह फैलाने वालों ने दावा किया है।

विजयपुर: बिजली विभाग ने अभियान चला अवैध कनैक्शन काटे, किराया भी वसूला

साम्बा । जिले के विजयपुर कस्बे में विद्युत विकास निगम की टीम ने अभियान चलाया व अवैध कनेक्शन काटे और बकाया किराया भी वसूला। विजयपुर सबडिवीजन के सहायक कार्यकारी अभियंता यशपाल के नेतृत्व में चलाए जा रहे इस जांच अभियान में जेएंडके विद्युत विकास निगम की विजयपुर उपमंडल की टीम ने शुक्रवार को विभिन्न वार्डों का निरीक्षण किया व बिजली कनैक्शनों की जांच की। विजयपुर, नंदपुर व जक्ख फीडर के तहत इन इलाकों में टीम ने दर्जनों बिजली कनैक्शनों की जांच की और विभिन्न उपभोक्ताओं का बिजली लोड बढ़ाया गया। बकायाधारकों से से 5 लाख रूपए की भी वसूली की गई। इस दौरान भारी बकाया वाले कई बिजली कनैक्शन काटे भी गए। टीम में सतदेव सलाथिया, रमेश चंद्र, सतपाल, राजीव गुप्ता आदि शामिल रहे जिन्होंने लोगों से कहा कि वह बढ़िया क्वालिटी के बिजली उपकरणों का इस्तेमाल करें ताकि कम बिजली खपत हो।राजीव गुप्ता आदि शामिल रहे जिन्होंने लोगों से कहा कि वह बढ़िया क्वालिटी के बिजली उपकरणों का इस्तेमाल करें ताकि कम बिजली खपत हो। लोगों से लोड रिवाईज करवाने और खपत के अनुसार ही कनैक्शन लेने के साथ-साथ समय पर बिजली बिल जमा करवाने को भी कहा गया।

संसद में महिलाओं की भागीदारी पर बोले सीईसी- हालात बदल रहे, लेकिन इसमें और सुधार की जरूरत

नई दिल्ली।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) सुशील चंद्रा ने संसद में महिलाओं के कम प्रतिनिधित्व को लेकर शनिवार को निराशा जताई। साथ ही उन्होंने हाल के वर्षों में महिलाओं के बड़ी संख्या में मतदान करने के लिए आगे आने की ओर भी इशारा किया। उन्होंने संसद की कार्यवाही के दौरान व्यवधानों के कारण समय बर्बाद होने पर भी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है। 'संसद रत्न% पुरस्कार देने के लिए यहां आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चंद्रा ने कहा कि पहली लोकसभा में 15 महिला सांसद थीं और 17वीं लोकसभा में 78 महिला सांसद हैं। उन्होंने कहा, ''लेकिन प्रगति अभी भी धीमी है... यह सच है, संसद को बहुत समावेशी होना चाहिए। चंद्रा ने बताया कि स्थानीय निकायों में, संविधान महिलाओं के लिए एक तिहाई आरक्षण की गारंटी देता है। उन्होंने कहा कि कई जमीनी स्तर की महिला नेताओं ने अपने नेतृत्व गुणों का प्रदर्शन किया है और वे अपने समुदायों में स्पष्ट परिवर्तन लाई हैं। उन्होंने सांसदों और लोगों के बीच संपर्क बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया। संसदीय कार्यवाही में व्यवधान के मुद्दे पर, चंद्रा ने कहा कि जोरदार बहस और चर्चा एक मजबूत संसद के मापदंड हैं, लेकिन बार-बार व्यवधान पैदा करना, बहिर्गमन और भूख हड़ताल कतई मापदंड नहीं हैं। चंद्रा ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में देखा गया है कि व्यवधानों के कारण संसद की कार्यवाही का काफी समय बर्बाद हो जाता है और यह मजबूत संसदीय लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है। उन्होंने कहा, ''संसद की कार्यवाही में भाग लेना, प्रश्नकाल और शून्यकाल के आधार पर महत्वपूर्ण मामलों को उठाना स्थापित संसदीय प्रथाएं हैं... इस बहुमूल्य अवसर को नारेबाजी करके या आसन के निकट आकर हंगामा करके बर्बाद नहीं किया जाना चाहिए। चुनावों में महिलाओं की भागीदारी पर उन्होंने उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा, पंजाब और मणिपुर में हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों के आंकड़े साझा किए।

अदालत में अनूठी पेशी! भगवान शिव शंकर कोर्ट में हाजिर हो....शिवलिंग लेकर कोर्ट पहुंचे लोग

एजेंसी ।

आपने इंसानों को कोर्ट में पेशी पर जाते हुए देखा होगा लेकिन क्या आपने कभी भगवान को कोर्ट में पेसी पर जाते देखा है अगर नहीं तो यह खबर पढ़ आपको भी हैरानी होगी कि भगवान भोलेनाथ को कोर्ट ने नोटिस जारी कर तलब किया है। जी हां, यह अजीबो गरीब मामला छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले का जहां एक तहसीलदार कोर्ट ने भगवान भोलेनाथ को शंकर को नोटिस जारी कर तलब किया था, इतना ही नहीं न आने पर 10 हजार रुपये जुर्माना और बेदखली की चेतावनी भी दी गई थी। वहीं अब भगवान शंकर की पेशी के लोग असमंजस में थे कि उन्हें कोर्ट तक उन्हें कैसे ले जाया जाएं इसके लिए मंदिर से जुड़े लोगों और भक्तों ने पेशी के लोग असमंजस में थे कि उन्हें कोर्ट तक उन्हें कैसे ले जाया जाएं इसके लिए मंदिर से जुड़े लोगों और भक्तों ने एक अनूठा रास्ता खोज निकाला। मंदिर के शिवलिंग को नाग समेत उखाड़ दिया और रिक्शे में बैठाकर कोर्ट पहुंच गए जिसे देख कोर्ट परिजस के लोग काफी हैरान हुए। हालांकि इस समय तहसीलदार कोर्ट में मौजूद नहीं थे, इसलिए भगवान शंकर को पेशी की नई तारीख 13 अप्रैल मिली है। गौरतलब है कि हाईकोर्ट में कुछ दिनों पहले अवैध कब्जे को लेकर याचिका दायर की गई थी जिसके बाद प्रशासन ने नोटिस जारी कर रायगढ़ शहर के कौवाकुंडा स्थित शिव मंदिर को अवैध कब्जे की शिकायत का नोटिस भेजा। नोटिस भगवान शंकर के नाम से था, इसलिए यह प्रकरण काफी सुर्खियों में रहा।

संवाददाता रामलखन सहानी। प्रस्तुत दृश्य में श्री संदीप/बाबू/मोरे कार्याध्यक्ष भारी वाहनों के सेना महाराष्ट्र राज्य शिवसेना विभाग प्रमुख वाशी नई मुंबई द्वारा नियुक्ती के अवसर पर शिवसेना खाशदार श्री राहुल शेवाले साहेब को अभिनंदन करते हुए दृश्यमान है।

न्यायालय ने त्रिपुरा पुलिस को हिंसा के बारे में ट्वीट करने वाले छात्रों के खिलाफ कार्रवाई से रोका

एजेंसी ।

उच्चतम न्यायालय ने त्रिपुरा पुलिस को पिछले साल राज्य में कथित सांप्रदायिक हिंसा के खिलाफ सोशल मीडिया पर पोस्ट करने वाले चार छात्रों के खिलाफ कोई कार्रवाई करने से रोक दिया है। न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति सूर्यकांत की पीठ ने इन छात्रों द्वारा दायर चार अलग-अलग याचिकाओं पर आदेश पारित किया। इन याचिकाओं को मामले में लंबित अन्य याचिकाओं के साथ जोड़ दिया गया। पीठ ने शुक्रवार को आदेश दिया, ''अगले आदेश तक मामला संख्याज दिनांक तीन नवंबर 2021, पश्चिम अगरतला थाना, त्रिपुरा मामले में आगे की कार्यवाही पर रोक रहेगी। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश अधिवक्ता शारुख आलम ने कहा कि इन चार लोगों को दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 41 ए के तहत त्रिपुरा दंगों पर अपने ट्वीट के लिए नोटिस भेजा गया है। ये चारों छात्र हैं। उन्होंने दलील दी कि अदालत ने पहले कई लोगों को इसी तरह की कार्रवाई पर संरक्षण दिया था।

पीठ ने कहा, ''हम नोटिस जारी करेंगे और इन याचिकाओं को जोड़ेंगे तथा पुलिस को आगे कार्रवाई से रोकेंगे। पीठ ने पूछा कि क्या इन चार छात्रों के खिलाफ एक सामान्य प्राथमिकी है, जिसपर आलम ने हां कहा। शीर्ष अदालत ने सात फरवरी को राज्य में कथित सांप्रदायिक हिंसा पर लोगों को सोशल मीडिया पोस्ट के लिए नोटिस भेजने को लेकर त्रिपुरा पुलिस की खिंचाई की थी। शीर्ष अदालत ने राज्य के वकील को चेतावनी दी थी कि अगर त्रिपुरा पुलिस लोगों को परेशान करने से परहेज नहीं करती है शीर्ष अदालत ने राज्य के वकील को चेतावनी दी थी कि अगर त्रिपुरा पुलिस लोगों को परेशान करने से परहेज नहीं करती है तो वह गृह सचिव और संबंधित पुलिस अधिकारियों को तलब करेगी। शीर्ष अदालत उस वक्त पत्रकार समीउल्लाह शब्बीर खान द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें त्रिपुरा पुलिस द्वारा सीआरपीसी की धारा 41 ए के तहत पेश होने के लिए नोटिस जारी किया गया था। शीर्ष अदालत ने 10 जनवरी को त्रिपुरा पुलिस को राज्य में कथित सांप्रदायिक हिंसा के बारे में एक पत्रकार के ट्वीट के संबंध में ट्विटर इंक को नोटिस पर कार्रवाई करने से रोक दिया था। पिछले साल, बांग्लादेश में ईशनिंदा के आरोपों पर दुर्गा पूजा के दौरान हिंदू अल्पसंख्यकों पर हमले की खबरें आने के बाद त्रिपुरा में आगजनी, लूटपाट और हिंसा की घटनाएं हुई थीं।

हिजाब पहनकर यूनिवर्सिटी पहुंची और पढ़ने लगी नमाज, मुस्लिम लड़की ने खड़ा कर दिया बवाल

सागर । हिजाब का विवाद अभी थमा भी नहीं था कि अब नमाज को लेकर एक नया विवाद खड़ा हो गया है। कर्नाटक के बाद मध्य प्रदेश के सागर में स्थित डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय में नमाज पढ़ने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। सोशल मीड़िया पर वायरल वीडियो के अनुसार एजुकेशन विभाग की एक छात्रा यूनिवर्सिटी भवन में नमाज पढ़ती दिख रही है। वीडियो वायरल होते ही हिंदू जागरण मंच ने इस मामले की शिकायत विश्वविद्यालय प्रशासन से की है, जिसके बाद जांच के आदेश दिये गए हैं। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के मुताबिक, डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय के एजुकेशन डिपार्टमेंट में एक छात्रा जो नियमित रूप से हिजाब में आती है, वह शुक्रवार दोपहर में यूनिवर्सिटी में ही नमाज अदा कर रही थी। वीडियो वायरल होते ही कई हिंदू संगठन इसके विरोध में उतर आए और विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार और कुलपति से शिकायत की। छात्रा दमोह की रहने वाली है और बीएससी बीएड की पढ़ाई कर रही है। हिंदू जागरण मंच के उमेश सराफ ने मामले की शिकायत की है और उनका कहना है कि यह छात्रा नियमित रूप से हिजाब पहनकर डिपार्टमेंट में आती है और अब यहां नमाज अदा करने लगी है। विश्वविद्यालय प्रशासन को इस पर कार्रवाई करना चाहिये मामले को लेकर यूनिवर्सिटी के प्रशासन का कहा कि एज्यूकेशन डिपार्टमेंट में किसी किस्म का ड्रेस कोड लागू नहीं है और ना ही हिजाब को लेकर कोई विवाद है। छात्रा पिछले एक साल से लगातार हिजाब में ही आती है और अपनी पढ़ाई कर रही है। अब मामले की शिकायत आई है इसकी जांच की जाएगी। केंद्रीय विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर नीलिमा गुप्ता के अनुसार दमोह की छात्रा क्वस्ष्ट-क्वश्वष्ठ की पढ़ाई कर रही है और इस साल फाइनल ईयर का एग्जाम देगी।

संक्षिप्त समाचार

जरूरत पड़ी तो दिल्ली नगर निगमों के विलय संबंधी विधेयक को अदालत में चुनौती देंगे- केजरीवाल

एजेंसी । दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को कहा कि वह शहर के तीनों नगर निगमों को एकीकृत करने के लिए संसद में पेश किए गए विधेयक का अध्ययन करेंगे और अगर जरूरत पड़ी तो इसे अदालत में चुनौती देंगे। उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया द्वारा दिल्ली का बजट पेश करने के बाद केजरीवाल ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह कहा। वर्तमान में दिल्ली में तीन नगर निगम - उत्तरी दिल्ली नगर निगम (एनडीएमसी), दक्षिणी दिल्ली नगर निगम (एसडीएमसी) और पूर्वी दिल्ली नगर निगम (ईडीएमसी) हैं, जिनमें कुल 272 वार्ड हैं। एनडीएमसी और एसडीएमसी, प्रत्येक में 104 वार्ड हैं, जबकि ईडीएमसी में 64 वार्ड हैं। राष्ट्रीय राजधानी में तीनों नगर निगमों का आपस में विलय कर उन्हें एक एकीकृत इकाई बनाने संबंधी विधेयक शुक्रवार को लोकसभा में विपक्ष के इन दावों के बीच पेश किया गया कि यह कदम संसद की विधायी क्षमता से परे है। विधेयक में कुल वार्ड की संख्या 272 से घटाकर 250 करने का भी प्रस्ताव है। मुख्यमंत्री ने कहा, ''एमसीडी विधेयक केवल (नगर निगम) चुनाव में देरी करने की मंशा से लाया गया है। वार्ड की संख्या कम करने का क्या मतलब है। हम विधेयक का अध्ययन करेंगे और जरूरत पड़ने पर इसे अदालत में चुनौती देंगे।

कोरोना टीकाकरण: प्रमाणपत्रों पर फिर पीएम मोदी की फोटो लगाने के लिए तैयार सरकार, को-विन प्लेटफॉर्म में होगा बदलाव

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश सहित पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव संपन्न होने के साथ ही केंद्र सरकार इन राज्यों में कोविड-19 टीकाकरण प्रमाणपत्रों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर का प्रकाशन फिर से शुरू करने की योजना बना रही है। चुनाव की तारीखों की घोषणा और आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद आठ जनवरी को पांच राज्यों उत्तर प्रदेश, गोवा, उत्तराखंड, पंजाब और मणिपुर में टीकाकरण प्रमाणपत्रों से मोदी की तस्वीर हटा दी गई थी। एक आधिकारिक सूत्र ने बताया कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने इन राज्यों में कोविड टीकाकरण प्रमाणपत्रों पर प्रधानमंत्री की तस्वीर की छपाई को सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर फिर से शुरू करने की इच्छा जताई है। सूत्र ने पीटीआई-भाषा को बताया, इन पांच राज्यों में लोगों को दिए जा रहे कोविड-19 प्रमाणपत्रों में प्रधानमंत्री की तस्वीर को शामिल करने के लिए को-विन मंच पर आवश्यक बदलाव किए जाएंगे।

पागल कुत्ते के काटने से भैंस की मौत ! खौफ में जी रहे उसके दूध से बना रायता खाने वाले सैंकड़ों लोग

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर जिले में एक पालतू भैंस की मौत से हड़कंप मच गया। वजह यह कि भैंस की मौत पागल कुत्ते के काटने से हुई। इससे भी बड़ी बात यह कि भैंस की मौत से लोगों में दहशत फैल गई और अस्पताल के बाहर सैकड़ों लोगों की लंबी लाइन लग गई। ये सभी लोग एंटी रैबीज इंजेक्शन लगवाने के लिए पहुंचे थे। क्योंकि इन्होंने भैंस के दूध से बना रायता खाया था। हैरान कर देने वाला मामला डबरा तहसील के चांदपुर गांव का है। जहां एक मृत्युभोज में मरने वाली भैंस के दूध से रायता बनाया गया था और यह रायता सैकड़ों लोगों ने खाया था। घटना के बारे में जब गांव वालों को पता चला तो वे डर गए और एंटी रेबीज का इंजेक्शन लगवाने सिविल अस्पताल पहुंच गए। ग्रामीणों का कहना था कि उन्हें डर है कि कहीं जहर उनके शरीर में ना फैल जाए। इसलिए इलाज करवाने के लिए आए हैं। डॉक्टर्स का कहना था कि सभी लोगों को एंटी रैबीज दिया गया है। सभी की हालत स्थिर है। किसी तरह के डरने की जरूरत नहीं है। वहीं मृत्युभोज में खाना खाने वाले कुछ लोग भैंस मालिक को भी कोसते देखे गए। उनका कहना था कि यदि भैंस को पागल कुत्ते ने काट लिया था तो उसके दूध या छांछ देने की जरूरत ही नहीं थी।

राहुल के साथ बैठक में सैलजा ने जी23 के नेताओं पर साधा निशाना

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की शुक्रवार को पार्टी की हरियाणा इकाई के वरिष्ठ नेताओं के साथ हुई बैठक में प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष कुमारी सैलजा ने जी23 समूह के नेताओं पर निशाना साधा और कहा कि पार्टी नेतृत्व को चुनौती दे रहे इन नेताओं ने इसी व्यवस्था के भीतर पद और सम्मान हासिल किए। सूत्रों के मुताबिक, इस बैठक में हालांकि सैलजा ने किसी नेता का नाम नहीं लिया। गांधी परिवार की विश्वासपात्र मानी जाने वाली सैलजा ने उस बैठक में जी 23 नेताओं को निशाने पर लिया, जिसमें इस समूह के एक सदस्य और हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा मौजूद थे। पार्टी सूत्रों ने बताया, बैठक में सैलजा ने जी23 का विषय उठाया। उन्होंने कहा कि जो लोग आज संगठन में सुधारों के बहाने गांधी परिवार के नेतृत्व को चुनौती दे रहे हैं उन्होंने इसी सिस्टम में पद और सम्मान हासिल किए। उल्लेखनीय है कि हालिया विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की हार के बादजी 23 समूह के नेताओं ने अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। वे कांग्रेस में सामूहिक और समावेशी नेतृत्व की मांग कर रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, राहुल गांधी के साथ हरियाणा प्रदेश कांग्रेस के कुछ नेताओं के बीच कुछ विषयों को लेकर वाद-प्रतिवाद भी हुआ। एक सूत्र ने बताया कि जब दीपेंद्र हुड्डा ने प्रदेश में संगठन बना लिए जाने की बात की, तो राहुल गांधी ने इससे स्पष्ट रूप से असहमति जताई। सूत्रों ने बताया, बैठक में कुलदीप बिश्नोई ने गैर जाट नेतृत्व के पक्ष में तर्क दिए तो दीपेंद्र हुड्डा ने प्रतिवाद किया और कहा कि हिसार में आठ लाख गैर जाट मतदाता हैं और जाट (मतदाता) चार लाख के आसपास हैं तो फिर उनके पुत्र (भव्य बिश्नोई)पिछले लोकसभा चुनाव में तीसरे स्थान पर क्यों रहे?

रिपोर्ट में खुलासा: पाकिस्तान के परमाणु कार्यक्रम से वैश्विक सुरक्षा को खतरा

इंटरनेशनल डेस्क।

भले ही पाकिस्तान दुनिया के सामने अपनी छवि को साफ दिखाने की कोशिश करता है लेकिन एक रिपोर्ट सामने आने के बाद पाक को लेकर कई सवाल खड़े हो गए हैं। पाकिस्तान में आतंकवाद, राजनीतिक अस्थिरता और बढ़ते कट्टरपंथ पर एक मीडिया रिपोर्ट सामने आई है जिसमें कहा गया है कि पाकिस्तान एक परमाणु असुरक्षित देश है जो वैश्विक सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर सकता है। जियोपॉलिटिक की रिपोर्ट में कहा गया है कि जिस तरह से तहरीक-ए-लबैक (टीएलपी) और तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने पिछले दो वर्षों के दौरान सरकार को अपनी मांगों के लिए आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर किया है उससे जिहादियों द्वारा पाकिस्तानी परमाणु शस्त्रागार पर नियंत्रण करने की भी आशंका बढ़ रही है।

रिपोर्ट में पाकिस्तान में बढ़ते कट्टरपंथ के बारे में जिक्र किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तानी सेना के क्रमिक कट्टरपंथीकरण ने रक्षा तंत्र पर हमला करने के लिए जिहादी संगठनों के साथ गठबंधन किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान की परमाणु-सशस्त्र सेना में आतंकवादी घुसपैठ की सीमा तब स्पष्ट हो गई जब आतंकवादियों ने अंदरूनी लोगों से कथित खुफिया सहायता के साथ काम करते हुए पाकिस्तान के सबसे बड़े नौसैनिक ठिकानों में से एक कराची के पास मेहरान नेवल बेस पर हमला किया। पाकिस्तान को लेकर रिपोर्ट में बताया गया है कि एक और बड़ा जोखिम उस वक्त उत्पन्न होता है एक और बड़ा जोखिम उस वक्त उत्पन्न होता है जब पाकिस्तान ने परमाणु हथियार विकसित किए हैं और पश्चिमी देशों से चुराई गई तकनीक का उपयोग करके और अंतरराष्ट्रीय ग्रे नेटवर्क हासिल किया है।

अमेरिका में सड़कों पर स्प्रे चित्रकारी से यूक्रेन युद्ध का विरोध कर रहे कलाकार

लॉस एंजिलिस।

यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के एक महीना पूरा होने पर अमेरिका के साउथ कैरोलीना में कलाकार सड़कों पर स्प्रे चित्रकारी (पेंटिंग) बनाकर युद्ध का विरोध कर रहे हैं। लॉस एंजिलिस की कलाकार कोरी मैटी यूक्रेन पर बमबारी शुरू होने के बाद पेंटिंग बनाने के लिये प्रेरित हुईं। उन्होंने टैटू आर्टिस्ट जूलियानो त्रिनिदाद का साथ लिया और एक पेंटिंग बनाई, जिसमें कबूतर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का सिर ले जाते हुए दिख रहे हैं। मैटी ने कहा, यह एक तरह का प्रतिरोध है। लेकिन आप कला का उपयोग संभावित रूप से लोगों के दृष्टिकोण को बदलने के लिए कर रहे हैं। नजदीकी सैंटा मोनिका में टॉड गुडमैन नामक कलाकार भी यूक्रेन के साथ एकजुटता दिखा रहे हैं। गुडमैन ने कहा कि वह सड़कों पर इस तरह अवैध तरीके से पेंटिंग बनाने के लिये गिरफ्तारी और जुर्माने के खतरे से वाकिफ हैं। लेकिन वह जो मदद करना चाहते हैं उसके आगे ये परिणाम कोई मायने नहीं रखते। गुडमैन ने कहा, मैंने यूक्रेन के लोगों के समर्थन में बाहर निकलने का निर्णय लिया। उन्होंने मशीनगन थामे यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की को दर्शाया है। गुडमैन ने कहा कि उनके यहूदी पूर्वजों ने उन्हें प्रेरित किया, जो यूक्रेन क्षेत्र से 1800 के आसपास अमेरिका आ गए थे।

भूकंप के झटकों से दहला चीन का चिंगहई , रिएक्टर स्केल पर 6.0 तीव्रता दर्ज

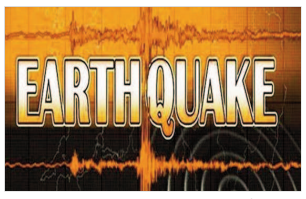

बीजिंग ।

चीन के चिंगहई प्रांत में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। भूकंप की रिक्टर स्केल पर तीव्रता 6.0 दर्ज की गई है, जिसमें किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार भूकंप का केंद्र 4,410 मीटर की ऊंचाई पर एक कम आबादी वाले क्षेत्र में स्थित था। डेलिंगा के आपातकालीन प्रबंधन ब्यूरो के अनुसार, भूकंप के केंद्र के 20 किलोमीटर के भीतर कोई गांव नहीं था। इसको लेकर ब्यूरो ने कहा कि भूकंप के झटके डेलिंगा, जिउक्कान, जियायुगुआन और झांग्जू शहरों के निवासियों ने भी महसूस किए। यह भूकंप प्रांत के डेलिंगा शहर में आज तड़के 12 बजकर 21 मिनट पर आया। चीन भूकंप नेटवर्क केंद्र के अनुसार, भूकंप का केंद्र 38.50 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 97.33 डिग्री पूर्वी देशांतर. यह शहर से 126 किलोमीटर दूर 10 किमी की गहराई पर आया था। समाचार एजेंसी ने कहा कि भूकंप से प्रभावित इस क्षेत्र में चलने वाली कई ट्रेनों के देरी से चलने की उम्मीद है।

इस बात की सूचना चीन रेलवे किंघई-तिब्बत ग्रुप कंपनी लिमिटेड के शीनिंग रेलवे स्टेशन ने भी दी है। चिंगहई प्रांत में इससे पहले जनवरी महीने में 6.9 की तीव्रता का भूकंप आया था। तब उस समय भूकंप में चार लोग घायल हो गए थे।

अंटार्कटिका में भीषण गर्मी से दिल्ली जितनी बड़ी बर्फ की चट्टान टूटी, समुद्री जलस्तर बढ़ने का खतरा

वॉशिंगटन।

धरती पर सबसे ठंडा और सबसे बर्फीला स्थान अंटार्कटिका विनाशकारी भीषण गर्मी का सामना कर रहा है। धरती के ध्रुवीय इस इलाके में गर्मी की वजह से मध्य मार्च में लगभग दिल्ली के आकार का कोंगर आइस सेल्फ नामक बर्फ का पहाड़ टूट गया। कोंगर आइस सेल्फ 1200 वर्ग किमी तक फैला हुआ है। बताया जा रहा है कि बर्फ का यह विशाल टुकड़ा 15 मार्च को अंटार्कटिका से अलग हुआ। इस दौरान वहां पर तापमान बढ़कर माइनस 12 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था जो सामान्य से 40 डिग्री सेल्सियस ज्यादा था। ब्रिटिश समुद्र विज्ञानी रॉब लार्टर ने कहा, मैं नहीं समझता हूं कि जब से हम सैटलाइट डेटा का परीक्षण कर रहे हैं, तब से लेकर अब तक पूर्वी अंटार्कटिका से इतना बड़ा बर्फ का टुकड़ा पहले कभी टूटा था। उन्होंने कहा, कोंगर एक बहुत छोटा बर्फ का टुकड़ा था जिसका आकार पिछले कई साल से लगातार कम हो रहा था। अंततः यह टूटकर अलग हो गया। यह बर्फ का टुकड़ा ऐसे समय पर टूटा है जब अंटार्कटिका में पहली बार इस साल सबसे कम बर्फ का प्रसार हुआ है। इस इलाके में समुद्र को बर्फ ढंके रहती है। इस तरह के बर्फ के टुकड़े बर्फ को पिघलकर समुद्र में जाने से रोकते हैं। अगर ये टुकड़े न हो तो बर्फ पिघलकर सीधे समुद्र में चली जाएगी और उसका जलस्तर लगातार बढ़ने लगेगा। इससे धरती के निचले इलाकों में पानी भर जाएगा।

अमेरिका के यूनिवर्सिटी ऑफ कोलोराडो में बर्फ विज्ञानी टेड स्कामबोस का भीषण गर्मी के बारे में कहना है कि अंटार्कटिका में पहले ऐसा कभी नहीं देखा गया। वहीं विस्कॉन्सिन यूनिवर्सिटी में मौसम विज्ञानी मैथ्यू लज्जारा ने कहा कि जब ऐसी चीज देखते हैं तो यह निश्चित रूप से अच्छा संकेत नहीं है।दरअसल, अंटार्कटिका में बर्फ के रूप में इतना जो यादा पानी जमा है ।

यूक्रेनी थिएटर पर हुए रूसी हमले में 300 लोग मारे गए, जेलेंस्की बोले- शहर और गांव ''राख के ढेर में बदल गए

इंटरनेशनल डेस्क। यूक्रेन के मारियुपोल शहर की सरकार ने शुक्रवार को कहा कि पिछले सप्ताह एक थिएटर पर रूसी हवाई हमले में 300 लोग मारे गए। रूस के हमलों से बचने के लिए लोग इस थिएटर में शरण लिये हुए थे। टेलीग्राम चैनल पर प्रत्यक्षदर्शियों के हवाले से शहर सरकार ने बताया कि मृतक संख्या ''लगभग 300 थी। यह तुरंत स्पष्ट नहीं है कि क्या आपातकालीन कर्मचारियों ने मौके का पूरा मुआयना कर लिया था और प्रत्यक्षदर्शियों को मौके के आंकड़े के बारे में कैसे पता चला। हवाई हमले के तुरंत बाद, यूक्रेनी संसद के मानवाधिकार आयुक्त लुडमिला डेनिसोवा ने कहा था कि 1,300 से अधिक लोग इमारत में शरण लिए हुए हैं। खारकीव के बाहरी इलाके में शुक्रवार को कोहरा छाया रहा और सुबह से ही लगातार गोलाबारी हो रही है। शहर के एक अस्पताल में, कई घायल सैनिकों को लाया गया और वहां उनका इलाज चल रहा है। इस बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर समाचार एजेंसी 'इंटरफैक्स की खबर के अनुसार, रूस की सेना ने शुक्रवार को दावा किया कि उसने कीव क्षेत्र में यूक्रेन के ईंधन अड्डे को नष्ट कर दिया।

आत्महत्या करने वाली अमेरिकी किशोरी को ब्लैकमेल के आरोप में पाकिस्तान में 2 सेक्सटॉर्शनिस्ट गिरफ्तार

इस्लामाबाद ।

पाकिस्तान के फैसलाबाद शहर में एक अमेरिकी किशोरी की आपत्तिजनक तस्वीरें साझा करने , यौन शोषण और ब्लैकमेल करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। किशोरी ने एक साल पहले न्यूयॉर्क में आत्महत्या कर ली थी। समा टीवी के अनुसार मार्च 2021 में अपनी जान लेने वाली शायलिन डिक्सन नाम की पीड़िता ने एक नोट छोड़द्द, जिसमें लिखा था कि उसे ÷ऑनलाइन एक ब्लैकमेलर द्वारा धोखा दिया गया, जिसके बाद, न्यूयॉर्क पुलिस विभाग (एनवाईपीडी) की जांच में नाबालिग को ब्लैकमेल करने वाले दो लोगों की संलिप्तता का पता चला। 3 मार्च, 2021 को आत्महत्या करने वाली 17 वर्षीय पीड़िता ने सुसाइड नोट में लिखा, ब्लैकमेलर ने मुझे शर्मनाक तस्वीरें भेजने के लिए बरगलाया, और फिर उन्हें सहपाठियों और दोस्तों को भेजने की धमकी दी। के अनुसार, पीड़िता के कम से कम दो दोस्तों ने इंटरनेट से उसकी अश्लील तस्वीरें प्राप्त कीं। मीडिया आउटलेट के अनुसार, अमेरिकी दूतावास के अनुरोध पर जांच करने वाली संघीय जांच एजेंसी ने फेसबुक प्रोफाइल से फैसलाबाद के ब्लैकमेलर्स का पता लगाया। साइबर द्वारा दर्ज एक प्राथमिकी के अनुसार, मोहम्मद अर्सलान सईद और कमल अनवर के रूप में पहचाने जाने वाले आरोपी ने मोआन इकराम के नाम से बनाई गई एक फेसबुक आईडी का इस्तेमाल पीड़िता और उसके दोस्तों को आपत्तिजनक तस्वीरें साझा करके ब्लैकमेलिंग और सेक्सटॉर्शन के लिए किया था। प्राथमिकी में कहा गया है, दोनों आरोपियों ने अपना अपराध स्वीकार कर लियाऔर कहा कि उन्होंने एक-दूसरे की सक्रिय मिलीभगत से इस अवैध कार्य को जानबूझकर किया।

रूसी बल यूक्रेन में अब राजधानी कीव से अपना ध्यान हटाते हुए हो रहे हैं प्रतीत

वाशिंगटन।

रूसी बल यूक्रेन में जारी युद्ध में अब अपना ध्यान राजधानी कीव से हटाते हुए प्रतीत हो रहे हैं और इसके बजाय उनका ध्यान यूक्रेन के पूर्वी हिस्से में स्थित डोनबास औद्योगिक क्षेत्र को मुक्त कराने पर है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह बात कही। उन्होंने कहा कि यह युद्ध के नए चरण की शुरुआत हो सकती है। उन्होंने कहा कि हालांकि अभी यह कहना जल्दबाजी होगा कि इसके क्या परिणाम होंगे। देश के कई हिस्सों में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की सेना को काफी दबाव का सामना करना पड़ रहा है। अमेरिका और अन्य देश यूक्रेन को हथियार और साजो-सामान की आपूर्ति बढ़ा रहे हैं। हाल में अमेरिकी अधिकारियों ने कहा है कि उन्हें कुछ क्षेत्रों में सीमित रूप से ही सही, यूक्रेनी सैनिकों के आक्रामक होने के सबूत मिले हैं। उन्होंने कहा कि इस हफ्ते की शुरुआत में वे (यूक्रेनी सैनिक) काला सागर तट पर बंदरगाह में एक बड़े रूसी जहाज पर हमला करने में कामयाब रहे। रूसी सेना के उपप्रमुख कर्नल जनरल सर्गेई रुड्सकोई ने कहा था कि रूसी बलों ने पहले चरण के मुख्य उद्देश्यों को मोटे तौर पर हासिल कर लिया है। रूस ने पहले चरण को यूक्रेन में विशेष सैन्य अभियान करार दिया था। रुड्सकोई ने कहा था कि रूसी बलों ने यूक्रेन की लड़ाकू सैन्य क्षमता को अपेक्षाकृत कमजोर कर दिया है और अब वे अपने मुख्य लक्ष्य यानी डोनबास की आजादी को हासिल करने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। रुडस्कोई के इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने युद्ध को समाप्त करने के लिए रूस से बातचीत करने की अपील की। हालांकि उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि यूक्रेन शांति की कीमत अपने किसी भी क्षेत्र को छोड़ने के लिए सहमत नहीं होगा। उन्होंने देश के नाम एक वीडियो संदेश में कहा, यूक्रेन की क्षेत्रीय अखंडता की गारंटी दी जानी चाहिए। शर्तें निष्पक्ष होनी चाहिए, क्योंकि यूक्रेनी लोग कुछ भी गलत स्वीकार नहीं करेंगे। अमेरिका के एक रक्षा अधिकारी ने कहा है कि एक महीने से जारी युद्ध में रूसी सेना देश के अधिकांश हिस्सों में कमजोर पड़ी है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों में रूसी बलों ने कीव को लेकर बहुत कम दिलचस्पी दिखाई है, हालांकि वे राजधानी पर हवाई हमले जारी रखे हुए हैं। अधिकारी ने कहा, कम से कम इस समय वे कीव को ध्यान में रखते हुए आगे नहीं बढ़ाना चाहते। वे डोनबास पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। पुतिन 24 फरवरी को आक्रमण की शुरुआत से स्पष्ट रूप से यह नहीं बता रहे हैं कि यूक्रेन को लेकर उनके क्या इरादे हैं। उन्होंने कहा था कि इसका उद्देश्य यूक्रेन सरकार को सेना से अलग करना और उसके प्रभाव को कम करना है। साथ ही उन्होंने कहा था कि वह डोनबास को मुक्त कराना चाहते हैं, जिसका एक हिस्सा 2014 से रूसी समर्थित अलगाववादी नियंत्रण में है।

शर्मनाक: पाकिस्तान में शादी दौरान पापड़ के लिए वैंडर की हत्या, शव सामने रख दावत उड़ाते रहे मेहमान

पेशावर। पाकिस्तान पंजाब प्रांत के पट्टोकी शहर में दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। पट्टोकी शहर में एक शादी समारोह के दौरान उपजे विवाद में एक पापड़ वाले को मेहमानों ने बेरहमी से पीट-पीट कर मार डाला। हत्या के बाद ये मेहमान बेफिक्र होकर शव के साथ ही उत्सव मनाते और दावत उड़ाते रहे। घटना का शर्मनाक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद लोगों में आक्रोश भड़क गया है। द न्यूज इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार वायरल हुए एक वीडियो में दिख रहा है कि हत्या के बाद शव फर्श पर पड़ा रहा और शादी में आए मेहमान बेफिक्र होकर कबाब और बिरियानी का लुत्फ लेते रहे। मृतक की पहचान अशरफ उर्फ सुल्तान के रूप में हुई है। इस क्रूर हत्या के बाद लोगों में आक्रोश है। पंजाब (पाक के) पुलिस ने हत्या के इस मामले में मैरिज हाल के मैनेजर सहित 12 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस का कहना है कि वह पूरे मामले की छानबीन कर रही है। पुलिस ने बताया कि पंजाब फोरेंसिक साइंस एजेंसी की टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं। इस बीच, जिला पुलिस अधिकारी (डीपीओ) कसूर ने कहा कि उन्होंने सीसीटीवी कैमरे और वीडियो सहित अन्य साक्ष्य एकत्र किए हैं, जिनकी मदद से सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। द न्यूज इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार पंजाब के मुख्यमंत्री उस्मान बजदार ने भी पुलिस अधिकारियों से रिपोर्ट मांगी है। वहीं पाकिस्तान पुलिस ने सिंध प्रांत में एक 18 वर्षीय हिंदू लड़की की गोली मारकर हत्या करने के मामले में एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया है।

चीन की नजरें सोलोमन द्वीप पर भी, गुप्त समझौते ने बढ़ाई आस्ट्रेलिया-न्यूजीलैंड की टेंशन

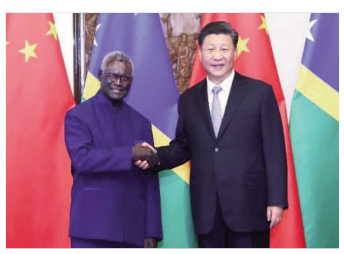

सिडनी।

चीन यूक्रेन-रूस जंग का चौतरफा फायदा उठाने की फिराक में है। एक तरफ वह अपने व्यापारियों को रूसी बाजार पर कब्जा करने की सलाह दे रहा है तो दूसरी तरफ वह दुनिया पर कब्जे की अपनी महत्वकांशाओं को पूरा करने में लगा हुआ है। दरअसल यूक्रेन पर रूसी हमले ने चीन की आक्रमकता और मनोबल बढ़ाने का काम किया है। इस संबंधे में लीक हुए एक दस्तावेज से संकेत मिलता है कि चीन की गिद्ध दृष्टि अब सोलोमन द्वीप पर गढ़ी है और यहां वह अपनी सैन्य मौजूदगी को बढ़ा सकता है। यह जानकारी पड़ोसी देश आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और अन्य मुल्कों की चिंता बढ़ाने वाली है। सोलोमन द्वीप की ओर से कहा गया है कि उसने चीन के साथ एक समझौता कर लिया है। ऑस्ट्रेलिया के रक्षा मंत्री पीटर डटन ने शुक्रवार को बताया कि बीजिंग और होनियारा के बीच एक सुरक्षा मसौदा समझौते के ऑनलाइन लीक होने के बाद दुनिया की चिंता बढ़ गई है क्योंकि इस मसौदे में सोलोमन द्वीप में चीनी नौसैनिक अड्डा स्थापित करने के कदम का भी जिक्र है। समझौते की शर्तों के मुताबिक चीन अब सामाजिक व्यवस्था बरकरार रखने एवं अन्य वजहों का हवाला देते हुए में सोलोमन द्वीप में पुलिस और सेना के जवानों को भेज सकता है। यही नहीं चीन इस द्वीप में अपने जहाजों को भी कुछ समय के लिए भेज सकता है। आस्ट्रेलिया का कहना है कि हमारे क्षेत्र को अस्थिर करने वाली किसी भी आक्रामक गतिविधि को लेकर हमारी चिंता जायज है। दरअसल सोलोमन द्वीप की राजधानी होनीआरा में पिछले साल दंगे हुए थे। हालांकि आस्ट्रेलिया एवं अन्य पड़ोसी मुल्कों ने सुरक्षा सहायता भेजी थी। अब इसमें चीन की एंट्री होने से तनाव पैदा होने की आशंका है। वहीं न्यूजीलैंड का कहना है कि चीन के साथ सोलोमन द्वीप का समझौता चिंता पैदा करने वाला है वहीं चीन की दलील है कि सोलोमन ने समान व्यवहार के आधार पर ऐसा किया है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने कहा कि यह सौहार्द्रपूर्ण समझौता है। क्षेत्र में शांति एवं सदभाव को बढ़ावा देने वाला है। वांग वेनबिन ने दंगों से निपटने में सोलोमन का तो जिक्र किया लेकिन समझौता को लेकर कोई जानकारी नहीं साझा की।

संक्षिप्त समाचार

1 अप्रैल को भारत दौरे पर आएंगे नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा, वाराणसी भी जाएंगे

नेशनल डेस्क। नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा भारत की तीन दिवसीय यात्रा पर एक अप्रैल को यहां आ रहे हैं। वह वाराणसी भी जाएंगे। सूत्रों के अनुसार देउबा दो अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक में भाग लेंगे तथा अन्य सरकारी कार्यक्रमों के अलावा वह वाराणसी भी जाएंगे जहां वह काशी विश्वनाथ मंदिर एवं अन्य तीर्थों के दर्शन पूजन करेंगे।अन्य तीर्थों के दर्शन पूजन करेंगे। इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच विकास एवं आर्थिक साझीदारी, व्यापार, ऊर्जा, स्वास्थ्य, कनेक्टिविटी, जनता के बीच संपर्क तथा परस्पर हितों से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए नये समझौते होने की संभावना है। गत वर्ष जुलाई में नेपाल के प्रधानमंत्री बनने के बाद देउबा की यह पहली द्विपक्षीय विदेश यात्रा है। इससे पहले भी वह नेपाल के प्रधानमंत्री के रूप में चार बार भारत की यात्रा पर आ चुके हैं। पिछली बार वह प्रधानमंत्री के रूप में 2017 में आये थे।

बांग्लादेश में पाक सेना के नरसंहार खिलाफ प्रदर्शन

ढाका। बांग्लादेश की राजधानी ढाका के शाहबाग में बड़ी संख्या में लोगों ने गुरुवार को 1971 में पाकिस्तानी सेना द्वारा बांग्लादेश में किए गए नरसंहार के विरोध में प्रदर्शन किया। नरसंहार में बच्चों समेत हजारों लोगों की पाकिस्तानी सेना ने जान ली थी। राष्ट्रीय संग्रहालय के सामने बांग्लादेश जागरूक नागरिक समिति ने नरसंहार यादगार दिवस मनाने के लिए प्रदर्शन का आयोजन किया था। इस प्रदर्शन में प्रोफेसर डा. नीमचंद भौमिक समेत कई प्रमुख लोग शामिल हुए। नेताओं और शामिल हुए लोगों ने मानव श्रृंखला बनाकर पाकिस्तानी सेना द्वारा आपरेशन सर्चलाइट के नाम पर नरसंहार को योजनाबद्ध सैनिक दमन के रूप में अंतरराष्ट्रीय मान्यता देने की मांग की। इसके साथ उन्होंने पाकिस्तानी सरकार से माफी मांगे जाने और पाकिस्तानी युद्ध अपराधियों के खिलाफ अविलंब सुनवाई शुरू करने की भी मांग की।

पाकिस्तान का पावर सेक्टर हुआ दिवालिया, चीनी कंपनी ने भी मांगा बकाया

इंटरनेशनल डेस्क। बुरी तरह से कंगाल हो चुके पाकिस्तान का पावर सेक्टर का भी हाल बेहाल है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पाक का बिजली क्षेत्र भी दिवालिया हो चुका है। शर्मनाक बात यह है कि इस आर्थिक मंदहाली के बावजूद पाक अपने संसाधनों का इस्तेमाल गुप्त रूप से आतंकवादी गतिविधियों की मदद के लिए कर रहा है। इतना ही नहीं बिजली परियोजनाओं में चीन के बकाये का भुगतान करने में भी फेल रहा है। बता दें कि चीन ने बकाए के भुगतान के लिए तत्काल पैसा जारी करने के लिए कहा है। इस्लामाबाद स्थित स्तंभकार डॉ फारुख सलीम ने हाल ही में टिप्पणी की कि पाकिस्तान का बिजली क्षेत्र दिवालिया है। असली अपराधी सरकार का घोर कुप्रबंधन है।पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान की सरकार ने भी बिजली क्षेत्र का घोर कुप्रबंधन किया है। वित्त वर्ष 2021-22 के पहले सात महीनों (जुलाई-जनवरी) के दौरान पाकिस्तान के ऊर्जा क्षेत्र में सर्कुलर ऋण पीकेआर 2.358 ट्रिलियन रुपए तक पहुंच गया था। अगस्त 2018 में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ सरकार के सत्ता में आने पर 1.1 अरब रुपये की तुलना में ऋण में वृद्धि 114 प्रतिशत से अधिक रही है। मौजूदा दर से यह 2025 तक 4 ट्रिलियन होने का अनुमान है। मटियारी-लाहौर हाई वोल्टेज डायरेक्ट करंट ट्रांसमिशन लाइन के चीनी भागीदारों ने सितंबर 2021 से फरवरी 2022 की अवधि के लिए पाकिस्तान से तत्काल 12.35 अरब रुपए जारी करने की मांग की है। पाकिस्तान से तत्काल 12.35 अरब रुपए जारी करने की मांग की है।

अमेरिका में डलास के निकट हेलीकॉप्टर क्रैश, 2 लोगों की मौत

न्यूयार्क। अमेरिका में डलास के निकट एक हेलीकॉप्टर शुक्रवार को दुर्घटनाग्रस्त हो गया और उसमें आग लग गई, जिसके कारण उसमें सवार दो लोगों की मौत हो गई। रोवलेट के टेक्सास 66 पर एक वाणिज्यिक पट्टी में एक खाली स्थान पर शुक्रवार को पूर्वाह्न साढ़े 11 बजे यह हादसा हुआ। रोवलेट पुलिस के अधिकारी क्रूज हर्नांडेज ने बताया कि प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हेलीकॉप्टर के पीछे लगा पंखा बीच हवा में टूट गया, जिससे वह अनियंत्रित होकर नीचे गिर गया और उसमें आग लग गई। संघीय विमानन प्रशासन और राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड इस हादसे संबंधी जांच कर रहा है।

सुविचार अच्छा निर्णय अनुभव से प्राप्त होता है लेकिन दुर्भाग्यवश अनुभव का जन्म गलत निर्णयों से होता है। - रीटा माए ब्राउन

संपादकीय

बड़े प्रदेश की उम्मीदें

उत्तर प्रदेश ने अपनी राजनीति का नया इतिहास लिख दिया है। इतने विशाल प्रदेश में एक मुख्यमंत्री और उनकी पार्टी की सत्ता का कायम रहना अपने आप में अध्ययन और अनुकरण का विषय है। कड़ी चुनावी टक्कर में यह एक ऐसी सरकार की बेहतरीन वापसी है, जिससे प्रदेश को बड़ी उम्मीदें हैं। उत्तर प्रदेश में भाजपा की जीत ने पहले ही यह साबित कर दिया है कि यहां भाजपा के नेताओं के प्रति आभार भाव कायम था, इसलिए जनता ने सीटें भले कम कर दीं, पर फिर शासन का मौका दिया। इस आभार भाव की जरूरत बनी रहनी चाहिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उचित ही कहा है कि 'प्रदेश में वंशवाद और जातिवाद की राजनीति नहीं चलेगी। हमने सुशासन और गरीब कल्याण के लिए काम किया। अब हम लोगों की आय को दोगुनी करेंगे। प्रदेश को नंबर वन अर्थव्यवस्था बनाएंगे।' दरअसल, अर्थव्यवस्था ही वह कमजोर नब्ज है, जहां सरकार की वास्तविक परख होने वाली है। अगर मुख्यमंत्री प्रदेश को नंबर वन अर्थव्यवस्था बनाने का सपना देख रहे हैं, तो उनका सहर्ष स्वागत है। उत्तर प्रदेश जैसे राज्य का विकास देश की चंद बहुत बड़ी चुनौतियों में शुमार है। यहां विकास की बुनियादी रूपरेखा को और दुरुस्त करने की जरूरत है। यमुना एक्सप्रेसवे, आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे जैसी बड़ी परियोजनाओं के पूरा होने से प्रदेश में विकास की बुनियाद सशक्त हुई है। आज उत्तर प्रदेश के पास ऐसा बहुत कुछ है, जिस पर सब गर्व कर सकते हैं। अभी जो परियोजनाएं चल रही हैं, उन्हें जल्द पूरा करने पर प्रदेश सरकार का जोर होना चाहिए। चुनाव अगर श्रेय लेने का समय होता है, तो जनता ने योगी आदित्यनाथ और उनकी सरकार को श्रेय दे दिया है, लेकिन अब फिर काम में लग जाने का समय है। विधायक दल को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने जो सकारात्मक बातें की हैं, उनको साकार करने में सरकार को लग जाना चाहिए। उत्तर प्रदेश में बड़े पैमाने पर रोजगार की जरूरत है, तो राज्य सरकार को ऐसे तमाम प्रबंध करने चाहिए, जिनसे प्रदेश में निवेश बढ़े। भौगोलिक और व्यावसायिक लिहाज से उत्तर प्रदेश एक बेहतर जगह है, पर इस प्रदेश को जितना मिलना चाहिए, उतना नहीं मिला है। भारी राजनीतिक बढ़त या वजूद को आर्थिक विकास में तब्दील करने का वक्त आ गया है। डबल इंजन की सरकार है और उत्तर प्रदेश के लिए इससे अच्छा मौका अब कब आएगा? मुख्यमंत्री प्रदेश की व्यवस्था को जातिवाद से अगर थोड़ा भी निकाल सके, तो यह उनका बड़ा योगदान होगा। इस प्रदेश के दामन पर जातिवाद के दाग अक्सर लगते रहते हैं, कोई भी उत्तर प्रदेश की निंदा करने लगता है या नकारात्मक मिसालें देने लगता है। अतः सबके विकास पर फोकस करते हुए चलना होगा। प्रदेश मंत्रिमंडल में अब मुख्यमंत्री सहित 53 मंत्री व राज्यमंत्री हैं। कामकाज के अलावा राजनीतिक समीकरण देखते हुए मंत्री बनाए जाते हैं, लेकिन अब सबका एजेंडा उत्तर प्रदेश का विकास होना चाहिए। उत्तर प्रदेश ने एक सशक्त नेता चुना है, तो उसका पूरा लाभ भी प्रदेश को मिलना चाहिए। लोग यही उम्मीद करेंगे कि आगामी पांच वर्ष शांति से प्रदेश के सुखद कायाकल्प को समर्पित हो जाएं, ताकि लोग उत्तर प्रदेश की और ज्यादा सकारात्मक मिसालें देने लगें। प्रदेश के मुख्यमंत्री के इस कथन का पुरजोर स्वागत है कि हमें अपने राज्य की बेहतरी के लिए फिर से मिलकर काम करना होगा।

निर्विवाद नेतृत्व को कमान

- डॉ. दिलीप अग्निहोत्री

चुनाव के पहले उत्तर प्रदेश भाजपा में अंतर्विरोध की एक पटकथा बनाई गई थी। कुछ लोगों ने इसे प्रायोजित रणनीति के तहत प्रचारित किया। यह बताने का प्रयास किया गया कि सत्ता पक्ष में नेतृत्व को लेकर अंतर्विरोध है। यहां तक कहा गया कि उत्तर प्रदेश में चुनाव के पहले ही नेतृत्व परिवर्तन हो सकता है। एक बार तो राज्यपाल के कार्यक्रम को भी परिवर्तन से जोड़ दिया गया। भाजपा के प्रमुख नेताओं की लखनऊ यात्राओं पर भी ऐसे ही कयास लगाए गए। जबकि दिग्गज नेताओं का प्रवास चुनाव की तैयारियों के संदर्भ में था। इसके अलावा उसी समय भाजपा का सेवा ही संगठन अभियान चल रहा था लेकिन राजनीतिक सरगर्मियों में इन सकारात्मक कार्यों को नजरअंदाज किया जा रहा था। उस समय संघ के सर कार्यवाह दत्तात्रेय होसबले लखनऊ आये थे। उनकी यात्रा का उद्देश्य संघ के अनुषांगिक संगठनों द्वारा संचालित सेवा कार्यों का जायजा लेना था। इसी के साथ उन्होंने सेवा कार्यों को गति देने के लिए स्वयं सेवकों को प्रोत्साहित किया। संघ के आनुषंगिक संगठन पूरे देश में सेवा कार्यों का संचालन कर रहे थे। सर कार्यवाह उनके बीच जाकर मनोबल बढ़ा रहे थे। उनकी लखनऊ यात्रा के सेवा व राहत कार्यों संबन्धी मूल उद्देश्य कुछ लोगों नजरअंदाज कर दिया। ऐसे बताया गया जैसे उत्तर प्रदेश भाजपा सरकार व संगठन में उलटफेर होने जा रहा है। बताया गया कि केशव मौर्य दिल्ली तलब किये गए हैं। फिर जोड़ा गया कि उनके दिल्ली से लौटते बदलाव होगा। राज्यपाल आनन्दी बेन को भी इन अटकलों में जोड़ लिया गया। कहा गया कि वह भोपाल में अपने समस्त कार्यक्रम निरस्त करके लखनऊ पहुंच रही हैं। चुनाव प्रबंधन की दृष्टि से भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री लखनऊ आये थे। उनकी यात्रा पर भी वैसे ही कयासों का बाजार गर्म रहा। इसमें संगठन के सेवा कार्य चर्चा से बाहर कर दिए गए। जबकि उनकी बैठक में तय किया गया कि सेवा ही संगठन अभियान को और तेज किया जाएगा। योजना बनी कि पार्टी कार्यकर्ता कोरोना संक्रमण के कारण प्रभावित हुए लोगों के घरों पर पहुंचकर उनसे संपर्क करने के साथ साथ आवश्यकतानुसार उनकी सहायता का भी प्रयास करेंगे। ऐसे पटकथा लेखक किसी एजेंडे के तहत ही सक्रिय थे। जबकि योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में किसी प्रकार का संशय ही नहीं था। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अनेक जनसभाओं में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रशंसा करते थे। उनका यह विचार मात्र राजनीति तक सीमित नहीं है बल्कि यह प्रमाणों व तथ्यों पर आधारित है। योगी सरकार ने अपने कार्यकाल में अनेक अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल की। अनेक विषयों पर तो 70 वर्षों के कार्य भी पीछे छूट गए। नए भारत में नए उत्तर प्रदेश का सर्वाधिक योगदान है। नरेन्द्र मोदी ने इन उपलब्धियों के आधार पर ही योगी आदित्यनाथ की उपयोगिता को रेखांकित किया। यूपी विधानसभा चुनाव में सत्ता पक्ष के नेतृत्व को लेकर चल रहे कयास बेमानी साबित हो चुके थे। प्रधानमंत्री ने सार्वजनिक रूप में अलंकारिक शब्दावली में योगी आदित्यनाथ के नाम का उल्लेख किया था। यह स्वभाविक भी था क्योंकि उत्तर प्रदेश के इतिहास में विगत पांच वर्ष उपलब्धियों की दृष्टि से सर्वाधिक महत्वपूर्ण रहे हैं। करीब पचास योजनाओं में यूपी के नंबर वन का गौरव सामान्य नहीं थी। प्रधानमंत्री पिछले कुछ समय में कई बार उत्तर प्रदेश की यात्रा पर आए थे। उनकी प्रत्येक यात्रा यूपी की विकास यात्रा में मील का पत्थर साबित हो रही थी। सभी परियोजनाओं का क्रियान्वयन योगी आदित्यनाथ की अनवरत मेहनत व सक्रियता से संभव हो रहा थी। उसी दौरान नरेन्द्र मोदी ने ऐतिहासिक श्री काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का लोकार्पण किया था। इसकी चर्चा दुनिया में हुई। इसके पहले कुशीनगर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट लोकार्पण में तो बीस देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए थे। पूर्वांचल एक्सप्रेस वे लोकार्पण अवसर पर युद्धक विमानों के प्रदर्शन को भी दुनिया ने गौर से देखा। मेडिकल कॉलेज निर्माण में भी यूपी शिखर पर पहुंच गया था। नरेन्द्र मोदी ने स्वयं कहा था कि योगी सरकार की सभी उपलब्धियों को गिनाना संभव नहीं है क्योंकि इसके लिए बहुत समय की आवश्यकता होगी। नरेन्द्र मोदी योगी की जमकर सराहना कर रहे थे। उनके अनुसार उत्तर प्रदेश की जनता अब कह रही है- यूपी प्लस योगी, बहुत है उपयोगी। उन्होंने मंच से इस नारे को कई बार दोहराया था। अपार जनसमूह ने इसका पुरजोर समर्थन किया था। देर तक जनसभा में यह नारा गूंजता रहा। उसी अवधि में मेरठ से प्रयागराज तक बनने वाले गंगा एक्सप्रेस वे का शिलान्यास हुआ था। योगी सरकार ने व्यवस्था को सुधारने का बखूबी कार्य किया है। माफियाओं पर नकेल कसी गई। पूर्वांचल एक्सप्रेस वे लोकार्पण के साथ ही उत्तर प्रदेश सबसे ज्यादा एक्सप्रेस वे वाला राज्य बन गया है। बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे, गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे और बलिया लिंक एक्सप्रेस-वे का कार्य प्रगति पर है। सबसे बड़ी गंगा एक्सप्रेस-वे परियोजना अगले करीब दो वर्ष पूरी होगी। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे का निर्माण गोरखपुर-आजमगढ़ के बीच तेजी से चल रहा है। गंगा एक्सप्रेस-वे लगभग छह सौ किमी लंबी होगी। देश की सबसे लंबी गंगा एक्सप्रेस-वे मेरठ से प्रयागराज तक बनेगी। इसके लिए 95 प्रतिशत से ज्यादा जमीन ली जा चुकी है।डबल इंजन की सरकार, मोदी योगी की जोड़ी, उत्तर प्रदेश में पांच एक्सप्रेस-वे,काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर, श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण,एयरपोर्ट निर्माण और कानून-व्यवस्था की सुदृढ़ स्थिति, माफियाओं की अवैध संपत्ति पर बुलडोजर चलाने आदि को लोगों ने सराहनीय कार्य बताया। योगी सरकार ने उत्तर प्रदेश को सर्वोत्तम प्रदेश बनाने की दिशा में प्रभावी कार्य किया। इसी क्रम में वैश्विक स्तर की बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराने के लिए प्रदेश में एक्सप्रेस-वे का संजाल बिछाया जा रहा है। विकास के मामले में सरकार का नजरिया समग्रता का है। सरकार एक्सप्रेस-वे के साथ एयर कनेक्टिविटी पर भी बराबर का जोर दिया। सरकार ने दशकों से लंबित वाण सागर, अर्जुन सहायक नहर, सरयू नहर राष्ट्रीय परियोजनाओं को पूरा किया। किसानों को समय से पानी के साथ खाद भी मिले, इसके लिए करीब तीन दशक से बंद गोरखपुर के खाद कारखाने की जगह नया कारखाना लगाया। सबके स्वास्थ्य का सपना साकार करने के लिए गोरखपुर एम्स का भी उद्घाटन हो चुका है। विकास का यह सिलसिला जारी रहेगा। अयोध्या में प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर बन रहा है। उत्तर प्रदेश में आजादी के बाद से पांच वर्ष पहले तक मात्र एक एक्सप्रेस-वे बना था। आज छह एक्सप्रेस-वे बन रहे हैं। बलिया लिंक एक्सप्रेस-वे, बुंदेलखण्ड एक्सप्रेस-वे, दिल्ली मेरठ एक्सप्रेस-वे, गोरखपुर एक्सप्रेस-वे और अब गंगा एक्सप्रेस-वे की नींव रखी जा रही है। लगभग छह सौ किलोमीटर लंबा यह एक्सप्रेस-वे न केवल प्रयागराज से मेरठ को जोड़ने का काम करेगा, बल्कि इससे रोजगार को भी बढ़ावा मिलेगा। यह आपसी दूरी को कम करेगा। लोगों को जोड़ने का भी काम करेगा। योगी के नेतृत्व पर पहले भी कोई संशय नहीं था। चुनाव परिणाम आने के साथ ही उनका दावा पहले से अधिक मजबूत हो गया। विधायक दल की बैठक तो बाद में हुई, उनको मुख्यमंत्री बनाने का जनादेश पहले ही आ गया था।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

मेडिकल पढ़ाई संकट की जड़ें तलाशें

दिनेश सी. शर्मा

यूक्रेन पर रूस की चढ़ाई ने भारतीय मेडिकल पढ़ाई व्यवस्था पर अप्रत्याशित रूप से ध्यान खींचा है। युद्धग्रस्त यूक्रेन के कई शहरों में फंसे भारतीय छात्रों के दृश्य विचलित करने वाले हैं। संघर्षरत इलाके से निकलकर पड़ोसी मुल्कों की सीमा तक पहुंचने के प्रयासों में इन्होंने खुद को भीषण संग्राम की चपेट में पाया। इस निकासी ने लगभग दो साल पहले, कोविड महामारी की शुरुआत में, चीन के वुहान शहर में फंसे भारतीय छात्रों को निकालकर लाने की यादें ताज़ा कर दीं। यह सर्वविदित है कि बहुत बड़ी संख्या में भारतीय विद्यार्थी मेडिकल शिक्षा पाने को विदेशी यूनिवर्सिटियों में पढ़ने जाते हैं, लेकिन यूक्रेन में इतनी बड़ी गिनती ने हैरत में डाला है। इस परिदृश्य के आलोक में भारत की मेडिकल शिक्षा व्यवस्था की समग्र पुनर्समीक्षा करना जरूरी हो जाता है। भारतीय विद्यार्थियों द्वारा विदेशी यूनिवर्सिटियों में मेडिकल पढ़ाई करने के पीछे एक मुख्य कारण है भारत में बहुत ऊंची फीस और स्वदेशी मेडिकल कॉलेजों में पर्याप्त सीटें न होना। किंतु यह आंशिक रूप से सही है, असल समस्या बहुत गहरी है और हमारे स्वास्थ्य तंत्र की स्थिति से जुड़ी है। समस्या सुधारने का एकमात्र उपाय स्वास्थ्य व्यवस्था में ढांचागत बदलाव करके होगा और मेडिकल शिक्षा इसका एक अवयव है। मेडिकल शिक्षा समेत स्वास्थ्य व्यवस्था पर सबसे पहला सर्वे सर जोसेफ भोरे की अध्यक्षता वाली स्वास्थ्य सर्वे एवं विकास समिति ने वर्ष 1940 में करवाया था। इस पैनल की अनेक सिफारिशों को आजादी के उपरांत लागू किया गया और लोगों की स्वास्थ्य जरूरतें पूरी करने हेतु नए संस्थान बनाए गए और स्थितियों के अनुसार मेडिकल शिक्षा पाठ्यक्रम में सुधार किया गया। स्वास्थ्य व्यवस्था का वैसा व्यापक और बृहद सर्वे दोबारा नहीं हुआ, अलबत्ता समय-समय पर खास विषयों को लेकर विशेषज्ञ समितियां जरूर बनीं। 1980 के दशक में, जब स्वास्थ्य तंत्र में कॉर्पोरेट निजी अस्पताल चलाने की इजाजत मिली तो इनकी आमद के साथ लोगों की वास्तविक जरूरतें और इनके मुताबिक बनने वाली मेडिकल शिक्षा का संबंध जाता रहा। इस वक्त से पहले तक स्वास्थ्य सेवा और मेडिकल शिक्षा में निजी क्षेत्र की भागीदारी खैराती अस्पताल, धर्मार्थ और अल्पसंख्यक स्वास्थ्य केंद्र खोलने तक सीमित थी। मुनाफा-गत या कॉर्पोरेट खिलाड़ियों को अनुमति देने वाले नीति निर्णय ने जगह-जगह निजी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल खोलने की राह खोल दी। कायदे से मेडिकल शिक्षा का विषय सरकार की जिम्मेवारी है, लेकिन कुछ राज्य सरकारों ने निजी मेडिकल कॉलेजों को बढ़ावा देने पर ज्यादा जोर दिया। बतौर एक नियामक, मेडिकल कौंसिल ऑफ इंडिया (एमसीआई), जिसको स्व-नियंत्रण संस्था होना चाहिए था, उसने उलटा निजी खिलाड़ियों की मदद की। कृषि क्षेत्र की अतिरिक्त कमाई मेडिकल और इंजीनियरिंग शिक्षा में निवेश करने की ओर मुड़ गई, बहुत से निजी कॉलेजों के मालिक राजनेता हैं या फिर उनके प्यादों के नाम पर चल रहे हैं। उधर अदालत ने भी अपने फैसले में निजी व्यावसायिक शिक्षा कॉलेजों को सरकारी संस्थानों से ज्यादा फीस वसूलने का हक दे डाला। भर्ती को आसान करने के लिए अनिवासी भारतीय (एनआरआई) और प्रोमोटर कोटे जैसी श्रेणियां जोड़ी गईं। मेडिकल सीटें सबसे ऊंचे बोलीदाता को बेची जाने लगीं। इस सबका परिणाम यह हुआ कि एक धंधे की तरह मेडिकल कॉलेज यहां-वहां कुकुरमुत्ते की भांति उग आए। इसके अलावा, निजी मेडिकल कॉलेजों की संख्या में बढ़ोतरी ज्यादातर पश्चिमी और दक्षिणी सूबों में हुई है, जिससे बाकी देश की बनिस्बत इस क्षेत्र में मेडिकल कॉलेज अधिक केंद्रित हो गए। दक्षिणी राज्यों में सरकार चालित मेडिकल कॉलेज भी अधिक हैं। डेंटल शिक्षा के लिए इतनी बड़ी संख्या में कॉलेजों की स्वीकृतियां दे दी गईं कि कुछ संस्थानों को छात्र तक जुटाने मुश्किल हो रहे हैं। यहां से उत्तीर्ण होकर निकले एक डेंटल डॉक्टर को जो वेतन मिलता है, वह ड्राइवर और प्लम्बर से भी कम है। मेडिकल और डेंटल पढ़ाई का स्तर गिरता गया। कई निजी मेडिकल कॉलेजों के पास न तो योग्यता प्राप्त स्टाफ है और न ही संलग्न प्रशिक्षण अस्पताल है। तुर्रा यह कि मेडिकल और डेंटल कॉलेज सीटों के लिए मांग बढ़ती गई। चूंकि शहरी इलाकों के कॉर्पोरेट निजी अस्पतालों में बढ़िया वेतन या निजी प्रैक्टिस करने पर कमाई अच्छी हो जाती है, लिहाजा उन बच्चों के अभिभावक, जिनके बस में निजी कॉलेजों में ऊंचा चंदा देने की हैसियत नहीं थी, उन्होंने अपने बच्चों को विदेशों में खुली 'शिक्षा की दुकानों' में भेजना शुरू कर दिया। अनुभव दर्शाता है कि शिक्षा में निजी मेडिकल कॉलेजों की भागीदारी बनाकर व्यवस्था में सुधार लाने वाला प्रयोग असफल सिद्ध हुआ है। ग्रामीण इलाकों में उचित योग्यता प्राप्त मेडिकल कर्मियों की कमी आज भी बरकरार है। शहरी-उपनगरीय क्षेत्र में डॉक्टरों की सघनता कहीं ज्यादा है। कुछ खास तरह के रोग-विशेषज्ञ कोर्सों की मांग अधिक है जबकि अन्य विधाएं जैसे कि प्रिवेंटिव मेडिसिन, पब्लिक हेल्थ और छूत रोग माहिर बनने की ओर रुझान कम है। मेडिकल कॉलेज आवंटन और विस्तार करने में कुछ सूबों को ज्यादा तरजीह दी जाती है। मेडिकल शिक्षा प्राप्त करना गरीब तबके की पहुंच से बाहर हो गया है। सबसे ऊपर, निजी क्षेत्र में इलाज करवाने के दाम आसमान छू गए हैं। ऐसे परिदृश्य में, यह आस लगाना व्यर्थ है कि स्वास्थ्य ढांचे में व्याप्त तमाम कमियों से निजी क्षेत्र के जरिए निजात पाई जा सकती है, इसमें छात्रों के यूक्रेन जैसे देशों की ओर जाने वाली प्रक्रिया भी शामिल है। जो सरकारी एजेंसियां और अधिक निजीकरण करने पर जोर दे रही हैं, उन्हें पिछले कुछ सालों में हल सुझाने वाले विशेषज्ञों के दिए कुछ उपायों पर अवश्य ध्यान चाहिए। ऐसे कुछ विचार यूनिवर्सल हेल्थ केयर पर बने पैनल ने पिछले सालों के दौरान सुझाए हैं। इनमें कहा गया कि सरकारें वंचित जिलों में मेडिकल कॉलेज और संलग्न अस्पताल खोलें। इनमें भर्ती के लिए स्थानीय छात्रों को तरजीह दी जाए। इस तरह वंचित क्षेत्रों को मेडिकल कॉलेज मिल जाएंगे और वहां से पढ़कर निकले वह डॉक्टर मिलेंगे जो खुद इस इलाके से होने की वजह से अपने ग्रामीण इलाकों में सेवा करने में इच्छुक होंगे।

आज के कार्टुन

आत्मभाव

श्रीराम शर्मा आचार्य

आत्मभाव का प्रयास करिए। आसपास रूखी, उपेक्षणीय, अप्रिय वस्तुओं का रूप बिल्कुल बदल जाएगा। विज्ञ लोग कहते हैं कि अमृत छिड़कने से मुर्दे उठ पड़ते हैं। हम कहते हैं कि प्रेम की दृष्टि से अपने चारों ओर निहारिए मुर्दे सी अस्पृश्य और अप्रिय वस्तुएं सजीव और सर्वांग सुंदर बन कर आपके सामने आनंद नृत्य करने लगेंगी। कहा गया है कि पारस को छूकर काला-कलूटा लोहा बहुमूल्य भी सोना हो जाता है। हम कहते हैं कि सच्चे प्रेम का अरुचिकर और उपेक्षणीय से स्पर्श कराइए तो वे कुंदन के समान जगमगाने लगेगा। दुनिया आपको काटने दौड़ती है, इसका कारण एक ही है कि आपके मन मानस में प्रेम का सरोवर सूख गया है, उसमें एकांत शून्यता की सांय-सांय बीत रही है, उसका डरावना अंदर से निकल कर बाहर आ खड़ा होता है, और दुनिया बुरी दिखने लगती है। जब कोई व्यक्ति दुनिया से बिल्कुल घबराया हुआ, चिढ़ा हुआ सामने आता है और संन्यासी हो जाने का विचार प्रकट करता है, तब हम उसके सिर पर हाथ फेरते हुए समझाया करते हैं कि दोस्त, इस दुनिया में कुछ भी बुरा नहीं है। आओ, अपने पीलिया का इलाज करें और संसार के असली आनंददायी रूप में दशर्न करके शांति लाभ करें। कुटिलता, अनुदारता, कंजूसी और संकीर्णता के स्थान पर सरलता और उदारता को विराजमान कीजिए। मुद्दतों से सूखे पड़े हृदय सरोवर को प्रेम के अमृत जल से भर लीजिए। इस सरोवर से लोगों को प्यास बुझाने दीजिए। क्रीड़ा करके आनंदित होने दीजिए। उदारतापूर्वक अपना प्रेम सबके लिए खुला रखिए। आत्मीयता की शीतल छाया में थके पथिकों को विश्राम करने दीजिए। प्रेम भूलोक का अमृत है, और आत्मभाव इसका पारस। इस सुर दुर्लभ मानव जीवन को सफल बनाना है, तो इन दोनों महातत्त्वों को उपार्जित करने से वंचित मत रहिए। अपने प्रेम रूपी अमृत को चारों ओर छिड़क दीजिए जिससे यह श्मशान सा भयंकर दिखाई पड़ने वाला जीवन देवी-देवताओं की क्रीड़ा भूमि बन जाए। अपने आत्मभाव रूपी पारस को कुरूप लोहा-लंगड से स्पर्श होने दीजिए जिससे स्वर्णमयी इंद्रपुरी बन कर खड़ी हो जाए। यह स्वर्ग सच्चे विश्वासियों और दृढ़ निश्चय वालों के लिए बिल्कुल सरल और सुसाध्य है। आपके हाथ में है कि इच्छा और प्रयत्न द्वारा जीवन में स्वर्ग का प्रत्यक्ष आनंद उपलब्ध करें।

सू-दोकू नवताल -2077

	1			9				
	8		2				5	
4		2			6			1
	4	1		8				9
				7				
3				1		8	7	
5			1			3		2
	9				7		1	
				3			4	

सू-दोकू -2076 का हल

7	6	2	4	5	9	1	3	8
4	1	8	7	3	6	9	5	2
9	5	3	8	1	2	7	6	4
8	7	9	2	4	5	6	1	3
3	2	6	1	7	8	5	4	9
5	4	1	6	9	3	8	2	7
6	3	4	9	8	1	2	7	5
2	9	7	5	6	4	3	8	1
1	8	5	3	2	7	4	9	6

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 x 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2077

बायें से दायें:-

1. अनिल कपूर, शिल्पा शेट्टी, करिश्मा कपूर अभिनीत फिल्म-2
2. 'दिल का पंक्षी बोले कुकू कुकू' गीत वाली फिल्म-3
4. विनोद खन्ना, अक्षय कुमार दीया मिर्जा अभिनीत फिल्म-3
6. 'तूने अगर प्यार से देखा नहीं' गीत वाली संजय कपूर अभिनीत फिल्म-2
7. 'कसम से तेरी आंखें' गीतवाली फिल्म-4
9. बॉबी देओल, लारा दत्ता, गुल पनाग अभिनीत फिल्म-2
11. 'याद आती है मगर आती नहीं' गीत वाली फिल्म-2
12. विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-3
13. द्विविज काक, रूपा दत्ता की 'तुम से दिल क्या लगा लिया' गीत वाली फिल्म-2
15. कुमार गौरव, माधुरी अभिनीत फिल्म-2
16. 'सर से सरक गई तेरी चुनरी' गीत वाली फिल्म-4
18. जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया अभिनीत फिल्म-2
20. बॉबी देओल, रानी मुखर्जी अभिनीत फिल्म-3
22. अक्षय, रवीना अभिनीत फिल्म-3
23. ऋषि कपूर अभिनीत 'मैं देर करता नहीं' गीत वाली फिल्म-2
25. गणेश यादव, राजन कपूर, ईशा कोप्पिकर अभिनीत फिल्म-3
26. अनिल कपूर, पूनम ढिल्लो अभिनीत फिल्म-2
27. 'क्यूं आंचल हमारा गिरा जा रहा है' गीत वाली फिल्म-2
28. आफताब शिवदासानी,सेलिना जेटली अमृता अरोड़ा अभिनीत फिल्म-2
29. 'मैं ऐसा क्यों हूं' गीत वाली फिल्म-2

ऊपर से नीचे:-

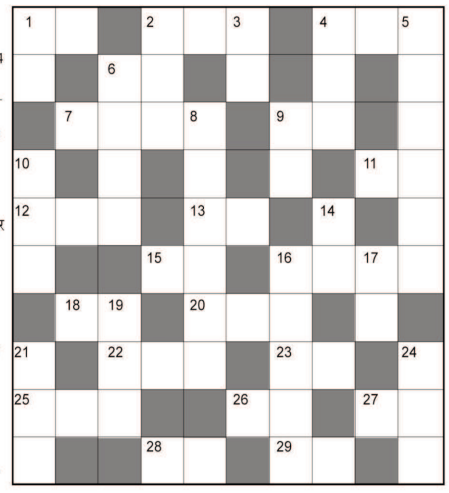

1. विनोद खन्ना, रणदीप हूडा, तनुश्री दत्ता सीमा बिस्वास अभिनीत एक फिल्म-2
2. 'बस एक जरा कहा तुम मानो' गीत वाली फिल्म-3
3. 'तुम आए तो आया मुझे याद' गीत वाली अजय देवगन की फिल्म-2
4. 'तुन्ना तुन्ना तक तक तुन्ना' संजय दत्त अभिनीत फिल्म-3
5. अमिताभ, अक्षय कुमार, रिमि सेन की फिल्म-3,3
6. 'मेरे संग संग आया तेरी यादों का मेला' गीत वाली धर्मेन्द्र अभिनीत फिल्म-4
8. 'कहीं दीप जले कहीं दिल' गीतवाली फिल्म-2,2,2
9. अक्षय कुमार, ट्विंकल खन्ना राखी मल्होत्रा अभिनीत फिल्म-2
10. सनी देओल, अमृता सिंह अभिनीत फिल्म-3
14. 'मुझे नींद न आए मुझे चैन न आए' गीत वाली फिल्म-2
16. 'हमें तो लूट लिया मिल के हुस्न वालों ने' गीत वाली फिल्म-2,3
17. 'धक धक करने लगा' गीत वाली फिल्म-2
19. फिल्म 'अवतार' में राजेश खन्ना की नायिका कौन थी-3
21. 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली फिल्म-3
24. शाहिद कपूर, अमृता राव अभिनीत फिल्म-3

फिल्म वर्ग पहेली-2076

बादल में बौना

जंगल में एक पुराना महल था। उसके मुख्य द्वार के बाहर सोने का एक सांप बना हुआ था। सांप इतनी कुशलता से बनाया गया था कि जीवित लगता था। महल खंडहर बन गया था, पर सांप अभी भी चमकदार था। उधर से गुजरने वाले लोग सोने का सांप देखकर लालच में पड़ जाते। सोचते, 'सोने का सांप बेचकर तो बहुत पैसा कमाया जा सकता है।' लेकिन जो भी सांप की मूर्ति को उठाना चाहता, वह असफल रहता।

लोग कहते थे कि उन्होंने उस महल और सांप की मूर्ति को हमेशा वैसा ही देखा था। राह चलते लोग खंडहर हुए महल में रुकते, आराम करते और अपनी राह चले जाते। महल किसने बनाया और दरवाजे पर द्वारपाल के रूप में सांप की मूर्ति क्यों बनाई गई, यह बात निश्चित रूप से कोई नहीं कह सकता था। पूछने पर पास के गांव के बड़े-बूढ़े इस बारे में एक बहुत ही विचित्र कथा सुनाते थे।

कहीं एक औरत और उसका बेटा रहते थे। औरत मेहनत-मजदूरी करके अपना और अपने बेटे का पेट भरती थी। वह रोज काम पर चली जाती और बेटा घर पर रहता। बेटा अपना समय घर में अकेले बिताता। उसका नाम था जैक। वह बहुत दयालु था।

एक दिन जैक ने घर की दीवार से एक सांप को निकलते देखा। सांप धीरे-धीरे रेंगते हुए दूसरी तरफ अपने बिल में चला गया। जैक उस समय खाना खा रहा था। उसने थोड़ा सा खाना सांप के बिल के बाहर रख दिया। फिर इंतजार करने लगा कि सांप कब वहां से बाहर आता है।

उस दिन से जैक ने यह नियम बना लिया। जब भी भोजन करता, सांप के लिए उसका हिस्सा जरूर रख देता था। जैक की मां ने भी यह देखा। उसने पूछा, तो जैक ने सांप के बारे में बता दिया। सुनकर मां तो डरी, पर जैक ने कहा, मुझे सांप से जरा भी डर नहीं लगता। एक दिन जैक ने सुना, घर की मरम्मत की जाएगी और पुरानी दीवार को तोड़ दिया जाएगा। उसने मां से कहा, मां, दीवार को मत तोड़ो। इस तरह तो सांप बेचारा बेघर हो जाएगा।

मां ने जैक को बहुत समझाया, पर वह तो जिद पकड़ बैठा। मां ने उसकी बात मान ली। आखिर दीवार नहीं तोड़ी गई। दिन सप्ताहों में, सप्ताह महीनों में और महीने वर्षों में बदल गए। जैक सुंदर, सजीला युवक बन गया। कुछ समय बाद जैक की मां की मृत्यु हो गई। इसलिए जैक एकदम अकेला रह गया था।

एक दिन जैक दीवार के पास खड़ा था। तभी उसने एक आवाज सुनी, जैक, मैं तुम्हारा मित्र सांप हूं। अब तुम मेरे लिए कुछ मत रखना। मेरा अंत आ गया है। तुम बहुत अच्छे हो। मैं जाते समय तुम्हें एक मामूली भेंट देकर जाना चाहता हूं। जैक के देखते-देखते दीवार फट गई। उसमें से एक बांसुरी बाहर गिर गई। सांप ने कहा, यह जादुई बांसुरी संकट के समय तुम्हारी मदद करेगी। यह एक परी की है। वह इसे एक झील के किनारे भूल गई थी। मैं इसे किसी अच्छे आदमी को देना चाहता था। जैक ने बांसुरी ले ली। तभी वह दीवार गिर पड़ी। जैक ने देखा, मलबे के बीच मरा हुआ सांप पड़ा है।

जैक ने उसी दिन गांव छोड़ दिया। अब भला उसका कौन था वहां! वह हमेशा बांसुरी अपने साथ रखता था। बांसुरी की सुरीली आवाज से लोग मोहित हो जाते। जैसे बांसुरी में कोई जादू था। उसकी आवाज सुन बीमार लोग अच्छे हो जाते, दुष्टों का दिल दहलने लगता। जंगल में भटके हुए पशु लौट आते।

एक बार जैक किसी गांव के समीप से गुजर रहा था। रास्ते में उसने देखा, सब खेत जले हुए हैं। उसे आश्चर्य हुआ। उसने वहां रहने वालों से पूछा। पता चला, वहां जब-तब अंगारों की बारिश होती है। मुखिया ने बताया, न जाने कहां से एक काला बादल आता है। उससे अंगारे बरसने लगते हैं। सारी फसल जल जाती है।

जैक मैदान में खड़ा होकर आकाश की ओर देखने लगा। तभी पश्चिम दिशा से काला बादल वहां आया। उससे अंगारे बरसने लगे। जैक ने तुरंत बांसुरी उठाई और बजाने लगा। बांसुरी की मीठी आवाज गूंज उठी। एकाएक अंगारे उछले और बादल में वापस समा गए, जैसे उन्हें किसी ने ऊपर की ओर उछाल दिया हो। सब पहले जैसा हो गया। इसके बाद बादल बड़ी जोर से गरजने लगा। फिर भयानक सूरत वाला एक बौना नीचे उतरा। उसने जैक से पूछा, यह बांसुरी कैसे बजाते हो? तुम्हारे बांसुरी बजाने से आज भारी गड़बड़ हो गई। अंगारे धरती से उछलकर ऊपर चले गए। आज तक तो ऐसा कभी नहीं हुआ था। तुम यह बांसुरी मुझे दे दो।

जैक समझ गया कि बौना उसकी बांसुरी छीनना चाहता है। वह पीछे हटकर जोर-जोर से बांसुरी बजाने लगा। बौना पागलों की तरह उछल-कूद करने लगा। वह बुरी तरह हांफ रहा था, बंद करो बांसुरी बजाना। मैं बहुत थक गया हूं।

जैक समझ गया कि बौना उसके चंगुल में आ चुका है। वह रुका नहीं, उसी तरह बांसुरी बजाता रहा। अब तो बौना गिड़गिड़ाने लगा, मैं तुम्हें एक जादुई सेब देता हूं। इसे जमीन पर फेंकोगे, तो तुम्हें एक उपहार मिलेगा। कहते-कहते उसने एक सेब जैक की तरफ लुढ़का दिया।

जैक ने सेब को जोर से जमीन पर पटका, तो वहां एक शानदार महल दिखाई देने लगा। अब जैक ने कहा, तुम्हें मैं इस तरह नहीं छोड़ सकता। तुमने इन भोले गांव वालों को बहुत परेशान किया है। तुम वादा करो कि इन्हें फिर कभी परेशान नहीं करोगे?

मरता क्या न करता? बौने ने कहा, मैं आज के बाद कभी अंगारों की बारिश नहीं करूंगा। जैक ने बांसुरी बजाना बंद कर दिया। बौना बादल में बैठकर भाग गया। जैक उस जादुई महल में रहने लगा। अब उसे किसी चीज की कमी नहीं रही। उसने अपने मित्र सांप की याद में सोने का सांप बनवाकर महल के बाहर लगवा दिया।

इस घटना को बहुत समय बीत चुका है। न जैक रहा, न दूसरे लोग। पर जैक और सोने के सांप की कहानी आज भी जीवित है।

टॉपियरी मतलब घास पर सजी इमेजिनेशन

जब मामला आर्ट का हो तो कई सारे रंगों का दुनिया में बिखर जाना लाजमी है।

जितने सारे लोग इस धरती पर उतनी ही अलग-अलग उनकी कल्पनाएं और दिमाग की दौड़। और जब मामला आर्ट का हो तो कई सारे रंगों का दुनिया में बिखर जाना लाजमी है। जिन बन्दों की कारीगरी हम यहां तुम्हें बता रहे हैं वो काम करते हैं पेड़-पौधों की दुनिया से जुड़कर। ये लोग बनाते हैं ग्रास स्कल्पचर एक आर्ट फॉर्म जिसे टॉपियरी भी कहा जाता है। खास बात यह है कि इस आर्ट फॉर्म को बनने में कुछ महीने से लेकर सालों तक का भी समय लग सकता है।

पर्ल फ्रेयर

टॉपियारी की कला का यह महान आर्टिस्ट दुनिया भर में अपने काम के लिए जाना जाता है। पूरी दुनिया में प्रेम, शांति और सद्भाव फैलाने का विचार लेकर चलने वाले इस अफ्रीकन-अमेरिकन आर्टिस्ट की लगन, खूबसूरत आर्ट और कड़ी मेहनत को आज सभी सलाम करते हैं। यही कारण है कि आज दुनियाभर के टूरिस्ट इनका साउथ कैरोलिना वाला टॉपियारी गार्डन देखने आते हैं जहां 300 से भी ज्यादा प्रकार के पौधे हैं जिनका उपयोग विभिन्न आकारों को बनाने के लिए भी किया गया है। इस गार्डन में कुछ पौधे तो ऐसे भी हैं जिन्हे यूं ही पड़े खाद के ढेर में से उठाकर यहां लाया और रोपा गया है। आज ये बेकार पड़े पौधे खूबसूरत, कलात्मक आकृतियों में बदल चुके हैं। पर्ल के आर्ट पर एक डॉक्यूमेंट्री मूवी 'अ मैन नेम्ड पर्ल'' भी बनाई गई है जो लोगों को प्रकृति से जुड़े रहने की प्रेरणा देती है।

मथिल्डे रोसेल

इस फ्रेंच आर्टिस्ट ने जिस सोच के साथ ग्रास आर्ट पर काम किया है वह दुनिया के हर इंसान के सोचने का विषय है। रोसेल ने रीसाइकल्ड मैटल की बॉडी में मिट्टी में गेंहू के दाने डालकर उन्हें आकार दिया है। जब मैटल के ढांचे में नन्हे घासनुमा पौधे पनपते हैं तो ऐसा लगता है जैसे नए जीवन को आकार मिल रहा हो और फिर जब घास सूख जाती है तो मिट्टी का शरीर मिट्टी में ही मिल जाता है। यही कलाकार का विचार भी है।

रोसेल चाहती हैं कि इस कला के जरिए वे लोगों को अपने पर्यावरण, प्रकृति और भोजन की महत्ता समझने में मदद कर सकें। इन आकृतियों को रोसेल ने एक्शन फॉर्म में भी बनाया है। इसलिए ये और भी जीवंत नजर आती हैं। ग्रास स्कल्पचर के अलावा रोसेल अन्य आर्ट फॉर्म पर भी काम करती हैं लेकिन उनकी 'लाइव्स ऑफ ग्रास'' की कलाकृतियों ने लोगों को बहुत प्रभावित किया है।

एक अनोखा पत्थर, जिसे पीटने पर आती है घंटी की आवाज

वैसे तो आपने कई अनोखे पत्थरों के बारे में सुना होगा। लेकिन मध्य प्रदेश के रतलाम में मां दुर्गा के मंदिर में एक ऐसा अनोखा पत्थर है, जिसको बजाने पर घंटी की तरह आवाज निकलती है। इस पत्थर से निकलने वाली आवाजों के सुनकर लोग हैरत में पड़ जाते हैं। कई लोग इसे दैवीय चमत्कार भी मानते हैं। बता दें कि इस पत्थर पर किसी भी अन्य पत्थर के टकराने से धातु की तरह आवाज आती है। रतलाम से करीब 25 किलोमीटर की दूरी पर बेरछा गांव के पास प्राचीन पहाड़ी पर स्थित यह मंदिर अंबे माता के मंदिर के तौर पर जाना जाता है। इस पहाड़ी पर मंदिर से कुछ ही दूरी पर एक अनोखा पत्थर भी है। इस पत्थर पर किसी अन्य पत्थर से पीटने पर धातु की तरह आवाज निकलती है। पत्थर से निकलने वाली ये आवाज घंटी की तरह सुनाई देती है, जिसे ग्रामीण चमत्कारी पत्थर मानते हैं। बता दें कि इस मंदिर का इतिहास काफी पुराना है। इस मंदिर को सबसे पहले एक ग्रामीण ने देखा था। उस समय यहां आने के लिए रास्ता भी नहीं था। बाद में ग्रामीणों के द्वारा यहां आने के लिये एक कच्चा सकरा रास्ता बनाया गया ताकि मंदिर तक आवश्यक पूजा व अन्य सामग्री ले जाई जा सके। बेरछा गांव के पास स्थित इस प्राचीन मंदिर से थोड़ी ही दूरी पर एक विचित्र पत्थर है, जिसे बजाने पर उसमें से धातु की तरह टन टन की आवाज आती है। ये किसी चमत्कार से कम नहीं है। वैसे तो पूरी पहाड़ी पत्थरों से भरी हुई है, लेकिन उसमें सिर्फ एक ही पत्थर खास है। धातु की तरह आवाज निकालने वाला यह पत्थर अब भी रहस्य बना हुआ है। कई ग्रामीण इस पत्थर को दैवीय चमत्कार मानते हुए पूजा भी शुरू कर दी है और यहां पर एक ध्वज भी लगा दिया गया है। यह अनोखा पत्थर अंबे माता के मंदिर से से करीब 700 मीटर की दूरी पर है, जहां पैदल भी जाया जा सकता है। इन दिनों इस पत्थर से निकलने वाली आवाजों को सुनने के लिए लोगों की काफी भीड़ जुट रही है।

जापानी स्कूल्स जहां मैथ्स एक लैंग्वेज है

जापान के स्कूल्स में बड़ी क्लासेस में आने पर सभी स्टूडेंट्स के लिए सेम यूनिफॉर्म और सेम बैग्स होते हैं। यह एक खास बात है कि किसी भी देश के डेवलपमेंट के लिए उसके नागरिकों का पढ़ा-लिखा होना बहुत जरूरी है। इस बात को जापान के उदाहरण से समझा जा सकता है। जापान में प्रायमरी लेवल पर स्कूल जाने वाले बच्चों का पर्सेंटेज है 100। यानी यहां निरक्षर लोगों का पर्सेंटेज है 0। जापान के स्कूल्स में बड़ी क्लासेस में आने पर सभी स्टूडेंट्स के लिए सेम यूनिफॉर्म और सेम बैग्स होते हैं। स्कूल में सबको एक जैसा खाना दिया जाता है। यहां स्कूली लेवल पर छोटी क्लास से ही इस बात पर ध्यान दिया जाता है कि बच्चे का सबसे पसंदीदा काम क्या है और इसी बात को ध्यान में रखकर उसे आगे बढ़ने को प्रेरित किया जाता है। जैसे अगर बच्चा साइंस और मैथ्स की बजाय किसी तरह के आर्ट फॉर्म या काम को सीखना चाहता है, तो उसे बेसिक एज्युकेशन के साथ उस काम को ही सिखाया जाता है। फिर चाहे वो काम जूते बनाने का हो या लकड़ी से सुन्दर फर्नीचर बनाने का। किसी भी काम को छोटा नहीं माना जाता। इससे बच्चा अपना पसंदीदा काम सीख पाता है और देश को मिलता है एक अच्छा कारीगर।

जापान में बच्चों को मैथ्स और साइंस जैसे सब्जेक्ट्स भी लैंग्वेज और आर्ट की तरह पढ़ाए जाते हैं और बजाय मैथ्स को रटने के उसे खेल-खेल में सीखा जाता है। टीचर्स मानते हैं कि दूसरी लैंग्वेजेस की तरह ही मैथ्स को भी पढ़ा जा सकता है। यहां टीचर्स एक और टैक्नीक अपनाते हैं। वो है बच्चों को ही टीचर का रोल भी निभाने को कहना। इसके लिए मैथ्स के प्रॉब्लम्स को बोर्ड पर लिख कर बच्चों से सॉल्व करने को कहा जाता है। फिर जब कोई बच्चा उस प्रॉब्लम को सॉल्व कर लेता है तो उसे टीचर बनकर दूसरे स्टूडेंट को प्रॉब्लम सॉल्व करने में मदद को कहा जाता है। इस तरह क्लास का हर बच्चा खुद प्रॉब्लम सॉल्व करने की कोशिश कर पाता है और टीचर कोई भी समस्या आने पर बच्चों की मदद भी कर पाते हैं। जापानियों का मानना है कि आप जो पढ़ते हो उसे अगर किसी को पढ़ाते हो तो चीजों को ज्यादा अच्छे से याद रख पाते हो। पढ़ाई के साथ ही यहां देश के कल्चर, भाषा और इतिहास को भी उतनी ही गहराई से बच्चों तक पहुंचाया जाता है। स्कूल की पढ़ाई के साथ ही बच्चों को ड्रिल, स्वीमिंग आदि जैसी एक्टिविटीज अपनाना कम्पलसरी होता है। ताकि वो खुद को फिट और मजबूत बना सकें। यहां भूकम्प तथा अन्य इमरजेंसियों के हिसाब से बच्चों को बहुत कम उम्र से ही बचाव की ट्रेनिंग भी दी जाती है। यही नहीं बच्चे सिलाई, कुकिंग, ट्रेडिशनल आर्ट फॉर्म आदि भी स्कूल में रहकर सीखते हैं।

पेपर को करो रीसाइकल बनाओ कुछ बेहतर

जब भी रीसाइकलिंग की बात होती है सबसे पहला ध्यान पुराने, बेकार पेपर्स पर ही जाता है।

घर पर तुम भी अक्सर पुराने बेकार पड़े कागज से नाव बनाकर पानी में तैराया करते होंगे या फिर कागज का प्लेन बनाकर उड़ाया करते होंगे लेकिन क्या तुम्हारे दिमाग में इन पुराने पड़े न्यूजपेपर्स या मैगजीन्स को लेकर और कोई आइडिया आता है। क्योंकि जब भी रीसाइकलिंग की बात होती है सबसे पहला ध्यान पुराने, बेकार पेपर्स पर ही जाता है। आओ हम मिलकर बनाते हैं कुछ मजेदार चीजें जो दिखने में अच्छे लगेंगे और यूजफुल भी होंगे।

ये चीजें चाहिए

- न्यूज पेपर या मैगजीन
- चिपकाने के लिए ग्लू

फ्रेम विथ पेपर

तुम्हारे पास कोई पुराना फोटो फ्रेम पड़ा है तो पेपर की मदद से तुम उसे नया लुक दे सकते हो। न्यूजपेपर को मनचाही लंबाई में काटो और उसे फ्रेम के ऊपर एक-एक कर चिपकाते जाओ।

बनाओ पॉट को इंटरेस्टिंग

अपने सिंपल से प्लांट पॉट को पेपर के टुकड़ों से एक क्रिएटिव और नया रूप दे सकते हो। पेपर या मैगजीन को अपने पॉट के आकार के अनुसार काट लो और उसे पतले-पतले ट्यूब के रूप में पॉट के इर्द-गिर्द चिपकाते जाओ।

पेपर बैग

पेपर को दो या तीन लेयर की मोटाई में आपस में चिपका लो ताकि उसमें मजबूती आ जाए। इसके दोनों हिस्सों पर हल्की मोटी रस्सी या फिर खूबसूरत रिबन का इस्तेमाल कर सकते हो। इस इकोफ्रेंडली बैग को हल्के-फुलके सामानों को ले जाने के लिए उपयोग कर सकते हो।

जार की बढ़ाओ खूबसूरती

घर पर पड़े पुराने और बदरंग जार को पेपर के जरिए नए तरीके से प्रेजेंट कर सकते हो। इसके लिए तुम्हें पुरानी मैगजीन के कलरफुल पन्ने लेने होंगे ताकि जार अधिक खूबसूरत दिखे। मैगजीन के पन्नों को सही तरीके से मोड़ते हुए एक के ऊपर चिपकाते जाओ।

कॉफी मग होल्डर

पेपर को गोल-गोल घुमाते हुए मोड़ते जाओ और उनको आपस में चिपकाते जाओ। चाहो तो इसे कलर भी कर सकते हो। इसे तुम कॉफी होल्डर के लिए या डाइनिंग टेबल पर कोई गर्म चीज रखने के भी काम ला सकते हो।

दीवार सजाओ

अच्छी-सी डिजाइन में पेपर्स को काटो और उसे फ्रेम करके अपने ड्रॉइंग रूम में या फिर अपने रूम में दीवार पर डेकोरेट करने के लिए लगा सकते हो। चाहो तो कोई फ्लावर या फिर किसी अन्य शेप में पेपर या मैगजीन को काट सकते हो। कुछ ऐसा ही तुम दीवार घड़ी के साथ भी प्रयोग कर सकते हो। दीवार घड़ी के पिछले हिस्से पर पेपर को कोन के आकार का बनाकर लगा सकते हो।

ग्रीटिंग और कार्डबोर्ड का क्रिएटिव जादू

घर में खाली रखे मिठाई के डिब्बों या किसी सामान के साथ आए कार्डबोर्ड बॉक्स से भी बहुत अद्भुत चीजें बनाई जा सकती हैं। शादियों, त्योहारों और अन्य मौकों पर दिए जाने वाले इन्विटेशन कार्ड्स, ग्रीटिंग कार्ड्स और आर्ट एंड क्राफ्ट की दुकान पर मिलने वाली रंगबिरंगी पेपर शीट्स से आर्ट एंड क्राफ्ट के कई आइडियाज पनप सकते हैं। इसी तरह घर में खाली रखे मिठाई के डिब्बों या किसी सामान के साथ आए कार्डबोर्ड बॉक्स से भी बहुत अद्भुत चीजें बनाई जा सकती हैं। चलो इनमें से कुछ आइडियाज हम तुमसे शेयर करते हैं और चित्रों के माध्यम से भी तुम्हें आइडियाज देते हैं।

ग्रीटिंग्स और अन्य कार्ड्स

रंगबिरंगे ग्रीटिंग कार्ड्स या शादी और अन्य तरह के ओकेजन्स पर घर में आने वाले कार्ड्स अक्सर बहुत सुन्दर डिजाइन के साथ आते हैं। इनके रंग और डिजाइंस का उपयोग आसानी से सीनरी या वॉल पीस बनाने में किया जा सकता है। तुम चाहो तो इसके साथ कलर्ड पेपर शीट्स का भी उपयोग कर सकते हो। तो सबसे पहले एक बड़ी शीट लेकर उस पर अपनी कल्पना से किसी सीन की आउटलाइन खींचो। जैसे पेड़, फूल, आसमान, जानवर या अन्य चीजें। अब कार्ड्स के रंग के अनुसार और अपने सोचे सीन के अनुसार कार्ड्स में से अलगअलग आकार कैंची की मदद से काट लो। यहां एक बात का खास ध्यान रखना कि कैंची का उपयोग करते समय बहुत सावधानी रखो और हो सके तो किसी बड़े की मदद भी लो। अब काटे गए कार्ड पीसेस को शीट पर किसी भी एड्हेसिव की सहायता से चिपका दो। तुम चाहो तो किसी खास रंग के लिए एक्रेलिक कलर्स का भी उपयोग कर सकते हो और चाहो तो कलर्ड शीट भी यूज कर सकते हो। यही नहीं, चीजों को और भी क्रिएटिव बनाने के लिए ऊन या धागों, बटन्स या बीड्स जैसी चीजों को भी यूज कर सकते हो।

कार्डबोर्ड बॉक्सेस

मिठाई के डब्बे हों या किसी अन्य सामान के साथ आए गत्ते यानी कार्डबोर्ड के मजबूत बॉक्स। इनका प्रयोग भी एक आर्ट पीस बनाने के लिए किया जा सकता है। इसके लिए भी तुम्हें कुछ कलर पेपर, एक्रेलिक या वॉटर कलर, क्रेयॉन्स, कैंची और एड्हेसिव की जरूरत होगी। कैंची के लिए यहां भी वैसी ही सावधानी रखनी होगी। मिठाई के डिब्बों से तुम सोफे, गाड़ी, मोबाइल कवर, छोटी शेल्फ या घर आदि बना सकते हो तो कार्डबोर्ड के मजबूत टुकड़ों या पूरे बॉक्स से तुम अपने लिए मॉड्यूलर किचन से लेकर बड़ा ट्रक, बड़ी शेल्फ, फ्रिज, टीवी, ज्वैलरी बॉक्स, फर्नीचर, एक डॉल हाउस, छोटा-सा शहर आदि जैसी कई चीजें बना सकते हो। जरूरत बस अपनी कल्पना को रंग देने की है।

भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में आई कमी, 2.6 अरब डॉलर कम होकर इस स्तर पर पहुंचा

नई दिल्ली।

भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में इस सप्ताह भी गिरावट आई है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के मुताबिक, इसमें 2.6 अरब डॉलर की कमी आई ह इसमें 2.6 अरब डॉलर की कमी आई है और यह घटकर 619.6 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है। गौरतलब है कि पिछले सप्ताह इसमें 10 अरब डॉलर से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई थी।

स्वर्ण भंडार में भी गिरावट आई

आरबीआई की ओर से पेश की गई जानकारी के मुताबिक, सोने की कीमत में आई गिरावट के कारण भारत के स्वर्ण भंडार में भी कमी देखने को मिली है और गोल्ड रिजर्व 1.7 अरब डॉलर कम होकर 42 अरब डॉलर पर पहुंच गया। फॉरन करेंसी असेट यानी एफसीए में 703 मिलियन डॉलर की गिरावट दर्ज की गई और यह घटकर 553 मिलियन डॉलर पर पहुंच गया। गौरतलब है कि 11 मार्च को समाप्त हुए सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 9.6 अरब डॉलर गिरकर 622.3 अरब डॉलर रह गया था। गौरतलब है कि यह बीते दो वर्षों मेंसबसे तेज साप्ताहिक गिरावट रही। सबसे तेज साप्ताहिक गिरावट रही। बीते दो सालों की बात करें तो इससे पहले 20 मार्च 2020 को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार में 11.9 अरब डॉलर की गिरावट दर्ज की गई थी।

तेल की बढ़ती कीमतों को नितिन गडकरी ने ठहराया सही, बताया- इसके लिए कौन है जिम्मेदार

मुंबई।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने पिछले चार दिनों में ईंधन की कीमतों में तीन बार की गई बढ़ोतरी को सही ठहराया है। उन्होंने शुक्रवार को कहा कि रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें बढ़ गई हैं। यह स्थिति भारत सरकार के नियंत्रण से बाहर है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री गडकरी ने यहां 'एबीपी नेटवर्क' के सम्मेलन 'आइडियाज ऑफ इंडिया' में 'न्यू इंडिया, न्यू मेनिफेस्टो-सबका साथ, सबका विकास' सत्र में बोल रहे थे। जब उनसे पेट्रोल और डीजल की बढ़ी कीमतों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, ''भारत में 80 प्रतिशत तेल आयात किया जाता है। रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें बढ़ गई हैं और हम इसके बारे में कुछ नहीं कर सकते हैं।'' खुद का ईंधन बनाने की जरूरत

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हम 2004 से भारत को आत्मनिर्भर बनाने पर जोर दे रहे हैं, ''जिसके साथ हमें स्वदेशी ऊर्जा उत्पादन क्षमताओं को विकसित करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए अपना खुद का ईंधन बनाने की जरूरत है।'' पेट्रोल और डीजल की कीमतों में शुक्रवार को 80 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई, जो चार दिनों में तीसरी वृद्धि है। आज शनिवार को भी फिर से पेट्रोल डीजल के दाम 80 पैसे प्रति लीटर बढ़ा दिए गए हैं।

दिल्ली में खुदरा और थोक खरीदारी के लिए शॉपिंग फेस्टिवल का बजट में प्रस्ताव

नयी दिल्ली ।

दिल्ली सरकार ने खुदरा और थोक बाजारों को बढ़ावा देने के लिए शहर में कई शॉपिंग फेस्टिवल के आयोजन की योजना बनाई है। इसका उद्देश्य इन स्थानों को पर्यटन स्थल बनाना और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए रोजगार पैदा करना है। शिक्षा मंत्रालय के साथ वित्त मंत्रालय का भी दायित्व संभालने वाले मनीष सिसोदिया ने शनिवार को विधानसभा में वित्त वर्ष 2022-23 का बजट पेश करते हुए दिल्ली शॉपिंग फेस्टिवल और दिल्ली होलसेल शॉपिंग फेस्टिवल के लिए 250 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। सिसोदिया ने बजट भाषण में कहा कि दिल्ली के उत्पाद भरोसेमंद एवं टिकाऊ माने जाते हैं और शहर में कई आधुनिक शॉपिंग मॉल होने के बावजूद तमाम लोग अब भी पारंपरिक थोक और खुदरा बाजारों से ही खरीदारी करते हैं। उन्होंने कहा, ''इन परंपरागत बाजारों में खरीदारी हमारी परंपरागत संस्कृति और मूल्यों का हिस्सा है। दिल्ली में कई मशहूर बाजार हैं और हमने उनके पुनर्विकास एवं आधुनिकीकरण की योजना बनाई है ताकि इन्हें आकर्षक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा सके और आने वाले वर्षों में नए रोजगार पैदा हों।'' सिसोदिया ने कहा कि पुनर्विकास के लिए शुरुआती तौर पर पांच बाजारों का चयन किया गया है और इसके लिए बजट में 100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि इससे 1.5 लाख नए रोजगारों का सृजन हो सकेगा। उन्होंने कहा कि शॉपिंग फेस्टिवल चार-छह सप्ताह तक चलेंगे और दुकानदारों को इसमें छूट भी दी जाएगी। यहां पर खरीदारी के अलावा खानपान एवं मनोरंजन के भी इंतजाम होंगे। उन्होंने दिल्ली के स्थानीय जायके को बढ़ावा देने के लिए फूड ट्रक नीति लाने का भी प्रस्ताव बजट में रखा है। इसके तहत खानपान के परंपरागत व्यंजन परोसने वाले फूड ट्रक दिल्ली की सड़कों पर शाम आठ बजे से देर रात तक लगाए जा सकेंगे।

दिल्ली सरकार इलेक्ट्रॉनिक सिटी बसाएगी, 80,000 लोगों को मिलेंगे रोजगारः सिसोदिया

नयी दिल्ली।

दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने राष्ट्रीय राजधानी में शनिवार को एक इलेक्ट्रॉनिक सिटी बसाने का प्रस्ताव रखा जिससे करीब 80,000 रोजगार पैदा होने की उम्मीद है। सिसोदिया ने राज्य विधानसभा में वित्त वर्ष 2022-23 का बजट पेश करते हुए दिल्ली में इलेक्ट्रॉनिक सिटी बसाने का प्रस्ताव रखा। इसे दिल्ली के बापरोला इलाके में स्थापित किया जाएगा। वित्त मंत्री का प्रभार संभालने वाले सिसोदिया ने अपने बजट भाषण में कहा, हम दिल्ली के बापरोला में इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों के विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए एक इलेक्ट्रॉनिक सिटी बसाएंगे। इससे 80,000 लोगों के लिए रोजगार अवसर पैदा होंगे।उन्होंने कहा कि इस कदम से सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनियां भी दिल्ली आने के लिए प्रोत्साहित होंगी। उन्होंने कहा, हमारा रोजगार

सृजन के लिए इलेक्ट्रॉनिक सिटी बसाने का इरादा है। हम दिल्ली में आधार खड़ा करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक कंपनियों को आकर्षित करने के लिए 90 एकड़ में विनिर्माण केंद्र भी बनाएंगे। औद्योगिक क्षेत्रों के पुनर्विकास से छह लाख नए रोजगार भी पैदा होंगे। सिसोदिया ने विधानसभा में वित्त वर्ष 2022-23 के लिए 75,800 करोड़ रुपये का बजट पेश किया। यह बजट वर्ष 2021-22 के 69,000 करोड़ रुपये के बजट से 9.86 प्रतिशत अधिक है। सिसोदिया ने इसे रोजगार बजट की संज्ञा देते हुए कहा कि इससे दिल्ली में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। यह दिल्ली में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार का लगातार आठवां बजट है।

संक्षिप्त समाचार

सिडबी ने दस करोड़ रुपए में ओएनडीसी की 7.84प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी

नई दिल्ली। भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) ने दस करोड़ रुपए में सार्वजनिक क्षेत्र के डिजिटल बुनियादी ढांचा मंच ओएनडीसी में 7.84 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया है। सिडबी ने शुक्रवार को कहा, ''दस करोड़ रुपए के निवेश के साथ ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) में हमने 7.84 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया है।'' सिडबी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक एस रमण ने कहा कि ओएनडीसी में इस निवेश से हमें डिजिटल मंच की आसान पहुंच को लेकर डिजिटल बुनियादी ढांचे को विकसित करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि यह डिजिटल मंच खासकर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए बाजार में पहुंच बढ़ाने में मददगार होगा। गौरतलब है कि ओएनडीसी का गठन दिसंबर 2021 में किया गया था। इसका उद्देश्य भारतीय डिजिटल वाणिज्य परिवेश तैयार करना और अपनी तरह का पहला खुला सार्वजनिक डिजिटल बुनियादी ढांचा तैयार करना था।

अनिल अंबानी ने आर-पावर, आर-इंफ्रा के डायरेक्टर पद से दिया इस्तीफा

बिजनेस डेस्क। अनिल धीरुभाई अंबानी ग्रुप (एडीएजी) के चेयरमैन अनिल अंबानी ने शुक्रवार को रिलायंस पावर और रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के निदेशक पद से इस्तीफा दे दिया। इससे पहले भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) ने अनिल अंबानी के शेयर बाजारों में किसी सूचीबद्ध कंपनी से जुड़ने पर रोक लगा दी थी। रिलायंस पावर ने शेयर बाजार को दी गई सूचना में कहा, ''गैर-कार्यकारी निदेशक अनिल डी अंबानी सेबी के अंतरिम आदेश के बाद कंपनी के निदेशक पद से हट गए हैं।'' रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर ने भी शेयर बाजार को बताया कि अनिल अंबानी ने सेबी के अंतरिम आदेश के अनुपालन में कंपनी के निदेशक मंडल से इस्तीफा दे दिया है। सेबी ने फरवरी में रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड, उद्योगपति अनिल अंबानी और तीन अन्य व्यक्तियों को कथित रूप से धन निकालने के आरोप में प्रतिभूति बाजार से प्रतिबंधित कर दिया था। एडीएजी समूह की दोनों कंपनियों ने कहा कि आर-पावर और आर-इन्फ्रा के निदेशक मंडल ने शुक्रवार को राहुल सरीन को पांच साल के कार्यकाल के लिए स्वतंत्र निदेशक के रूप में अतिरिक्त निदेशक नियुक्त किया है। हालांकि यह नियुक्ति अभी आम बैठक में सदस्यों की मंजूरी के अधीन है।

इंजीनियरिंग, टेलीकॉम और हेल्थ सेक्टर में 1.2 करोड़ नए जॉब

नई दिल्ली । इंजीनियरिंग, टेलीकॉम और हेल्थकेयर सेक्टर में 5 साल में 1.2 करोड़ नौकरियां पैदा होंगी। यहां नौकरी के मौके सालाना 25-27% बढ़ने की उम्मीद है। हायरिंग फर्म टीमलीज डिजिटल की रिपोर्ट में कहा गया है कि पीएलआई स्कीम और विदेशी निवेश बढ़ने की वजह से इंजीनियरिंग, टेलीकॉम व हेल्थकेयर सेक्टर में विशिष्ट कौशल की मांग बढ़ रही है। शुक्रवार को जारी 'प्रोफेशनल स्टाफिंग- डिजिटल एम्प्लॉयमेंट ट्रेंड' नाम की रिपोर्ट के मुताबिक 5 सालों में जीडीपी में इन सेक्टरों की हिस्सेदारी बढ़ेगी। टीमलीज डिजिटल के स्पेशलाइज्ड स्टाफिंग प्रमुख सुनील सी. ने कहा कि ये सेक्टर बड़े बदलाव से गुजर रहे हैं। टेलीकॉम, इंजीनियरिंग, हेल्थकेयर का बाजार 114 लाख करोड़ का रिपोर्ट के मुताबिक टेलीकॉम, इंजीनियरिंग, हेल्थकेयर का कुल बाजार 114 लाख करोड़ से अधिक का है। इन सेक्टरों में 4.2 करोड़ से ज्यादा लोगों को रोजगार मिला हुआ है जो देश की कुल वर्कफोर्स का 8.7% है। इसमें 2026 तक 1.2 करोड़ नई नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है। इन सेक्टरों के 4.2 करोड़ कर्मियों में से 46 लाख स्पेशलाइज भूमिका में हैं यानी इनमें उच्च कौशल और विशेषज्ञता की जरूरत होती है।

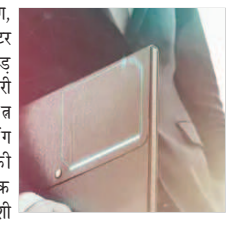

टोयोटा ने अपने सभी मॉडलों के दाम चार प्रतिशत तक बढ़ाए

नयी दिल्ली । वाहन विनिर्माता टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने शनिवार को कहा कि वह लागत में हुई बढ़ोतरी की वजह से अपने सभी उत्पादों के दाम में चार प्रतिशत तक की वृद्धि करने जा रही है। फॉरच्यूनर और इनोवा क्रिस्टा जैसे लोकप्रिय मॉडलों की बिक्री करने वाली टीकेएम ने एक बयान में कहा कि उत्पादों की बढ़ी हुई दरें एक अप्रैल से लागू हो जाएंगी। कंपनी ने कहा कि सभी उत्पादों की कीमतें बढ़ाने का फैसला कच्चे माल की लागत में हुई वृद्धि की वजह से करना पड़ा है। हालांकि उसने ग्राहकों पर बढ़ती लागत का असर न्यूनतम रखने की पूरी कोशिश की है । इसके पहले लग्जरी वाहन विनिर्माता बीएमडब्ल्यू इंडिया ने भी अगले महीने से उत्पादों की कीमतों में 3.5 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी करने की घोषणा की थी। इसके अलावा लग्जरी वाहन श्रेणी की अन्य कंपनियों ऑडी और मर्सिडीज बेंज की भी एक अप्रैल से कीमतें बढ़ाने की योजना है।

दिवालिया घोषित हुई रियल एस्टेट कंपनी सुपरटेक, 25 हजार होम बायर्स की बढ़ी मुसीबत

बिजनेस डेस्क।

रियल्टी कंपनी सुपरटेक लिमिटेड के खिलाफ 25 मार्च को दिवालिया प्रक्रिया शुरू हो गई है। सुपरटेक पर यूनियन बैंक का काफी कर्ज बकाया है। कर्ज लौटाने पर कंपनी के बार-बार डिफॉल्ट करने की वजह से यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल की दिल्ली बेंच के पास सुपरटेक के खिलाफ इनसॉल्वेंसी की याचिका दायर की थी। बैंक की इस याचिका को ने स्वीकार कर लिया है। एक रिपोर्ट के अनुसार नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गुरुग्राम और गाजियाबाद में सुपरटेक की कई परियोजनाएं अभी पूरी नहीं हुई हैं। अब सुपरटेक की दिवालिया प्रक्रिया शुरू होने से करीब 25 हजार लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं, जिन्होंने सुपरटेक के प्रोजेक्ट्स में घर बुक किए थे, परंतु अभी तक उन्हें घर का कब्जा नहीं दिया गया है। घर खरीदने वाले पिछले कई वर्षों से घर मिलने का इंतजार कर रहे हैं। घर खरीदने वाले पिछले कई वर्षों से घर मिलने का इंतजार कर रहे हैं। नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल ने दिवाला और दिवालियापन संहिता के तहत सुपरटेक के लिए इन-सॉल्वेंसी रेज्योलूशन प्रोफेशनल हितेश गोयल को नियुक्त किया है। ट्रिब्यूनल ने इस मामले में निर्णय 17 मार्च 2022 को सुरक्षित रख लिया था। इससे पहले सुपरटेक ने यूनियन बैंक को एकमुश्त सारी

बकाया राशि लौटाने के प्रस्ताव को नकार दिया था।

दोनों पक्षों की दलीलों को को सुनने के बाद ने सुपरटेक को इनसॉल्वेंसी में डाल दिया है। हालांकि अभी इस बात की जानकारी नहीं है कि सुपरटेक पर यूनियन बैंक का कितना कर्ज है। इस मामले में अभी कोर्ट के लिखित आदेश का इंतजार है। एक बार किसी कंपनी की कॉरपोरेट रेज्योलूशन प्रक्रिया शुरू होता है तो सभी दीवानी और उपभोक्ता कोर्ट में चल रहे मामलों के साथ ही ऋ्क्ष्क्र में दायर केस भी लटक जाते हैं।

यूरोपियन यूनियन डिजीटल मार्केट एक्ट लाएगा, कई बार नियम तोड़ने पर जुर्माना बढ़ेगा

नई दिल्ली।

यूरोपीय यूनियन ने फेसबुक, वॉट्सऐप जैसी टेक कंपनियों की मानमानी रोकने के लिए एक नए कानून का अंतिम मसौदा तैयार कर लिया है। इसके जरिए बड़ी टेक्नोलॉजी कंपनियों पर एक्टिव क्रिमिनल एक्टिविटी पर बैन लगाने, यूजर्स के डेटा को अपने फायदे के लिए गलत इस्तेमाल करने जैसी चीजों पर रोक लगेगी। साथ जो टेक कंपनियां इस कानून को तोड़ेंगी उन पर जुर्माना लगाया जाएगा। जो उनकी कमाई के मुताबिक होगा। जुर्माना लगाने के बाद भी कंपनी ऐसा करती हैं तो उन पर यह जुर्माना बढ़ता जाएगा। यूरोपीय संघ ने टेक दुनिया में कंपटीशन पर बैलेंस बनाने के लिए एक नया कानून पेश किया है। इसका नाम डिजिटल मार्केट एक्ट रखा है। इसका उद्देश्य बड़ी टेक्नोलॉजी पर लगाम लगाना और छोटे फर्मों को उनके साथ कंपटीशन करने की अनुमति देना है। एक्ट वॉट्सऐप, फेसबुक मैसेंजर और आईमैसेज जैसे मैसेजिंग ऐप की इंटरऑपरेबिलिटी पर फोकस करता है, यूरोपीय यूनियन ने कहा कि बड़ी कंपनियों को छोटे मैसेजिंग प्लेटफॉर्म के साथ तालमेल बनाकर काम करना होगा। इससे यूजर्स को संदेश भेजने के लिए ज्यादा ऑप्शन मिलेंगे। यूजर्स फ्री होकर अपने ब्राउजर, सर्च इंजन को सिलेक्ट कर पाएंगे। इस कानून से यूरोपीय यूनियन गेटकीपर मानी जानी वाली कंपनियों पर नए दायित्वों को लागू करेगा। इसमें कम से कम 82 बिलियन डॉलर (करीब 6 लाख करोड़ से ज्यादा) के मार्केट कैपटेलाइजेशन वाली फर्मों, कम से कम 45,000 एक्टिव यूजर्स वाले ऐप या सोशल नेटवर्क प्लेटफॉर्म शामिल होंगे। इसमें अभी गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, मेटा, अमेजन और एपल जैसी फेमस टेक कंपनियां शामिल हैं। यदि गेटकीपर नियमों का पालन नहीं करते हैं, तो उन पर भारी जुर्माना लगाया जाएगा। इसमें उनके पिछले साल में किए कारोबार का लगभग 10% तक और बार-बार नियमों को तोड़ने के मामले में उन पर यह जुर्माना 20% तक का होगा। यूरोपीय यूनियन की कमिशनर मार्ग्रेथ वेस्टेगर ने बताया, इस नए कानून का उद्देश्य टेक्नोलॉजी क्षेत्र के बिजनेस को पारदर्शी बनाना है। डीएमए को लेकर यूरोपीय यूनियन पिछले एक दशक से लड़ रहा है। इस कानून से अमेजन जो अपने प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करने वाले थर्ड पार्टी के सेलर्स पर बेनिफिट के लिए अपने एनालिटिक्स का इस्तेमाल करता है उसे रोकने में मदद मिलेगी। हालांकि यह कुछ ही कंपनियों को चिंतित कर सकता है। अक्सर इस तरह के जुर्माने टेक कंपनियों के बहुत छोटे होते हैं। उदाहरण के लिए ऐपल के ऐप स्टोर पर जब नीदरलैंड में थर्ड पार्ट का डेटा गलत इस्तेमाल करने के लिए फाइन लगया गया तो उसने अपने प्लेटफॉर्म में कोई भी बदलाव करने के बजाय 5.5 मिलियन डॉलर वीकली जुर्माना देना चुना।

यात्रा ऑनलाइन ने आईपीओ की मंजूरी के लिए आवेदन किया

नयी दिल्ली। यात्रा सेवाएं देने वाली कंपनी यात्रा ऑनलाइन लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए बाजार नियामक सेबी के समक्ष मसौदा दस्तावेज दाखिल किए हैं। इस निर्गम के दौरान कंपनी 750 करोड़ रुपये मूल्य के नए शेयर जारी करेगी। इसके अलावा 93,28,358 इक्विटी शेयरों की खुली बिक्री पेशकश भी की जाएगी। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष दाखिल दस्तावेज के मुताबिक, यात्रा ऑनलाइन लिमिटेड आईपीओ से जुटाई जाने वाली राशि का इस्तेमाल रणनीतिक निवेश, अधिग्रहण और कारोबार वृद्धि के लिए करेगी। यात्रा ऑनलाइन की मूल कंपनी यात्रा ऑनलाइन इंक अमेरिकी बाजार नैसडेक में सूचीबद्ध है। खुली बिक्री पेशकश के तहत कंपनी टीएचसीएल ट्रैवल होल्डिंग्स साइप्रस लिमिटेड के 88,96,998 इक्विटी शेयरों और पंडारा ट्रस्ट के 4,31,360 इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश करेगी। ट्रैवल होल्डिंग्स साइप्रस लिमिटेड के 88,96,998 इक्विटी शेयरों और पंडारा ट्रस्ट के 4,31,360 इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश करेगी। इसके अलावा कंपनी 145 करोड़ रुपये तक के निजी शेयर आवंटन के बारे में भी सोच सकती है।

इमामी ने खरीदा ठंडा-ठंडा कूल-कूल डर्मीकूल, 432 करोड़ रुपए में हुआ सौदा

बिजनेस डेस्क ।

बोरोप्लस ब्रांड से घर-घर में पैठ बनाने वाली भारत की दिग्गज एफएमसीजी कंपनी इमामी ने ब्रिटेन की मल्टीनेशनल कंपनी रेकिट से 'डर्मीकूल' ब्रांड का अधिग्रहण कर लिया है। यह सौदा 432 करोड़ रुपए में हुआ है। रेकिट इंडिया ब्रिटेन के ग्रुप का हिस्सा है। रेकिट इंडिया ने एक बयान में कहा कि अधिग्रहण राशि आंतरिक स्त्रोतों से जुटाई गई है और यह अधिग्रहण नियामकीय शर्तों के अधीन है। डर्मीकूल ब्रांड गर्मियों के दौरान राहत प्रदान करने वाले उत्पादों में से एक है। डर्मीकूल पाउडर को अहमदाबाद की पारस फार्मास्युटिकल्स ने 1999 में लॉन्च किया था। इसी कंपनी ने इच गार्ड क्रीम भी लॉन्च की थी लेकिन साल 2013 में पारस फार्मा को ब्रिटेन की रेकिट ने खरीद लिया। यह डील 3260 करोड़ रुपये की रही। लिहाजा डर्मी कूल भी रेकिट के ब्रांड पोर्टफोलियो के तहत आ गया। प्रीकली हीट पाउडर व कूल टैल्क बाजार में डर्मीकूल की लगभग 20 फीसदी हिस्सेदारी है। जाइडस का नाइसिल टैल्क इस सेगमेंट में लीडर है।

इन ब्रांड्स को भी अपना बना चुकी है इमामी

झंडू, केश किंग और जर्मन ब्रांड क्रीम-21 कुछ ऐसे ब्रांड या कारोबार हैं, जिनका कंपनी ने पिछले कुछ साल में अधिग्रहण किया है। इमामी के पोर्टफोलियो में बोरोप्लस, नवरत्न, फेयर एंड हैंडसम, झंडू बाम, सोना चांदी च्यवनप्राश जैसे ब्रांड शामिल हैं। इमामी ग्रुप एफएमसीजी, न्यूजप्रिंट, बॉल पेन टिप्स मैन्युफैक्चरिंग, रिटेल, फार्मेसी, इंफ्रास्ट्रक्चर एंड डेवलपमेंट, आर्ट, इडिबल तेल, हेल्थकेयर, सीमेंट, बायो डीजल क्षेत्र में कारोबार करता है। इमामी ने कहा, हमें डर्मीकूल ब्रांड के अधिग्रहण की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है, जो हमारे मौजूदा व्यवसायों के हिसाब से रणनीतिक रूप से उपयुक्त है....। कंपनी उन अधिग्रहणों पर विचार करती है जो न केवल मूल्य जोड़ते हैं और व्यवसाय के हिसाब से तालमेल रखते हैं बल्कि संगठन को उच्च विकास क्षमता वाली श्रेणियों में उपस्थित होने के अवसर भी प्रदान करते हैं।

वेदांता तेल, जस्ता एवं इस्पात के कारोबार में करेगी 1.5 अरब डॉलर का निवेश

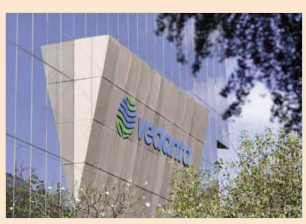

नई दिल्ली । अरबपति अनिल अग्रवाल की अगुआई वाली वेदांता लिमिटेड अपने तेल, गैस, जस्ता और इस्पात कारोबार में 1.5 अरब डॉलर का निवेश करेगी। वेदांता ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी गई सूचना में कहा कि निदेशक मंडल की बैठक में कंपनी की तेल और गैस इकाई केयर्न ऑयल एंड गैस में नए कुओं के उत्खनन के लिए 68.7 करोड़ डॉलर के पूंजीगत व्यय को मंजूरी दी गई। इसके साथ ही निदेशक मंडल ने दक्षिण अफ्रीका में गैम्सबर्ग जस्ता परियोजना के दूसरे चरण के विस्तार के लिए 46.6 करोड़ डॉलर और अन्य परियोजनाओं के विस्तार के लिए 34.8 करोड़ डॉलर के खर्च को भी स्वीकृति दी। कंपनी ने कहा, ''68.7 करोड़ डॉलर का पूंजीगत व्यय तेल एवं गैस कुओं के उत्खनन, विकास और अन्वेषण की दिशा में है। केयर्न ऑयल एंड गैस कारोबार के लिए रणनीतिक प्राथमिकता इन कुओं को भर निकट अवधि में संसाधनों की मात्रा में वृद्धि करना है।''

महिला विश्वकप : न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स ने बनाया बड़ा रिकॉर्ड, ऐसा करने वाली चौथी महिला क्रिकेटर

क्राइस्टचर्च । न्यूजीलैंड की अनुभवी सलामी बल्लेबाज सूजी बेट्स 5 हजार वनडे रन बनाने वाली दुनिया की चौथी और न्यूजीलैंड की पहली महिला क्रिकेटर बन गईं हैं। उनके अलावा उनकी हमवतन एमी सैटरथवेट ने 4639 वनडे रन बनाए हैं। 34 वर्षीय बेट्स ने शनिवार को हैगले ओवल में पाकिस्तान के खिलाफ 2022 आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप के आखिरी लीग मैच में यह कीर्तिमान हासिल किया। बेट्स ने 14 चौकों की मदद से 135 गेंदों पर 126 रन की शतकीय पारी खेल कर न्यूजीलैंड को चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया, जिससे टीम को जीत हासिल हुई। दाएं हाथ की इस बल्लेबाज के नाम अब 5045 वनडे रन हैं। उल्लेखनीय है कि भारतीय कप्तान मिताली राज 7737 रनों के साथ इस सूची में पहले, इंग्लैंड की चार्लोट एडवर्ड्स 5992 रनों के साथ उल्लेखनीय है कि भारतीय कप्तान मिताली राज 7737 रनों के साथ इस सूची में पहले, इंग्लैंड की चार्लोट एडवर्ड्स 5992 रनों के साथ दूसरे और वेस्ट इंडीज की स्टेफनी टेलर 5250 रनों के साथ तीसरे स्थान पर बरकरार हैं।

इंटरनेशनल शतरंज

दिल्ली इंटरनेशनल शतरंज - अर्जुन एरिगासी की लगातार चौंथी जीत

नई दिल्ली ।

19वे दिल्ली इंटरनेशनल शतरंज टूर्नामेंट के चार राउंड के बाद वर्तमान राष्ट्रीय शतरंज चैम्पियन अर्जुन एरिगासी नें लगातार चौंथी जीत हासिल करते हुए सयुंक्त बढ़त को कायम रखा है । इसके साथ ही वह अपने खेल जीवन की सर्वश्रेष्ठ लाइव रेटिंग 2672 पर जा पहुंचे है । अर्जुन नें राउंड 1 में भारत के मानिगंदन एसएस , राउंड 2 में में भारत के पी कार्तिकेयन और राउंड 3 में उज्बेकिस्तान के ओर्टिक निगमटोव और राउंड 4 में भारत के ही कुशाग्र जैन को मात देते हुए चार जीत दर्ज की है ।

राउंड 4 के प्रमुख परिणाम इस प्रकार रहे - बोर्ड 2 पर भारत के ललित बाबू नें हमवतन पदमेश एमके को ,विसाख एनआर नें आदित्य पाल को ,इनियन पी नें ज्ञानेश्वर बी को ,अजरबैजान के अजर मिर्जोएव नें प्रमुख परिणाम इस प्रकार रहे - बोर्ड 2 पर भारत के ललित बाबू नें हमवतन पदमेश एमके को ,विसाख एनआर नें आदित्य पाल को ,इनियन पी नें ज्ञानेश्वर बी को ,अजरबैजान के अजर मिर्जोएव नें भारत के अजय संतोष को ,ईरान के पूरमोसावी सैयद कियान नें भारत के ओइशिक कुंडु को पराजित किया जबकि 191वें वरीय याशिता राऊत नें 12वे वरीय मित्रभा गुहा को ड्रॉ पर रोककर चौंका दिया । अर्जुन के अलावा अजरबैजान के अजर मिर्जोएव ,ईरान के पूरमोसावी सैयद कियान ,भारत के पी इनियन ,साहिल दे , विसाख एनआर ,ललित बाबू भी अंक बनाकर सयुंक्त बढ़त पर चल रहे है ।

पोंटिंग का बड़ा बयान, ऋषभ पंत कप्तानी में तोड़ सकते हैं धोनी और विराट कोहली का रिकॉर्ड

स्पोर्ट्स डेस्क ।

आस्ट्रेलियाई कप्तान रिकी पोंटिंग को कोई शक नहीं कि विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को भविष्य में अगर भारतीय टीम की अगुआई की जिम्मेदारी सौंपी जाती है तो वह सफल कप्तान साबित होंगे। पंत को पिछले सत्र में चोटिल श्रेयस अय्यर की अनुपस्थिति में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) की कप्तानी सौंपी गयी थी और पोंटिंग की अगुआई वाले टीम प्रबंधन को खिलाड़ी पर पूरा भरोसा है। पोंटिंग ने कहा कि इस तरह आईपीएल जैसे दबाव वाले टूर्नामेंट में इस भूमिका में अनुभव हासिल करने के बाद मुझे कोई शक नहीं है कि आने वाले समय में ऋषभ अंतरराष्ट्रीय कप्तान हो सकता है। इसमें कोई शक नहीं है। पोंटिंग को यह भी लगता है कि पंत और रिकॉर्ड पांच बार की चैम्पियन मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा में कई समानताएं हैं। उन्होंने रोहित के ऊपर चढ़ते करियर को देखा है जिसमें वह अपनी टीम को सबसे ज्यादा ट्राफियां दिलाने वाले कप्तान बने। उन्होंने कहा कि मैंने इसके बारे में हालांकि ज्यादा नहीं सोचा है। ट्राफियां दिलाने वाले कप्तान बने। उन्होंने कहा कि मैंने इसके बारे में हालांकि ज्यादा नहीं सोचा है। लेकिन मुझे लगता है कि वे वास्तव में समान हैं। जब रोहित ने मुंबई की कप्तानी शुरू की तो वह काफी युवा था और उसने अपना अंतरराष्ट्रीय करियर लगभग शुरू ही किया था।

वह शायद 23-24 वर्ष का होगा और ऋषभ की उम्र इतनी ही है। ये दोनों काफी समान हैं। मैं जानता हूं कि ये दोनों अच्छे साथी हैं और वे कप्तानी के बारे में कुछ बातें साझा भी करते होंगे।

बेहतर बुनियादी ढांचे से भारत हॉकी में और ओलंपिक पदक जीतेगा: कपिल देव

मुंबई । महान क्रिकेटर कपिल देव को लगता है कि बुनियादी ढांचे में सुधार करने से क्रिकेट भारत में 'नयी ऊंचाईयों तक पहुंच गया है और बेहतर सुविधाए देने से हॉकी जैसे खेलों को ओलंपिक में और पदक जीतने में मदद मिलेगी। कपिल ने कहा कि एक देश के तौर पर हमें पहले बुनियादी ढांचा देने की जरूरत है। अगर हमारे पास यह है तो बच्चे अपनी पसंद के अनुसार खेल चुन सकते हैं। उन्होंने कहा कि सुविधाओं बेहतर होने के परिणामस्वरूप क्रिकेट नयी ऊंचाईयों तक पहुंच गया। हालांकि अगर हम यही चीज अन्य खेलों के साथ भी करें जैसे कि 200 अतिरिक्त एस्ट्रो टर्फ होना, भारत हॉकी में अन्य देशों की तुलना में काफी अधिक ओलंपिक पदक जीत लेगा। उन्होंने कहा कि पिछले 40 वर्षों में सबसे महत्वपूर्ण चीज जो हुई है, मैं कहूंगा कि आज माता-पिता अपने बच्चों को मैदान पर लाते हैं और कहते हैं 'इन्हें खिलाड़ी बनाओ । हमारे समय में, किसी भी माता-पिता के पास अपने बच्चों को मैदान पर लाने के लिए समय नहीं था। आज वे हमारे पास आते हैं और पूछते हैं कि क्या वे आईपीएल में खेल सकते हैं या फिर वे भारत के लिये खेल सकते हैं? ओलंपिक पदक विजेता पेस ने कहा कि मुझे लगता है कि ज्यादातर लोग समझते है कि ओलंपिक पदक शारीरिक फिटनेस की बदौलत जीते जाते हैं। वे सोचते हैं कि विश्व कप जीतने में तकनीक अहम है। लेकिन यह सिर्फ आपके दिमाग से होता है जो तय करता है कि आप जीतोगे या हारोगे। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता टीम के सदस्य इकबाल ने कहा कि तीन-चार दशक तक अच्छा प्रदर्शन नहीं करने के बाद मौजूदा टीम ने हॉकी में वापसी की ओर कदम बढ़ाया है। उन्होंने कहा, ''मैं कहूंगा कि हमने 1948 लंदन ओलंपिक से 75 तक अच्छा प्रदर्शन किया था।

रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज 2022 की घोषणा, चार जून से शुरू होगा टूर्नामेंट

मुंबई ।

टी-20 क्रिकेट लीग रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज के दूसरे संस्करण का आगाज चार जून से होगा। सीरीज तीन जुलाई तक तीन स्थानों लखनऊ, इंदौर और जोधपुर में खेली जाएगी। न्यूजीलैंड लीजेंड्स इस सीजन नई टीम है। वह देश और दुनिया भर में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरुकता पैदा करने के लिए खेले जाने वाले इस 30 दिवसीय आयोजन के दौरान भारत, ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, वेस्ट इंडीज, दक्षिण अफ्रीका, बंगलादेश और इंग्लैंड लीजेंड्स के साथ जुड़ेगी। टूर्नामेंट भारत सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय तथा सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय और युवा मामले एवं खेल मंत्रालय द्वारा समर्थित है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने इस बारे में कहा, 'सड़क सुरक्षा विश्व श्रृंखला क्रिकेट के माध्यम से सड़क सुरक्षा के प्रति जागरुकता पैदा करने के लिए एक बहुत अच्छी पहल है। हम चाहते हैं कि देश में हर व्यक्ति जागरुक हो और सड़क पर चलते वक्त हर नियम और कानून का पालन करे। ऐसा सुनिश्चित करने के लिए हमें लोगों में जागरुकता पैदा करनी होगी। मेरा दृढ़ विश्वास है कि यह श्रृंखला भारतीय सड़कों पर जीवन बचाने के लक्ष्य को हासिल करने में सक्षम होगी। केंद्रीय सूचना एवं प्रौद्योगिकी तथा युवा मामले एवं खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने आयोजन की सफलता की कामना करते हुए कहा, 'मुझे यकीन है कि रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज सामाजिक परिवर्तन को बढ़ावा देगी और सड़क तथा सड़क सुरक्षा पर लोगों के व्यवहार के प्रति उनकी मानसिकता को प्रभावित करने के लिए एक

आदर्श मंच के रूप में काम करेगी। अनुराग ने यह भी कहा कि वह यह जानकर बेहद खुश हैं कि आठ देशों ऑस्ट्रेलिया, वेस्टइंडीज, दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, बंगलादेश, श्रीलंका और मेजबान भारत के दिग्गज क्रिकेटर इस टूर्नामेंट में भाग लेने जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज का उद्देश्य देश में सामाजिक परिवर्तन लाना और सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों के दृष्टिकोण को बदलना है, चूंकि क्रिकेट देश में सबसे ज्यादा फॉलो किया जाने वाला खेल है और क्रिकेटरों को कई लोग आदर्श के रूप में देखते हैं, इसलिए यह लीग सड़कों पर लोगों के व्यवहार के प्रति उनके दिमाग को प्रभावित करने और बदलने के लिए एक आदर्श मंच के रूप में काम करेगी।

विराट कोहली ने की फॉफ डु प्लेसिस की प्रशंसा, बताया योग्य कप्तान

मुंबई ।

आईपीएल 2022 सीजन में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के लिए बतौर खिलाड़ी पहला मैच खेलने वाले विराट कोहली ने टीम के नवनियुक्त कप्तान फॉफ डु प्लेसिस को योग्य कप्तान बताया है। उन्होंने कहा कि फाफ ऐसे व्यक्ति हैं जिसकी उन्होंने एक विपक्षी कप्तान के रूप में भी प्रशंसा की है। विराट ने शनिवार को आरसीबी की वेबसाइट पर जारी बयान में कहा, 'डु प्लेसिस बहुत ही योग्य कप्तान हैं, जिसके लिए मेरे मन में बहुत सम्मान है। यहां तक कि एक विपक्षी कप्तान के रूप में भी मैंने हमेशा उनकी प्रशंसा की है। उन्होंने जिस तरह से खेल को चलाया और जिस तरह से बल्लेबाजी की और अपनी टीम को अपने बलबूते पर आगे बढ़ाया। यह किसी भी कप्तान के लिए सबसे महत्वपूर्ण बात है। उल्लेखनीय है कि फरवरी में आईपीएल 2022 की मेगा नीलामी में आरसीबी ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को पछाड़ते हुए डु प्लेसिस को 7 करोड़ रुपए में खरीदा था और इस महीने की शुरुआत में उन्हें टीम का कप्तान बनाया गया। दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी इससे पहले 2012 से 2015 तक सीएसके के लिए खेल चुके हैं। उन्होंने 2016 और 2017 में तत्कालीन राइजिंग पुणे सुपरजायंट्स का भी प्रतिनिधित्व किया, जब सीएसके को दो साल के निलंबन का सामना करना पड़ा था। उन्होंने 2016 और 2017 में तत्कालीन राइजिंग पुणे सुपरजायंट्स का भी प्रतिनिधित्व किया, जब सीएसके को दो साल के निलंबन का सामना करना पड़ा था। वह हालांकि 2018 से 2021 तक सीएसके में वापस आए। विराट ने कहा, 'यहां तक कि आप देख सकते हैं कि वह टीम में सभी के साथ सहज हैं, जो वह सामान्य रूप से होते हैं। सभी खिलाड़ियों के अंदर उनके लिए सम्मान की भावना है। खिलाड़ी उनके द्वारा बनाई गई योजना और रणनीति के तहत आगे बढ़ने की बात कह रहे हैं।% आज मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में गत चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और गत उप-विजेता कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच मुकाबले से आईपीएल के 15वें संस्करण की शुरुआत होगी। आरसीबी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में 27 मार्च को पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच से अपने अभियान की शुरुआत करेगा।

आईपीएल 2022 खिलाड़ियों की सुरक्षा के लिए मुंबई पुलिस बनाएगी ग्रीन कोरिडोर, तैनात होंगे इतने पुलिस

मुंबई ।

आईपीएल खिलाड़ियों और स्टाफ को लाने ले जाने वाली बसों के लिये मुंबई पुलिस ग्रीन कोरिडोर देगी ताकि खिलाड़ी ट्रैफिक जाम में फंसने से बच जाए। एक सीनियर अधिकारी ने शनिवार को बताया कि मुंबई में मैचों के लिए 1100 से अधिक पुलिसकर्मी तैनात होंगे जिनमें ट्रैफिक पुलिस भी शामिल है। इस साल आईपीएल के सारे लीग मैच मुंबई और पुणे में हो रहे हैं। दस प्रतिभागी टीमें शहर के अलग अलग हिस्से में होटलों में ठहरी हैं। पुलिस अधिकारी ने कहा कि टीम होटलों और स्टेडियम के बीच काफी दूरी है लिहाजा मुंबई पुलिस खिलाड़ियों की सुरक्षा और मैच की टाइमिंग को देखते हुए काफी एहतियात बरत रही है। ग्रीन कोरिडोर में हर टीम को पुलिस एस्कॉर्ट दिया जाएगा क्योंकि कुछ मैच ऐसे समय पर है जब ट्राफिक चरम पर रहता है। मुंबई में कई स्थानों पर निर्माण कार्य भी चल रहा है। दक्षिण मुंबई और नवी मुंबई के डी वाई पाटिल स्टेडियम में 35 किलोमीटर की दूरी है। इसे देखते हुए मुंबई पुलिस और नवी । मुंबई पुलिस मिलकर काम करेंगी ताकि खिलाड़ियों को असुविधा नहीं हो। वानखेड़े और ब्रेबोर्न स्टेडियम पर होने वाले मैचों के दौरान ट्रैफिक जाम से बचने के लिए खास उपाय किए गए हैं क्योंकि मरीन ड्राइव और चर्चगेट स्टेशन पास ही है। चेन्नई सुपर किंग्स टीम ट्रायडेंट होटल में और दिल्ली कैपिटल्स ताज पैलेस में ठहरी है। दोनों होटल दक्षिण मुंबई में है। गुजरात टाइटंस जे डब्ल्यू मेरियट में और केकेआर परेल के आईटीसी ग्रांड में रूकी है। लखनऊ टीम नवी मुंबई में ताज विवांता में और मुंबई इंडियंस बांद्रा कुर्ला परिसर के ट्रायडेंट में रूकी है। पंजाब किंग्स पोवई के होटल रेनेसां में, राजस्थान रॉयल्स सांताक्रूज के ग्रांड हयात में, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर बांद्रा के ताज लैंड्स एंड में और सनराइजर्स हैदराबाद सहार के आईटीसी मराठा में ठहरी है।

भारत को खेलों की महाशक्ति बनने के लिये 'खेल विज्ञान' का समर्थन किया लवलीना ने

नयी दिल्ली । तोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन को लगता है कि देश के खिलाड़ियों को ट्रेनिंग में पूर्ण रूप से वैज्ञानिक दृष्टिकोण की जरूरत है ताकि भारतीय खिलाड़ी ओलंपिक जैसे बड़े टूर्नामेंट में और अधिक पदक जीत सकें। लवलीना भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के वैश्विक खेल सम्मेलन 'स्कोरकार्ड 2022' के मौके पर बोल रही थीं जिसमें चर्चा की गयी कि भारत कैसे खेलों में प्रगति कर सकता है। लवलीना ने विज्ञप्ति में कहा, ''मेरा मानना है कि भारत में काफी प्रतिभा मौजूद है और भारतीय खिलाड़ी दुनिया में सबसे ज्यादा मेहनती हैं। मुझे लगता है कि ट्रेनिंग प्रणाली को पूरी तरह से वैज्ञानिक रूप लेने की जरूरत है ताकि हम और अधिक पदक जीत सकें। '' उन्होंने कहा, ''पिछले कुछ वर्षों में हमने काफी विकास किया है और वैज्ञानिक ट्रेनिंग भी शुरू हुई है लेकिन हमें इसे जर्मीनी स्तर से ही लागू करने की जरूरत है। भारत सरकार इन दिनों खेलों के लिये बहुत कुछ कर रही है। '' उन्होंने कहा, ''मैं इस समर्थन के बिना यहां तक नहीं पहुंच सकती थी। '' साथ ही लवलीना ने कहा, ''खेलों को शुरू से ही स्कूल में नियमित विषय बनना चाहिए जो ग्रेजुएशन तक रहना चाहिए और खेल विज्ञान इसके लिये अहम होना चाहिए। ''

संक्षिप्त समाचार

जोहानिसबर्ग लेडीज ओपन : त्वेसा मलिक और अमनदीप द्राल कट में

जोहानिसबर्ग । भारतीय गोल्फर त्वेसा मलिक ने जोबर्ग लेडीज ओपन के पहले दौर की तुलना में बेहतर प्रदर्शन करते हुए इवन पार 73 का स्कोर करके कट में प्रवेश कर लिया। त्वेसा एक ओवर 147 के स्कोर के साथ संयुक्त 16वें स्थान पर है। भारत की अमनदीप द्राल ने निराशाजनक पहले दौर के बाद वापसी करते हुए 78.73 स्कोर किया और वह संयुक्त 48वें स्थान पर है। भारत की वापसी कपूर, दीक्षा डागर और सिद्धी कपूर कट में प्रवेश से चूक गई। मारिया हर्नांडिज और लिन ग्रांट पार 73 स्कोर के साथ शीर्ष पर हैं।

केकेआर के रंग में चमकना चाहते हैं प्रथम सिंह, कहा- एक पारी बदल सकती है जिंदगी

नई दिल्ली । बाएं हाथ के बल्लेबाज प्रथम सिंह इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने के बाद भारत के शीर्ष बिजनेस स्कूल 'आईएसबी में भी जगह बनाने में सफल रहे लेकिन क्रिकेट के प्रति जुनून ने उन्हें आखिर इंडियन प्रीमियर लीग तक पहुंचा ही दिया। दिल्ली का 29 साल का यह खिलाड़ी रेलवे के लिए सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में लगातार अच्छा प्रदर्शन करता रहा और उन्हें अब बंद हो चुकी आईपीएल फ्रेंचाइजी गुजरात लायंस ने भी चुन लिया था लेकिन वह मैदान पर नहीं उतर सके थे। पांच साल के लंबे इंतजार के बाद कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने उन्हें पिछली मेगा नीलामी में चुना। अब वह आईपीएल में अपनी काबिलियत साबित करने को तैयार हैं। सिंह ने कहा, 'यह किसी भी घरेलू क्रिकेटर के लिए बहुत अच्छा मौका है ।

मियामी ओपन के तीसरे दौर में पहुंचकर नंबर वन रैंकिंग पर स्वियातेक

मियामी गार्डस । इगा स्वियातेक ने मियामी ओपन के दूसरे दौर में स्विटजरलैंड कर विक्टोरिया गोलुबिच को 6.2, 6.0 से हराकर डब्ल्यूटीए रैंकिंग में पहला स्थान हासिल कर लिया और यह मुकाम पाने वाली वह पोलैंड की पहली खिलाड़ी बन गई। एशले बार्टी के संन्यास लेने के बाद अब स्वियातेक का नंबर वन पर पहुंचना तय है चाहे मियामी ओपन का नतीजा कुछ भी निकले। नवंबर 1975 में कम्प्यूटर रैंकिंग शुरू होने के बाद से स्वियातेक नंबर वन पर पहुंचने वाली 28वीं महिला होगी। वह 2016 में 903वें स्थान पर थी और 2018 में पहली बार शीर्ष 500 में पहुंची। वह 2020 में 17वीं रैंकिंग पर पहुंची और पिछले साल नौवें स्थान पर थी। अमेरिका की कोको गॉ ने चीन की वांग कियांग को 7.5, 6.4 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। ब्राजील की बीट्रिज हदाद माइया ने मारिया सक्कारी को 4.6, 6.1, 6.2 से मात दी। पुरूष वर्ग में 16वीं रैंकिंग वाले रीली ओपेलका को अर्जेंटीना के फ्रांसिस्को सेरूनडोलो के खिलाफ मैच कंधे की चोट के कारण छोड़ना पड़ा।

आईपीएल 2022 में हमें 2016 वाला विराट कोहली देखने को मिलेगा : गावस्कर

मुंबई ।

पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर मानते हैं कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) का कप्तान बदलने से इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को विराट कोहली का 2016 सत्र जैसा प्रदर्शन देखने को मिल सकता है जिसमें उन्होंने 900 से ज्यादा रन बनाए थे। रविवार को जब आरसीबी आईपीएल 15 के शुरूआती मुकाबले में पंजाब किंग्स के खिलाफ नवी मुंबई में डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेलने उतरेगी तो कोहली के सभी के आकर्षण का केंद्र होंगे, हालांकि इस बार वह बतौर खिलाड़ी मैदान में उतरेंगे। गावस्कर ने कहा कि इस समय हम नहीं जानते कि कोहली फिर कप्तानी संभालेंगे या नहीं। कभी कभार जब खिलाड़ी को कप्तानी के बोझ से राहत मिलती है तो वह अच्छा प्रदर्शन करता है क्योंकि वह अन्य 10 खिलाड़ियों के बारे में नहीं सोच रहा होता। जब आप कप्तान होते हो तो आप 10 अन्य खिलाड़ियों के बारे में सोच रहे होते हो और कभी कभार अपनी टीम के अन्य सदस्यों के बारे में भी, उनकी फॉर्म या उनकी खराब फॉर्म और वे क्या चीजें सही नहीं कर रहे, वे ये सही कब करेंगे, यह टीम के लिए अच्छा होगा कि बारे में सोच रहे होते हो। वे ये सही कब करेंगे, यह टीम के लिए अच्छा होगा कि बारे में सोच रहे होते हो। गावस्कर ने कहा कि इस सत्र में हमें 2016 के सत्र का कोहली देखने को मिल सकता है जिसमें उन्होंने आईपीएल सत्र में करीब 1000 रन बना लिये थे। कोहली पिछली बार 2012 में आरसीबी के कप्तान नहीं थे, जिसके बाद उन्होंने न्यूजीलैंड के डेनियल विटोरी से लेकर कप्तानी संभाली थी।

दिल्ली के मुक्केबाज सतनाम सिंह ने डब्ल्यूबीसी इंडिया फीदरवेट खिताब जीता

नई दिल्ली ।

दिल्ली के मुक्केबाज सतनाम सिंह ने दस राउंड के बाद अमय नितिन को बहुमत के फैसले से हराकर डब्ल्यूबीसी इंडिया फीदरवेट खिताब जीत लिया। दस राउंड के बाद दो जज ने सतनाम के पक्ष में फैसला दिया जबकि तीसरे जज ने से ड्रॉ बताया। सतनाम पहले कुछ राउंड में हावी रहे तो महाराष्ट्र के नितिन ने बाद में वापसी की। इस प्रतिस्पर्धा के साथ ही युनाइटेड प्रोफेशनल मुक्केबाजी के 'फाइटक्लब' लाइव मुक्केबाजी शो के पहले सत्र का समापन हो गया। एक अन्य मुकाबले में राकेश लोहचाब ने अमरनाथ यादव को हराकर सुपर बेंथम खिताब जीता।

गुजरात भाजपा का गढ़ था, है और रहेगा रहेगा:अमित शाह

अहमदाबाद।

केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि गुजरात भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का गढ़ था, गढ़ है और रहेगा। अमित शाह ने कहा कि भाजपा हारती नहीं, उसका कारण उसके कार्यकर्ता हैं। अहमदाबाद जिले के धोलका कस्बे में शनिवार को आयोजित एक कार्यक्रम में अमित शाह ने यह बात कही। अहमदाबाद व गांधीनगर में अनेक विकास कार्यों के उद्घाटन व शिलान्यास समारोह में अमित शाह शामिल हुए। उन्होंने धोलका कस्बे में कहा कि धोलका को गुजरात की सबसे विकसित विधानसभाओं में से एक बनाना उनका लक्ष्य है। केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि धोलका में कमल खिलाने की भी उनकी जिम्मेदारी है। अमित शाह ने कहा कि गुजरात में कांग्रेस सत्ता में आने के फिर से सपने देख रही है, लेकिन गुजरात भाजपा का गढ़ है। गुजरात भाजपा का गढ़ है और रहेगा। गुजरात में भारतीय जनता पार्टी की जीत का श्रेय अमित शाह ने भाजपा के कार्यकर्ताओं को दिया।

अमित शाह ने कहा कि भाजपा आज जो भी है, उसके कार्यकर्ताओं की बदौलत है। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार समान रूप से विकास कराती है। इस मामले में किसी तरह का कोई भेदभाव नहीं होता है। समारोह में मौजूद लोगों से उन्होंने यह भी कहा कि धोलका में अगले विधानसभा चुनाव में कमल खिलाना उनकी जिम्मेदारी है तथा विकास के लिए यहां के लोग भाजपा को अपना समर्थन देंगे। अमित शाह ने कलोल में रेलवे ओवर ब्रिज का शिलान्यास व गार्डन का लोकार्पण किया। गांधीनगर लोकसभा संसदीय क्षेत्र में अमित शाह ने अपने एक दिवसीय दौरे में अहमदाबाद व गांधीनगर जिले में कई विकास कार्यों का उद्घाटन लोकार्पण व शिलान्यास किया। अमित शाह ने आडियोलाजी स्पीच लैंग्वेज पैथोलाजी कालेज का किया उद्घाटनकेंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को गुजरात के सोला सिविल अस्पताल में आडियोलाजी स्पीच लैंग्वेज पैथोलाजी कालेज का उद्घाटन किया। आडियोलाजी स्पीच लैंग्वेज कालेज शुरू करने वाला गुजरात देश का पांचवां राज्य बन गया है। अमित शाह ने यहां आहार केंद्र का भी उद्घाटन किया, जिसमें मरीजों के साथ आने वाले परिजनों को निशुल्क भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। समारोह में शाह के साथ मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल स्वास्थ्य राज्यमंत्री निमिषा सुथार भी उपस्थित थीं। जन्मजात बहरापन तथा सुनने में होने वाली तकलीफ के कारण बोलने, समझने में परेशानी के साथ भूलने की भी समस्या पीड़ति को होने लगती है। अमित शाह ने गुजरात की पहली स्पीच लैंग्वेज पैथोलाजी कालेज का लोकार्पण किया। गुजरात की एक दिन की यात्रा पर अहमदाबाद पहुंचे केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री ने जीएमइआरएस कालेज परिसर में आडियोलाजी स्पीच लैंग्वेज कालेज की शुरुआत करने के बाद बताया कि इस तरह का कालेज शुरू करने वाला गुजरात पांचवां राज्य बन गया है। अमित शाह ने कालेज की एक्टिविटी व तकनीक आदि की बारीकी से जानकारी ली तथा चिकित्सकों व मेडिकल कर्मचारियों से भी इस बारे में चर्चा की। इस कालेज के शुरू होने से जन्मजात बहरेपन की पीड़ा झेल रहे बच्चों को काफी मदद मिलेगी।

राज्य में 17 नए मरीजों के साथ कोरोना के कुल 276 एक्टिव केस, 23 लोग डिस्चार्ज

अहमदाबाद।

शनिवार को राज्य में 1। मरीजों के साथ सक्रिय मरीज सामने आए हैं। जबकि 23 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किया गया। राज्य में कोरोना के सक्रिय मरीजों की संख्या 2।6 है। दूसरी ओर आज राज्य में 1.15 लाख से अधिक नागरिकों का टीकाकरण किया गया। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक पिछले 24 घंटों में कोरोना के सबसे अधिक 10 मामले अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में सामने आए हैं। सूरत में 2, वडोदरा में 2, बनासकांठा में 1, तापी में 1 और वडोदरा में 1 समेत राज्यभर में 1। नए केस दर्ज हुए हैं। जबकि 5 महानगर और 29 जिलों में कोरोना का एक भी नया केस दर्ज नहीं हुआ। इन महानगरों और जिलों में कोरोना का एक भी सक्रिय मरीज नहीं है। महानगरों में भावनगर, राजकोट, जूनागढ़, जामनगर और सूरत शामिल है। अहमदाबाद, अमरेली, आणंद, अरवल्ली, भरुच, भावनगर, बोटाद, छोटाउदेपुर, दाहोद, डांग, देवभूमि द्वारका, गांधीनगर, गिर सोमनाथ, जामनगर, जूनागढ़, खेडा, कच्छ, महीसागर, मेहसाणा, मोरबी, नर्मदा, नवसारी, पंचमहल, पाटन, पोरबंदर, राजकोट, साबरकांठा, सुरेन्द्रनगर और वलसाड समेत 29 जिलों में कोरोना का एक भी सक्रिय मरीज नहीं है। राज्य में फिलहाल कोरोना के 2।6 एक्टिव मामलों में 2।2 स्टेबल हैं और 4 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं। 1212644 लोग कोरोना को मात देकर स्वस्थ हो चुके हैं, जबकि 10942 लोगों की कोरोना से मौत हो चुकी है। दूसरी टीकाकरण अभियान के तहत शनिवार को राज्यभर में 1153।2 लोगों को वैक्सीनेट किया गया। जिसमें 18 वर्ष से अधिक आयु के 296। लोगों को कोरोना का पहला और 16542 को दूसरा डोज दिया गया। 15 से 18 वर्षी आयु वर्ग के 2352 किशोरों को पहली और ।।5। को कोविड की दूसरी वैक्सीन लगाई गई। 12 से 15 वर्षीय ।355। किशोरों को कोरोना का पहला डोज दिया गया। जबकि 1219। नागरिकों को आज बूस्टर डोज दिया गया। राज्य में अब तक 10 करोड़ 58 लाख 30 हजार 099 नागरिकों को वैक्सीनेट किया जा चुका है।

पश्चिम रेलवे चलाएगी बांद्रा टर्मिनस एवं बाड़मेर के बीच ग्रीष्म कालीन स्पेशल ट्रेन

अहमदाबाद ।

यात्रियों की सुविधा और उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के लिए पश्चिम रेलवे द्वारा बांद्रा टर्मिनस एवं बाड़मेर के बीच विशेष किराये पर ग्रीष्म कालीन स्पे शल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इस ट्रेन का विवरण निम्नाचनुसार है:-

ट्रेन संख्या 09037/09038 बांद्रा टर्मिनस-बाड़मेर साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन विशेष किराये पर [24 फेरे]

ट्रेन संख्या 09037 बांद्रा टर्मिनस-बाड़मेर विशेष ट्रेन प्रत्येक शुक्रवार को बांद्रा टर्मिनस से 19.25 बजे प्रस्थान कर अगले दिन 13.45 बजे बाड़मेर पहुंचेगी। यह ट्रेन 1 अप्रैल, 2022 से 17 जून, 2022 तक चलेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्याब 09038 बाड़मेर-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल ट्रेन प्रत्येक शनिवार को बाड़मेर से 21.00 बजे प्रस्थान कर अगले दिन 15.45 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी। यह ट्रेन 2 अप्रैल, 2022 से 18 जून, 2022 तक चलेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, वडोदरा, अहमदाबाद, महेसाणा, पाटन, भीलड़ी, धनेरा, रानीवाड़ा, मारवाड़ भीनमाल, मोदरान, जालोर, मोकलसर, समदड़ी, बालोतरा जं. और बायतू स्टेशनों पर रुकेगी। यह ट्रेन पूर्णत: आरक्षित ट्रेन होगी, जिसमें एसी 3-टियर और स्लीपर क्लास कोच होंगे। ट्रेन संख्या् 09037 की बुकिंग 27 मार्च, 2022 से यात्री आरक्षण केन्द्रों और आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के परिचालन समय, ठहराव और संरचना से सम्बंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि इन स्पेनशल ट्रेनों में कंफर्म टिकट वाले यात्रियों को ही यात्रा की अनुमति होगी।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में म्युनिसिपल फाइनेंशियल गवर्नन्स के क्षेत्र में गुजरात की बेमिसाल उपलब्धि

अहमदाबाद ।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात ने म्युनिसिपल फाइनेंशियल गवर्नन्स क्षेत्र में बेमिशाल उपलब्धि प्राप्त की है। वडोदरा महानगर पालिका द्वारा इश्यू किया गया बॉण्ड 7.15 प्रतिशत के न्यूनतम ब्याज दर पर 10 गुना सब्सक्राइब हुआ है। बॉण्ड के इश्यू की संपूर्ण प्रक्रिया में मुख्य सचिव श्री पंकज कुमार ने वडोदरा महानगर पालिका को आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया। इस बॉण्ड का 30 मार्च को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में लिस्टिंग होगा। वडोदरा महानगर पालिका द्वारा 'अमृत' मिशन के अंतर्गत इश्यू किए गए 100 करोड़ रुपए के बॉण्ड को कुल 1007 करोड़ रुपए की किंमत की 36 बीड मिली है। इसे देखते हुए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने वडोदरा शहर के महापौर केयूर रोकडिया तथा महानगर पालिका आयुक्त सुश्री शालिनी अग्रवाल को बधाई दी है। देश की महानगर पालिकाएं फंड जुटाने के लिए अटल मिशन फॉर रिजुवेनेशन एण्ड अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन-अमृत योजना अंतर्गत, सिक्योरिटी एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया 'सेबी' के द्वारा फाइनेंशियल बॉण्ड इश्यू कर सकती है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के इलेक्ट्रॉनिक प्लेटफॉर्म पर ओनलाइन सबस्क्रीप्शन के लिए 24 मार्च 2022, सुबह 11 बजे बॉण्ड इश्यू खोला गया। इश्यू खुलने के पहले सेकंड ही यह फाइनेंशियल बॉण्ड 4.52 गुना सब्सक्राइब हुआ। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने 100 करोड़ रुपए के इस बॉण्ड के इश्यू होने की समग्र प्रक्रिया के दौरान लगातार महानगर पालिका को मार्गदर्शन प्रदान किया और प्रक्रिया सरलता से पूरी होने के लिए आवश्यक सूचनाएँ भी दी।

वडोदरा महानगर पालिका ने 31 मार्च 2022 के पहले बॉण्ड के द्वारा फंड जुटाने में जो सफलता प्राप्त की है, इसके चलते वह भारत सरकार द्वारा 13 करोड़ रुपए की इंसेंटिव लेने पात्र बन गई है। वडोदरा महानगर पालिका ने फाइनेंशियल बॉण्ड को, इंडिया रेटिंग्स एण्ड रिसर्च प्रा. लि. तथा क्रेसिल रेटिंग लि. द्वारा +/STABLE का रेटिंग मिला है। इस फाइनेंशियल बॉण्ड से वडोदरा के सिविक इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट को प्रोत्साहन मिलेगा। बॉण्ड से मिलने वाली रकम 100 करोड़ रुपए वडोदरा महानगर पालिका द्वारा सिंधरोट जलापूर्ति योजना के लिए उपयोग किया जाएगा। ताकि शहर के लोगों का पीने के पानी सरलता से मिल सके। इसके उपरांत अमितनगर स्थित ए. पी. एस. के कार्यों के लिए भी इस रकम का उपयोग किया जाएगा, जिससे गटर लाइन की समस्या भी निराकरण हो पाए। यूनियन मिनिस्ट्री ऑफ़ हाउसिंग एण्ड अर्बन अफेयर्स तथा यूनाइटेड स्टेट्स के तकनीकी सलाहकार द्वारा वडोदरा महानगर पालिका को नि:शुल्क तकनीकी मदद मिली है। पूणे महानगर पालिका के बाद देश में वडोदरा महानगर पालिका ऐसी दूसरी महानगर पालिका है जिसे इस प्रकार की सहायता मिली है। इससे पहले वर्ष 2017 में पूणे में इस प्रकार से बॉण्ड इश्यू किया गया था, जिसमें सरकारी रेट 6.50 प्रतिशत था और यह बॉण्ड 7.60 प्रतिशत पर भरा गया था। अहमदाबाद और सूरत के जब

वर्ष 2019 में बॉण्ड इश्यू किए गए तब सरकारी रेट 7.20 प्रतिशत से लेकर 7.35 प्रतिशत था। इसके सामने 8.70 प्रतिशत के आसपास बॉण्ड भरे गए थे। गत वर्ष गाजियाबाद का जब बॉण्ड भरा गया, तब सरकारी रेट 6.30 प्रतिशत था। इसके सामने 8.10 प्रतिशत पर यह बॉण्ड भरा गया था। इस समय 6.33 प्रतिशत सरकारी रेट है, जिसके सामने 7.15 प्रतिशत अर्थात् मात्र 0.85 प्रतिशत अधिक ब्याज चुकाकर सभी महानगर में सबसे कम ब्याज पर वडोदरा महानगर पालिका को रुपए मिले है।

नई सोच नई शिक्षा नीति के साथ रू 46 करोड़ की लागत से भगवान महावीर कॉन्सेप्ट स्कूल का शुभारंभ किया जाएगा

सूरत, सूरत भूमि । "शिक्षण सच्ची समाज सेवा" की भावना के साथ, पूरे गुजरात के एक प्रतिष्ठित संगठन, भगवान महावीर एजुकेशन फाउंडेशन द्वारा एक नया कदम, रु। 100 करोड़ रुपये की लागत से "भगवान महावीर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर" का होगा शिलान्यास और रु. 46 करोड़ रुपये की लागत से अंतर्राष्ट्रीय कैम्ब्रिज बोर्ड द्वारा मान्यता प्राप्त "भगवान महावीर कॉन्सेप्ट स्कूल" के उद्घाटन समारोह में माननीय मुख्यमंत्री भूपेंद्रभाई पटेल, उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल साथ ही गुजरात प्रदेश अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी श्री सी.आर. पाटिल भी मौजूद रहेंगे।

भगवान महावीर एजुकेशन फाउंडेशन की स्थापना वर्ष 2012 में छात्रों को शिक्षा के एक ही मंत्र के साथ सर्वोत्तम शिक्षा देने के नेक इरादे से की गई थी। वर्तमान में हमारे पास 20 कॉलेज हैं, 100 से अधिक बहु-विषयक विषय हैं, विभिन्न क्षेत्र जैसे इंजीनियरिंग, - प्रबंधन, कंप्यूटर अनुप्रयोग, फार्मेसी, विज्ञान, वास्तुकला, नर्सिंग और होटल प्रबंधन क्षेत्र में अच्छा काम करने में हमारा नाम हैं, ऐसा उनके ट्रस्टीयों द्वारा बताया गया। भगवान महावीर एजुकेशन फाउंडेशन द्वारा संचालित भगवान महावीर विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों में 15000 छात्र अध्ययन कर रहे हैं। कुल 850 शैक्षणिक कर्मचारी सर्वोत्तम शिक्षा प्रदान करने का प्रयास कर रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर के कैम्ब्रिज बोर्ड ने

माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्रभाई मोदी द्वारा भारत भर में लागू की गई नई शिक्षा नीति एनईपी-2020 के तहत 'नई सोच-नई शिक्षा' की अवधारणा के साथ भगवान महावीर कॉन्सेप्ट स्कूल को मंजूरी दी। जिसमें अनुमानित लागत 46 करोड़ रुपये है। इसका उद्घाटन आदरणीय मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्रभाई पटेल साहब करेंगे। बिना तनाव के सीखना हमारा मुख्य आधार होगा। छात्रों को बिना किताब या बैग के स्कूल आना होगा। बच्चों को बचपन से ही उनकी रुचि का विषय पढ़ाया जाएगा और उनके भविष्य के लिए नए अवसर पैदा करने का प्रयास किया जाएगा।

- कैम्ब्रिज बोर्ड द्वारा निर्धारित अंतरराष्ट्रीय बैचमार्क के अनुसार शिक्षा - स्कूली शिक्षा के बजाय "कक्षा के बाहर" मुस्कान के साथ पढ़ना -पढ़ाना के साथ संस्कार

- छात्रों पर केंद्रीत सर्वश्रेष्ठ शिक्षा

- अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए पासपोर्ट

- बच्चे खुले मन से चर्चा कर सके , विषय और अवधारणा को समझ सके ऐसी शिक्षानिती।

केंद्रीय रेल मंत्री दर्शनबाहेन जरदोश ने शहर की पहली ट्रांसजेंडर एथलीट आंचल जरीवाला को उनकी उपलब्धियों पर बधाई दी

सूरत।

इंडियन पावरलिफ्टिंग फेडरेशन और गुजरात पावरलिफ्टिंग एसोसिएशन द्वारा सूरत में 17 से 19 मार्च तक पावरलिफ्टिंग के खेल में ट्रांसजेंडर लोगों को शामिल करने और बढ़ावा देने के लिए एक पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। सूरत की एक ट्रांसजेंडर खिलाड़ी आंचल जरीवाला ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया और 3 स्वर्ण पदक जीते और चैंपियन ऑफ चैंपियंस का खिताब हासिल किया। सांसद और केंद्रीय रेल और कपड़ा राज्य मंत्री श्रीमती दर्शनाबाहेन जरदोशी द्वारा खेल में आगे बढ़ने के लिए बधाई दी और प्रोत्साहित किया। विधायक एवं पूर्व स्वास्थ्य मंत्री किशोरभाई कनानी के अलावा विधायक कांतिभाई बलर भी उपस्थित थे और उन्होंने आंचल जरीवाला जैसे अन्य खिलाड़ियों से शहर, राज्य और देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए खेल और सामाजिक क्षेत्रों में आगे आने का अनुरोध किया।

किंजल मेहता आत्मविश्वासी, इनोवेटिव और क्रिएटिव महिलाओं की प्रतीक हैं

सूरत। भारतीय स्टार्ट-अप के इकोसिस्टम में तेजी से विकास हो रहा है। उद्यमी पिछले कुछ समय से स्टार्टअप की मदद से कारोबार को बढ़ावा दे रहे हैं। विशेष रूप से महिला उद्यमी वित्तीय क्षेत्र में पैठ बना रही हैं। तकनीक के युग में महिलाएं तेजी से आगे बढ़ रही हैं। वित्तीय नियोजन, चार्टर्ड एकाउंटेंट, कंपनी सचिवों, मानव संसाधन विभागों, इक्विटी और अन्य क्षेत्रों में महिलाओं का प्रभुत्व लगातार बढ़ रहा है। अब महिलाएं न केवल घर की देखभाल कर रही हैं बल्कि घर के साथ-साथ सामाजिक जिम्मेदारी और कमाई भी कर रही हैं। इस त्रिगुण संगम वाली आत्मविश्वासी, इनोवेटिव और क्रिएटिव महिला की प्रतीक किंजल मेहता कई महिलाओं के लिए एक पैम्फलेट बन गई हैं।

वित्तीय क्षेत्र में गुजरात की अग्रणी मेहता वेल्थ लिमिटेड के निदेशक और सीओओ किंजल मेहता वेल्थ प्रबंधन के क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। अपने सभी व्यवहारों में आचरण और सेवाओं के उच्चतम मानकों को बनाए रखा है। "लोग हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण चीज हैं," वे कहते हैं। हम अपनी क्षमता के अनुसार उनकी सेवा करने के लिए समर्पित हैं।"

प्रीमियम वेल्थ प्रबंधन वित्तीय क्षेत्र में निवेशकों के लिए एचएनआई और अल्ट्रा एचएनआई को उनके वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रदान करने का प्रवेश द्वार बन गया है। निवेश का एक पेशेवर और संरचित तरीका पेश करता है जो उन्हें वित्तीय स्वतंत्रता देता है। सेवाओं की विस्तृत श्रृंखला में पोर्टफोलियो प्रबंधन सेवाएं (पीएमएस), वैकल्पिक निवेश कोष (एआईएफ), निजी इक्विटी, वैश्विक निवेश कोष और रियल एस्टेट फंड शामिल हैं, जो सभी महिला उद्यमी किंजल मेहता की निवेश जागरूकता के प्रति महिलाओं को सशक्त बना रहे हैं। आज के कॉरपोरेट जगत में महिलाओं को जीवित रहना मुश्किल लगता है क्योंकि पुरुष उन्हें अपने करियर में आगे बढ़ने से हिचकते हैं। लेकिन अब बदलाव आ रहा है।

एक महिला उद्यमी के लिए क्रांति का क्या अर्थ है?

वैश्वीकरण, डिजिटलीकरण और स्टार्ट-अप बूम के इस स्वर्ण युग में, भारत महिला उद्यमियों के लिए एक क्रांति देख रहा है। केंद्र सरकार की जनगणना के अनुसार, भारत में उद्यमिता में महिला उद्यमियों

का योगदान 14त्न है, हालांकि, अभी भी कम है। अगर हम पुरुषों और महिलाओं के बीच समानता की बात कर रहे हैं, तो इस क्षेत्र में भी समान अधिकार होने चाहिए। हर महिला को अपने लिए नेतृत्व करना चाहिए। व्यक्ति को आत्मविश्वास, सफलता के शिखर तक पहुंचने का अवसर पैदा करना चाहिए।

अगर हम वित्त उद्योग के बारे में बात करते हैं, तो यह एक दशक में मौलिक रूप से बदल गया है। उद्योग अधिक परिपक्व और निवेशक केंद्रित हो गया है। कार्य के लिए उन्नत प्रौद्योगिकी द्वारा संचालित, वैश्विक निवेशक सम्मेलन, विशेष प्रीमियम उत्पाद, फंड प्रबंधक, विपणन, मानव संसाधन, संचालन, कस्टमर डिलाइट फाइनान्स द्वारा संचालित है।

गुजरात का जामनगर बनेगा पारंपरिक चिकित्सा का वैश्विक केन्द्र

अहमदाबाद । आयुष मंत्रालय ने गुजरात में आयुर्वेद में प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान (आईटीआरए) स्थित अपने अंतरिम कार्यालय के साथ गुजरात के जामनगर में भारत में पारंपरिक चिकित्सा के लिए डब्ल्यूएचओ वैश्विक केन्द्र की स्थापना के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के साथ मेजबान देश समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस केंद्र को भारत सरकार की ओर से लगभग 250 मिलियन अमरीकी डॉलर के निवेश से सहायता मिलेगी। जीसीटीएम का प्राथमिक उद्देश्य आधुनिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी के माध्यम से दुनिया भर से पारंपरिक चिकित्सा की क्षमता का दोहन करना और विश्व भर के समुदायों के समग्र स्वास्थ्य में सुधार लाना है। इस समझौते पर 25 मार्च को जिनेवा में आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा और डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक डॉ. टेड्रोस एडनॉम घेब्रेयसस ने हस्ताक्षर किए गए। पिछले महीने केंद्रीय मंत्रिमंडल ने केन्द्र की स्थापना को मंजूरी दी थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस ऐतिहासिक कार्यक्रम के लिए अपने संदेश में कहा, च्पारंपरिक चिकित्सा के लिए वैश्विक केंद्र की स्थापना के लिए समझौते पर हस्ताक्षर के बारे में जानकर प्रसन्नता हो रही है। विभिन्न पहलों के माध्यम से, हमारी सरकार रोकथाम संबंधी और उपचारात्मक स्वास्थ्य देखभाल को किफायती और सभी के लिए सुलभ बनाने का निरंतर प्रयास करती रही है। जामनगर स्थित वैश्विक केन्द्र विश्व को सर्वोत्तम स्वास्थ्य सेवा समाधान उपलब्ध कराने में सहायता करेगा। भारत सरकार की पहल के महत्व को रेखांकित करते हुए, डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक डॉ. टेड्रोस एडनॉम घेब्रेयसस ने कहा कि आधुनिक विज्ञान और समानता तथा स्थिरता के सिद्धांतों पर चित्रण करके पारंपरिक चिकित्सा की क्षमता का दोहन 21वीं सदी में स्वास्थ्य के लिए एक क्रांतिकारी बदलाव सिद्ध होगा। जीसीटीएम विश्व भर में पारंपरिक चिकित्सा के लिए पहला और एकमात्र वैश्विक केन्द्र (कार्यालय) होगा।

यह पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों और उत्पादों पर नीतियों और मानकों के लिए ठोस आधार साक्ष्य के निर्माण पर फोकस करेगा तथा देशों को उपयुक्त तरीके से इसे उनकी स्वास्थ्य प्रणालियों में समेकित करने तथा इष्टतम और टिकाऊ प्रभाव के लिए इसकी गुणवत्ता और सुरक्षा को विनियमित करने में सहायता करेगा। पारंपरिक चिकित्सा स्वास्थ्य देखभाल वितरण प्रणाली का एक प्रमुख स्तंभ है और न केवल भारत में बल्कि विश्व भर में अच्छे स्वास्थ्य और कल्याण को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। हाल के वर्ष में, पारंपरिक चिकित्सा उपचारों में भी प्रमुख बदलाव देखा गया है क्योंकि कृत्रिम आसूचना, प्रौद्योगिकी नवोन्मेषणों के उपयोग ने इसे आम लोगों के लिए और अधिक सुलभ बना दिया है। आधुनिक प्रौद्योगिकियों को अपनाने के साथ, कृत्रिम आसूचना (एआई) का उपयोग अब पारंपरिक चिकित्सा में साक्ष्य और रुझानों को मानचित्रित करने तथा फार्माकोकाइनेटिक गुणों के लिए प्राकृतिक उत्पादों की जांच करने के लिए किया जा रहा है। डब्ल्यूएचओ-जीसीटीएम की रूपरेखा विश्व के सभी क्षेत्रों को शामिल करने और लाभान्वित करने के लिए बनायी गई है। शिलान्यास समारोह 21 अप्रैल, 2022 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में आयोजित किया जाएगा।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)